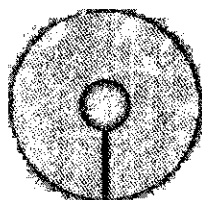


वार्षिक रिपोर्ट 1998-99  
**भारतीय स्टेट बैंक**

Report  junction.com



Annual Report 1998-99  
**State Bank of India**

Report Junction.com

## विषय सूची

सूचना	1
केन्द्रीय निदेशक बोर्ड	2
स्थानीय बोर्ड के सदस्य	4
केन्द्रीय प्रबन्धन समिति के सदस्य	7
बैंक के लेखा-परीक्षक	8
उल्लेखनीय तथ्य	9
अध्यक्ष की ओर से	10
विश्व अर्थव्यवस्था एवं भारतीय अर्थव्यवस्था	14
वित्तीय निष्पादन	20
संगठनात्मक पुनर्संरचना	24
ऋण प्रबंधन	26
कोष परिचालन एवं बाजार जोखिम प्रबंधन	28
बैंक के परिचालन	30
(क) कारपोरेट बैंकिंग	30
(ख) राष्ट्रीय बैंकिंग	32
(ग) अन्तरराष्ट्रीय बैंकिंग	36
(घ) सहयोगी बैंक और अनुषंगियाँ	40
सहायक प्रणालियाँ	44
केन्द्रीय बोर्ड की बैठकें	48
तुलन-पत्र, लाभ-हानि खाता और नकदी प्रवाह विवरण	50

## Contents

Notice	1
Central Board of Directors	2
Members of Local Boards	4
Members of Central Management Committee	7
The Bank's Auditors	8
Highlights	9
From the Chairman's Desk	11
The World Economy and The Indian Economy	15
Financial Performance	21
Organisational Restructuring	25
Credit Management	27
Treasury Operations and Market Risk Management	29
Bank's Operations	31
(A) Corporate Banking	31
(B) National Banking	33
(C) International Banking	37
(D) Associates and Subsidiaries	41
Support Systems	45
Meetings of the Central Board	49
Balance Sheet, Profit & Loss Account & Cash Flow Statement	50

## सूचना

### भारतीय स्टेट बैंक

केन्द्रीय कार्यालय, मुंबई 400 021.

16th जून 1999

26 ज्येष्ठ 1921 (शक)

भारतीय स्टेट बैंक के शेयरधारकों की 44 वीं वार्षिक महासभा, रवीन्द्र भवन, प्रोफेसर कॉलोनी, विद्या विहार पो. आ., भोपाल - 462 002 (मध्य प्रदेश) में बृहस्पतिवार, दिनांक 5 अगस्त 1999 को अपराह्न 3.00 बजे निम्नलिखित कार्य के निष्पादन हेतु होगी:

“31 मार्च 1999 तक की केन्द्रीय बोर्ड की रिपोर्ट, बैंक का तुलन-पत्र और लाभ-हानि लेखा तथा तुलन-पत्र और लेखों पर लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट प्राप्त करना.”

१७/६/९९

जी. जी. वैद्य

अध्यक्ष



### Notice

#### State Bank of India

Central Office, Mumbai 400 021.

16th June, 1999

26 Jyestha 1921 (Saka)

The 44th Annual General Meeting of the Shareholders of the State Bank of India will be held at the Ravindra Bhavan, Professors' Colony, Vidhya Vihar P. O., Bhopal - 462 002 (Madhya Pradesh) on Thursday, the 5th August, 1999 at 3.00 P.M. for transacting the following business :

“to receive the Central Board's Report, the Balance Sheet and Profit and Loss Account of the Bank made up to the 31st March, 1999 and the Auditors' Report on the Balance Sheet and Accounts.”

G. G. VAIDYA  
Chairman

## केन्द्रीय निदेशक बोर्ड

(24 जून 1999 को)

अध्यक्ष

श्री जी. जी. वैद्य

प्रबंध निदेशक

श्री वी. जानकीरामन

श्री एस. आर. अय्यर

भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम 1955 की धारा 19 (ख ख)

के अन्तर्गत पदेन

श्री परमपाल सिंह मान

श्री यावर रशीद

डा. रजत कुमार चक्रवर्ती

श्री के. पूर्णचंद्र राव

श्रीमती अनिला आर. धोलकिया

डा. किरसन कानुनगो

अधिनियम की धारा 19 (ग) के अन्तर्गत निर्वाचित

डा. एस. रमणी

डा. आई. जी. पटेल

श्री अजय जी. पीरामल

श्री शशिकांत बी. गरवारे

अधिनियम की धारा 19 (ग क) के अन्तर्गत

केन्द्र सरकार द्वारा नियुक्त

श्री सुरेश कुमार मेहरा

अधिनियम की धारा 19 (ग ख) के अन्तर्गत

केन्द्र सरकार द्वारा नियुक्त

श्री शांथा राजू

अधिनियम की धारा 19 (घ) के अन्तर्गत

केन्द्र सरकार द्वारा नामित

श्री आर. प्रभाकर राव

श्री सी. एन. रामचंद्रन

डा. वी. बी. कौजलगी

श्री राजेन्द्र एस. लोढा

अधिनियम की धारा 19 (ड) के अन्तर्गत

केन्द्र सरकार द्वारा नामित

श्री सी. एम. वासुदेव

अधिनियम की धारा 19 (च) के अन्तर्गत

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा नामित

श्री जगदीश कपूर

## Central Board of Directors

(As on 24th June 1999)

Chairman

Shri G. G. Vaidya

Managing Directors

Shri V. Janakiraman

Shri S. R. Iyer

Ex-officio under Section 19 (bb)  
of State Bank of India Act 1955

Shri Parmpal Singh Mann

Shri Yawar Rashid

Dr. Rajat Kumar Chakrabarti

Shri K. Purnachandra Rao

Smt. Anila R. Dholakia

Dr. Kissen Kanungo

Elected under Section 19 (c) of the Act

Dr. S. Ramani

Dr. I. G. Patel

Shri Ajay G. Piramal

Shri Shashikant B. Garware

Appointed by the Central Government  
under Section 19 (ca) of the Act

Shri Suresh Kumar Mehra

Appointed by the Central Government  
under Section 19 (cb) of the Act

Shri Shantha Raju

Nominated by the Central Government  
under Section 19 (d) of the Act

Shri R. Prabhakar Rao

Shri C. N. Ramachandran

Dr. V. B. Kaujalgi

Shri Rajendra S. Lodha

Nominated by the Central  
Government under Section 19 (e) of the Act

Shri C. M. Vasudev

Nominated by the Reserve Bank of India under  
Section 19 (f) of the Act

Shri Jagdish Capoor



श्री वी. जानकीरामन  
Shri V. Janakiraman



श्री एस. आर. अय्यर  
Shri S. R. Iyer



श्री जगदीश कपूर  
Shri Jagdish Capoor



श्री सी. एम. वासुदेव  
Shri C. M. Vasudev



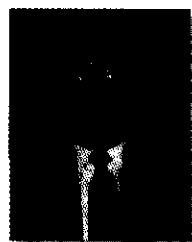
श्री परमपाल सिंह मान  
Shri Parmpal Singh Mann



श्री यावर रशीद  
Shri Yawar Rashid



डा. रजत कुमार चक्रवर्ती  
Dr. Rajat Kumar Chakrabarti



श्री के. पूर्णचंद्र राव  
Shri K. Purnachandra Rao



श्रीमती अनिला आर. धोलकिया  
Smt. Anila R. Dholakia



डा. किसन कानुनगो  
Dr. Kissen Kanungo



डा. एस. रमणी  
Dr. S. Ramani



डा. आई. जी. पटेल  
Dr. I. G. Patel



श्री जी. जी. वैद्य  
Shri G. G. Vaidya



श्री अजय जी. पीरामल  
Shri Ajay G. Piramal



श्री शशिकांत बी. गरवारे  
Shri Shashikant B. Garware



श्री सुरेश कुमार मेहरा  
Shri Suresh Kumar Mehra



श्री शांथा राजू  
Shri Shantha Raju



श्री आर. प्रभाकर राव  
Shri R. Prabhakar Rao



श्री सी. एन. रामचंद्रन  
Shri C. N. Ramachandran



डा. वी. बी. कौजलगी  
Dr. V. B. Kaujalgi



श्री राजेन्द्र एस. लोढ़ा  
Shri Rajendra S. Lodha

## स्थानीय बोर्ड के सदस्य

(24 जून 1999 को)

### स्थानीय बोर्ड, कलकत्ता

डॉ. रजत कुमार चक्रवर्ती	- सभापति
श्री अहमद हुसैन मंडल	- सभापति
श्री मुरलीधर जिंदल	- सदस्य
श्री राजेन्द्र एस. लोढ़ा	- सदस्य
श्री पी. के. सरकार	- मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

### स्थानीय बोर्ड, मुंबई

डा. (कुमारी) एस. के. वर्गीज	- सदस्य
श्री आर. एन. कोल्हे	- सदस्य
श्री ए. बी. तुमाने	- सदस्य
श्री अजय जी. पीरामल	- सदस्य
श्री शशिकांत बी. गरवारे	- सदस्य
श्री ए. के. पुरवार	- मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

### स्थानीय बोर्ड, चेन्नई

श्री शैलेश टी. भंसाली	- उप सभापति
डा. एस. रमणी	- सदस्य
श्री सी. एन. रामचन्द्रन	- सदस्य
श्री बी. रामचंद्र राव	- मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

### स्थानीय बोर्ड, नई दिल्ली

श्री वीरेन्द्र सूद	- उप सभापति
श्री आर. एन. मिश्र	- सदस्य
श्री एम. ए. अल्वी	- सदस्य
श्री मधुकर	- मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

### स्थानीय बोर्ड, लखनऊ

श्री अमर सिंह	- सदस्य
श्री मोहम्मद स्वालेह अंसारी	- सदस्य
श्री के. एस. व्ही. कृष्णमाचारी	- मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

## Members of Local Boards

(As on 24th June 1999)

### Calcutta Local Board

Dr. Rajat Kumar Chakrabarti	- President
Shri Ahmad Hossain Mondal	- Vice-President
Shri Murlidhar Jindal	- Member
Shri Rajendra S. Lodha	- Member
Shri P. K. Sarkar	- Chief General Manager (Ex-Officio)

### Mumbai Local Board

Dr. (Miss) S. K. Verghese	- Member
Shri R. N. Kolhe	- Member
Shri A. V. Tumane	- Member
Shri Ajay G. Piramal	- Member
Shri Shashikant B. Garware	- Member
Shri A. K. Purwar	- Chief General Manager (Ex-Officio)

### Chennai Local Board

Shri Shailesh T. Bhansali	- Vice President
Dr. S. Ramani	- Member
Shri C. N. Ramachandran	- Member
Shri B. Ramachandra Rao	- Chief General Manager (Ex-Officio)

### New Delhi Local Board

Shri Virender Sood	- Vice President
Shri R. N. Mittal	- Member
Shri M. A. Alvi	- Member
Shri Madhukar	- Chief General Manager (Ex-Officio)

### Lucknow Local Board

Shri Amar Singh	- Member
Shri Mohd. Swaleh Ansari	- Member
Shri K.S.V. Krishnamachari	- Chief General Manager (Ex-Officio)

**स्थानीय बोर्ड, अहमदाबाद**

श्रीमती अनिला आर. धोलकिया	- सभापति
श्री दिनेश. एम. मेहता	- उप सभापति
प्रो. एम. पी. भट्ट	- सदस्य
श्री जगदीश एस. झवेरी	- सदस्य
श्री रतिलाल जी. मकवाना	- सदस्य
डा. आई. जी. पटेल	- सदस्य
श्री आर. कृष्णमूर्ति	- मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

**Ahmedabad Local Board**

Smt. Anila R. Dholakia	- President
Shri Dinesh M. Mehta	- Vice President
Prof. M. P. Bhatt	- Member
Shri Jagdish S. Jhaveri	- Member
Shri Ratilal G. Makwana	- Member
Dr. I. G. Patel	- Member
Shri R. Krishnamurthi	- Chief General Manager (Ex-Officio)

**स्थानीय बोर्ड, हैदराबाद**

श्री एन. बी. नाईक	- सदस्य
श्री आर. प्रभाकर राव	- सदस्य
श्री ए. अल्फ्रेड सोलोमन	- मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

**Hyderabad Local Board**

Shri N. B. Naik	- Member
Shri R. Prabhakar Rao	- Member
Shri A. Alfred Solomon	- Chief General Manager (Ex-Officio)

**स्थानीय बोर्ड, पटना**

श्री सी. भट्टाचार्य	- मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)
---------------------	---------------------------

**Patna Local Board**

Shri C. Bhattacharya	- Chief General Manager (Ex-Officio)
----------------------	--------------------------------------

Report Junction.com

**स्थानीय बोर्ड, भोपाल**

श्री यावर रशीद	- सभापति
श्री मधुकर मरमट	- उप सभापति
श्री केदारनाथ शर्मा	- सदस्य
श्रीमती चंद्रप्रभा पटेरिया	- सदस्य
श्री राजेंद्र अस्थाना	- मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

**Bhopal Local Board**

Shri Yawar Rashid	- President
Shri Madhuker Marmat	- Vice President
Shri Kedar Nath Sharma	- Member
Smt. Chandra Prabha Pateria	- Member
Shri Rajendra Asthana	- Chief General Manager (Ex-Officio)

**स्थानीय बोर्ड, भुवनेश्वर**

डॉ. किरण कानुनगो	- सभापति
श्री रबिन कुमार मित्रा	- उप सभापति
श्री वी. वी. वर्टी	- मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

**Bhubaneswar Local Board**

Dr. Kissen Kanungo	- President
Shri Rabin Kumar Mittra	- Vice President
Shri V. V. Warty	- Chief General Manager (Ex-Officio)

**स्थानीय बोर्ड, चण्डीगढ़**

श्री परमपाल सिंह मान	- सभापति
श्री माखन लाल धर	- उप सभापति
कैप्टन ठाकुर दास	- सदस्य

**Chandigarh Local Board**

Shri Parmpal Singh Mann	- President
Shri Makhan Lal Dhar	- Vice President
Captain Thakur Dass	- Member

**स्थानीय बोर्ड, गुवाहाटी**

श्री प्रभाकर शर्मा	- मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)
--------------------	---------------------------

**Guwahati Local Board**

Shri Prabhakar Sharma	- Chief General Manager (Ex-Officio)
-----------------------	--------------------------------------

**स्थानीय बोर्ड, बंगलूर**

श्री के. पूर्णचंद्र राव	- सभापति
श्री निरंजन थॉमस अल्वा	- उप सभापति
श्री बन्नाजे रामाचार	- सदस्य
डा. वी. बी. कौजलगी	- सदस्य
श्री एन. सदाशिवन	- मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

**Bangalore Local Board**

Shri K. Purnachandra Rao	- President
Shri Niranjana Thomas Alva	- Vice President
Shri Bannanje Ramachar	- Member
Dr. V. B. Kaujalgi	- Member
Shri N. Sadasivan	- Chief General Manager (Ex-Officio)



माननीय प्रधानमंत्री को दो चेक सौंपते हुए बैंक के अध्यक्ष महोदय - इसमें से 6 करोड़ रुपये का एक चेक (बैंक कर्मचारियों के एक दिन के अवकाश का नकदीकरण) प्रधानमंत्री के राष्ट्रीय राहत कोष में, और 5 करोड़ रुपये का दूसरा चेक प्रधानमंत्री के राष्ट्रीय सुरक्षा कोष में बैंक के कारपोरेट अंशदान के रूप में दिया गया।

The Chairman handing over two cheques to the Prime Minister - one of Rs.6 crores (encashment of one day's leave of the Bank's employees) to the PM's National Relief Fund, and other cheque of Rs 5 crores as corporate contribution to the PM's National Defence Fund.



**केन्द्रीय  
प्रबंधन  
समिति के  
सदस्य**

(24 जून 1999 को)

**श्री जी. जी. वैद्य**  
अध्यक्ष

**श्री वी. जानकीरामन**  
प्रबन्ध निदेशक एवं समूह  
कार्यपालक (कारपोरेट बैंकिंग)

**श्री एस. आर. अय्यर**  
प्रबन्ध निदेशक एवं समूह  
कार्यपालक (राष्ट्रीय बैंकिंग)

**श्री डी. पी. रॉय**  
उप प्रबन्ध निदेशक  
एवं समूह कार्यपालक  
(सहयोगी बैंक एवं अनुषंगियां)

**श्री वाई. राधाकृष्णन**  
उप प्रबन्ध निदेशक एवं  
कारपोरेट विकास अधिकारी

**श्री एस. गोविंदराजन**  
उप प्रबन्ध निदेशक एवं  
मुख्य वित्तीय अधिकारी

**श्री जानकी बल्लभ**  
उप प्रबन्ध निदेशक  
एवं समूह कार्यपालक  
(अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग)

**श्री पी. एन. वेंकटाचलम**  
उप प्रबन्ध निदेशक एवं  
मुख्य ऋण अधिकारी

**Members of  
Central  
Management  
Committee**

(As on 24th June 1999)

**Shri G. G. Vaidya**  
Chairman

**Shri V. Janakiraman**  
Managing Director &  
Group Executive (Corporate Banking)

**Shri S. R. Iyer**  
Managing Director &  
Group Executive (National Banking)

**Shri D. P. Roy**  
Deputy Managing Director  
& Group Executive  
(Associates & Subsidiaries)

**Shri Y. Radhakrishnan**  
Deputy Managing Director &  
Corporate Development Officer

**Shri S. Govindarajan**  
Deputy Managing Director &  
Chief Financial Officer

**Shri Janki Ballabh**  
Deputy Managing Director  
& Group Executive  
(International Banking)

**Shri P. N. Venkatachalam**  
Deputy Managing Director  
& Chief Credit Officer

## बैंक के लेखा-परीक्षक

भट्टाचार्य दास एण्ड कं.  
खिम्जी कुंवरजी एण्ड कं.  
प्राइस पैट एण्ड कं.  
पी. के. चोपड़ा एण्ड कं.  
पी. जैन एण्ड कं.  
रमणलाल जी. शाह एण्ड कं.  
सत्यनारायण एण्ड कं.  
रघुनाथ राय एण्ड कं.  
लुनकर एण्ड कं.  
एस. आर. आर. के. शर्मा एसोशिएट्स  
खन्ना एण्ड कं.  
आर. सिंघी एण्ड कं.  
आर. सुब्रमणियन एण्ड कं.

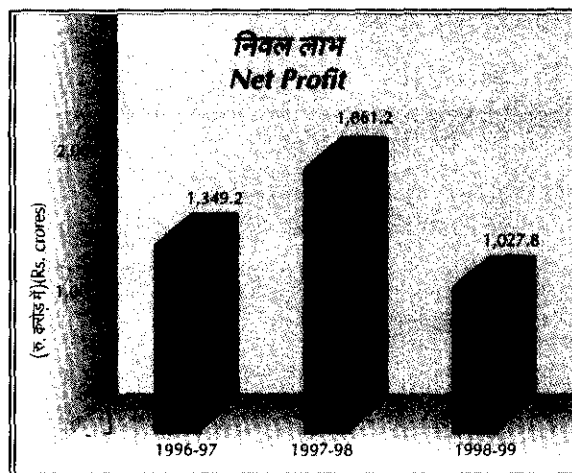
## The Bank's Auditors

Bhattacharya Das & Co.  
Khimji Kunverji & Co.  
Price Patt & Co.  
P. K. Chopra & Co.  
P. Jain & Co.  
Ramanlal G. Shah & Co.  
Satyanarayana & Co.  
Raghunath Rai & Co.  
Loonker & Co.  
S. R. R. K. Sharma Associates  
Khanna & Co.  
R. Singhi & Co.  
R. Subramanian & Co.

## उल्लेखनीय तथ्य Highlights

वर्ष के लिए FOR THE YEAR	1998-99	1997-98	परिवर्तन प्रतिशत में % change
कुल आय (करोड़ रुपये) Total Income (Rs. crores)	22,392	18,699	19.7
कुल व्यय (करोड़ रुपये) Total Expenditure (Rs. crores)	21,364	16,838	26.9
निवल लाभ (करोड़ रुपये) Net Profit (Rs. crores)	1,027.8	1,861.2	-44.8
आय - प्रति शेयर (रुपये) Earnings per Share (Rs.)	19.53	35.36	-44.8
औसत आस्तियों पर आय (%) Return on Average Assets (%)	0.52	1.09	-52.3
ईक्विटी पर आय (%) Return on Equity (%)	9.88	19.37	-49.0
प्रति कर्मचारी लाभ (रुपये) Profit per Employee (Rs.)	43,000	77,000	-44.2

वर्ष की समाप्ति AT THE END OF	मार्च March 1999	मार्च March 1998	परिवर्तन प्रतिशत में % change
संदत पूँजी और आरक्षितियाँ एवं अधिशेष (करोड़ रुपये) Paid-up Capital and Reserves & Surplus (Rs. crores)	10,402	9,608	8.3
जमा राशियाँ (करोड़ रुपये) Deposits (Rs. crores)	1,69,042	1,31,091	29.0
अग्रिम (बिलों सहित) (करोड़ रुपये) Advances (including Bills) (Rs. crores)	82,360	74,237	10.9
कुल आस्तियाँ / देयताएँ (करोड़ रुपये) Total Assets/ Liabilities (Rs. crores)	2,22,509	1,79,673	23.8
शाखाओं की संख्या (विदेश स्थित शाखाओं / कार्यालयों सहित) Number of Branches (including Foreign Branches/ Offices)	8,982	8,925	0.6
पूँजी पर्याप्तता अनुपात (%) Capital Adequacy Ratio (%)	12.51	14.58	-14.2
निवल अलामकारी आस्तियाँ (%) Net NPA (%)	7.18	6.07	18.3



## अध्यक्ष की ओर से

प्रिय शेयरधारक,

वर्ष 1998-99 के लिए आपके बैंक के निदेशक बोर्ड की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए मुझे अपार हर्ष हो रहा है। इस अवसर पर मैं बैंक के इतिहास की एक युग प्रवर्तक (आर आई बी) घटना के बारे में उल्लेख करना चाहूँगा जो पिछले वर्ष घटित हुई थी। बैंक ने सफलतापूर्वक रिसर्जेंट

इंडिया बाण्ड निर्गम शुरू किया जिसके माध्यम से देश के विकास हेतु अनिवासी भारतीयों (एन आर आई) और विदेशी कंपनी निकाय (ओ सी बी) से जमा राशियाँ संग्रहीत की गईं। इस निर्गम को अत्यधिक प्रतिसाद मिला और बैंक ने 4.23 बिलियन अमरीकी डालर की राशि संग्रहीत की, विश्व में बहुत कम ऐसे निर्गम जारी हुए हैं जिनके द्वारा इतनी बड़ी राशि जुटाई गई हो।

इस वर्ष के बैंक के निवल लाभ में 44.8 प्रतिशत की गिरावट आई और निवल लाभ की राशि 1,027.8 करोड़ रुपये रही जबकि पिछले वर्ष यह राशि 1,861.2 करोड़ रुपये थी। निवल लाभ में गिरावट आने के कई कारण रहे हैं। यद्यपि निवेशों पर मूल्यहास के लिए अतिरिक्त प्रावधान की पुनरांकन राशि (कर घटाने के बाद 626.7 करोड़ रुपये) ने पिछले वर्ष के लाभ में महत्वपूर्ण योगदान दिया था जबकि वर्ष 1998-99 के लिए ऐसी पुनरांकन राशि (कर घटाने के बाद 8.5 करोड़ रुपये) तुलनात्मक रूप से बहुत कम रही है। इसके अलावा, चालू वर्ष के दौरान, बैंक को रिसर्जेंट इंडिया बॉण्ड के निर्गम व्यय के लिए 319.2 करोड़ रुपये का एक साथ प्रावधान करना पड़ा है तथा इसी तरह से, पिछले वर्ष प्रावधान की गई 100 करोड़ रुपये की राशि के अलावा, उद्योग स्तर पर हुए समझौते के अनुसार बढ़े हुए वेतन के लिए 315.3 करोड़ रुपये की राशि का भी प्रावधान करना पड़ा है। मुख्य रूप से मंद औद्योगिक कार्यकलाप के कारण अलाभकारी आस्तियों में (एन पी ए) वृद्धि हुई, जिसके कारण भी लाभ में कमी आई और इसके साथ-साथ चालू वर्ष के दौरान प्रावधान संबंधी अपेक्षाएं बढ़कर 272 करोड़ रुपये तक हो गईं।

मैं चिंता के दो प्रमुख मुद्दों का उल्लेख करना चाहूँगा। तीव्र प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ ब्याज दरों में दी जानेवाली ढील बैंकिंग उद्योग के कीमत-लागत अंतर को व्यापक रूप से प्रभावित करती रही है। इसके अलावा, हाल ही में हुई वेतन वृद्धि के कारण भी जब तक बेहतर ग्राहक सेवा के द्वारा व्यवसाय की मात्रा में भारी वृद्धि नहीं की जाती है और उपरि-व्ययों पर प्रभावी नियंत्रण नहीं रखा जाता है, तब तक बैंक की लाभप्रदता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। इस स्थिति ने बैंक को ब्याजेतर/शुल्क आधारित आय में वृद्धि करने की संभावना के महत्व का पूर्वाभास करा दिया है।

हाल के वर्षों में आपका बैंक वैयक्तिक बैंकिंग व्यवसाय पर विशेष ध्यान दे रहा है। विशिष्ट रूप से सुस्थापित पहचान वाली छवि और सर्वोत्तम परिवेश वाली अनेक वैयक्तिक बैंकिंग शाखाएं स्थापित की गई हैं, तथा चालू वित्तीय वर्ष के प्रथमार्ध के दौरान और अधिक शाखाएँ खोली जानी हैं। अत्याधुनिक और समर्पित माध्यमों के रूप में, ये शाखाएँ उच्च निवल मालियत वाले व्यक्तियों की वैयक्तिक बैंकिंग आवश्यकताओं का ध्यान रख रही हैं। अब तक के परिणाम उत्साहजनक रहे हैं। आपके बैंक ने एक व्यापक वैयक्तिक ऋण योजना शुरू की है जिसमें व्यक्तियों को किसी भी वैयक्तिक आवश्यकता के लिए ऋण दिए जाते हैं। इसके अलावा, व्यक्तिगत आवास ऋण योजनाओं का प्रभावशाली ढंग से विपणन किया जा रहा है। साथ ही व्यापार, सेवाओं और मध्यम आकारवाले कारपोरेट ग्राहकों से संबंधित व्यवसाय में उच्च कीमत-लागत अंतर, अलाभकारी आस्तियों की कम संभावनाएं और अत्यधिक तरलता विद्यमान होने के कारण बैंक, अब इन क्षेत्रों में अपनी वित्तीय सम्बद्धता बढ़ाने पर अत्यधिक जोर दे रहा है।

आपके बैंक के लिए शुल्क आधारित आय के एक प्रमुख स्रोत के रूप में कार्ड व्यवसाय का चयन किया गया है। एस बी आई कार्ड ने एक तीव्र प्रतिस्पर्धात्मक परिवेश वाले कार्ड बाजार में अपने लिए एक सुस्थापित पहचान (ब्रांड नेम) अर्जित कर ली है। आपके बैंक को आशा है कि वह दिसम्बर 1999 तक संपूर्ण देश में कार्ड जारी करने संबंधी कार्य को पूर्ण कर लेगा और वर्ष 2001 तक, एस बी आई कार्ड को 30 प्रतिशत बाजार अंश हासिल होने की आशा है।

गैर-निधि आधारित महत्ववाला एक अन्य क्षेत्र 'स्वर्ण बैंकिंग' है। तेजी से बढ़ रहे मध्यम वर्ग के ग्राहकों की सुविधा के लिए छोटे-छोटे टुकड़ों में स्वर्ण की बिक्री में अग्रणी इस बैंक ने निकट भविष्य में अनेक स्वर्ण बैंकिंग उत्पाद शुरू

# From the Chairman's Desk

*Dear Shareholder,*

I take pleasure in presenting to you the Report of the Board of Directors of your Bank for the year 1998-99. On this occasion, I would like to mention about a landmark event in the Bank's history that took place during the year gone by. The Bank successfully launched the Resurgent India Bonds (RIB) issue in order to tap the potential of non-resident Indians (NRIs)/overseas corporate bodies (OCBs) for the country's development. The issue received overwhelming response and the Bank mobilised USD 4.23 billion; in very few issues the world over has such a large amount been ever mobilised.

The Bank's net profit for the year came down by 44.8% to Rs.1,027.8 crores from Rs.1,861.2 crores in the previous year. This decline was contributed by several factors. While the write-back of excess provision for depreciation on investments (Rs.626.7 crores net of tax) contributed significantly to the profit of the previous year, such write-back for 1998-99 has been comparatively insignificant (Rs.8.5 crores net of tax). Besides, during the current year, the Bank had to make a one-time provision of Rs.319.2 crores for the issue expenses of the Resurgent India Bonds and also provide Rs.315.3 crores towards wage hike as per the industry level settlement over and above Rs.100 crores provided last year. Increase in non-performing assets (NPAs) mainly on account of subdued industrial activity also contributed to the depressed profits with the provisioning requirement going up by Rs.272 crores during the current year.

I would like to highlight two major issues of concern. Interest rate deregulation, coupled with intense competition, has been impinging on the "spread" of the banking industry. Besides, the recent wage hike would also adversely affect the Bank's profitability unless it is made up by larger business volumes through improved customer service and effective control over the overheads. The situation has brought to fore the significance of harnessing the potential for increasing the non-interest/fee income for the Bank.

Personal banking business has been receiving focussed attention of your Bank in the recent years. A number of Personal Banking Branches, with a distinct brand image and prime ambience, have been set up, and many more are slated to be opened during the first half of the current financial year. As sophisticated and dedicated delivery channels, these branches are targeting personal banking needs of the high net worth individuals. The result so far has been encouraging. Your Bank has introduced a comprehensive personal loan product allowing individuals to take loans for any personal requirement. Besides, individual housing loan schemes are being marketed vigorously. Further, the Bank is also now laying greater emphasis on increasing its exposure to trade, services and mid-corporates, mainly on account of higher spreads, lower incidence of NPA and greater liquidity in these sectors.

Card business has been identified as one of the sources of fee-based income for your Bank. The SBI Card has already earned a brand name for itself in the card market in a fierce competitive environment. Your Bank is hopeful of completing the rollout of the card throughout the country by December 1999, and by 2001 the SBI Card is expected to command 30% market share.

Another non-fund based thrust area is "Gold Banking". A pioneer bank in the sale of smaller pieces of gold for the convenience of middle-class consumers, it has plans to introduce many gold banking products in



करने की योजनाएं बनाई हैं। आपका बैंक उपयोग में न आ रहे धरेलू स्वर्ण को उत्पादनकारी और आर्थिक दृष्टि से उपयोगी बनाने और भारत में एक सुव्यवस्थित और सुगठित स्वर्ण बाजार का विकास करने के लिए प्रतिबद्ध है। स्वर्ण को परखने के लिए भारत में विश्व-स्तरीय मानकों की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए एक संयुक्त उद्यम (जे बी) की स्थापना करना भी अग्रिम चरण में है।

बीमा उद्योग को शीघ्र ही निजी क्षेत्र के लिए खोल दिये जाने को ध्यान में रखते हुए, आपके बैंक ने विश्व की एक प्रमुख बीमा कम्पनी के सहयोग से, सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक (आर बी आई) की अनुमति के अधीन, जीवन बीमा उद्यम शुरू करने का निर्णय लिया है जिससे बैंक की सुस्थापित पहचान, संवितरण तंत्र और ग्राहक आंकड़ा आधार में वृद्धि हो सके। इसका उद्देश्य एक ऐसी विश्व स्तरीय बीमा कंपनी का सृजन करना है जो अपने हितधारकों के लिए दीर्घावधि मूल्य सृजन पर ध्यान केन्द्रित कर सके और में अग्रणी बीमा कंपनी के रूप में उभर सके।

बैंक अपनी निक्षेपागार सेवाओं के कार्यक्षेत्र में भी विस्तार कर रहा है और इसने राष्ट्रीय स्तर के दो निक्षेपागारों, अर्थात् एन एस डी एल और सी डी एस एल को संयुक्त रूप से प्रायोजित किया है।

यद्यपि पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान व्यावसायिक परिस्थितियां उत्साहजनक नहीं थी, फिर भी आपके बैंक ने ऋण देने के कार्य में अत्यंत विवेक से काम लिया है क्योंकि अलाभकारी ऋणों को प्रबंधनीय सीमाओं में रखने के लिए यह सख्त जोखिम प्रबंधन प्रणाली का अनुपालन करता है। बाजार जोखिमों जो बैंक के निवेश संबंधी निर्णयों के लिए महत्वपूर्ण बन गए हैं का प्रबंध सावधानीपूर्वक किया जाता है, जिसके लिए यह समिति अद्यतन आस्ति-देयता प्रबंधन तकनीकों का अनुपालन करती है।

आधारिक संरचना के वित्तपोषण बाजार में बैंक अपनी अनन्य परियोजना वित्त 'कार्यनीतिक व्यवसाय इकाई' (एस बी यू) के माध्यम से एक प्रमुख बैंकर है। यह देश की उस आधारिक संरचना के विकास के संबंध में आपके बैंक की सम्बद्धता को प्रतिबिम्बित करती है जिसकी अपर्याप्तता देश के आर्थिक विकास में एक प्रमुख रुकावट बनी है। लगभग तीन वर्ष की अल्पावधि में ही, कार्यनीतिक व्यवसाय इकाई, विशेष रूप से बिजली के क्षेत्र में एक प्रमुख बैंकर के रूप में और आधारिक संरचना संबंधी सलाहकार सेवा समूह के रूप में भी उभर कर सामने आई है।

आपका बैंक अपने फायदे के लिए प्रौद्योगिकीय नवोन्मेषों का उपयोग कर रहा है, और आज इसके पास 1,708 पूर्णतः कंप्यूटरीकृत शाखाएं हैं। इससे बैंक को न केवल नए व्यावसायिक अवसर प्राप्त होंगे, बल्कि सेवाओं को और अधिक आसान, त्वरित, सस्ती तथा ग्राहकों के अनुकूल बनाया जा सकेगा। इंटरनेट बैंकिंग सेवा शुरू करने और शाखाओं का नेटवर्किंग करने का कार्य आपके बैंक की कार्य-सूची में सबसे ऊपर है जिससे वह अपने प्रतिस्पर्धियों से आगे निकल सके।

भारतीय बैंकिंग प्रणाली के सामने प्रौद्योगिकी सबसे बड़ी चुनौती होगी क्योंकि यह नई सहस्राब्दी में प्रवेश कर रहा है। इस चुनौती का सामना करने के लिए आपका बैंक सभी आवश्यक कदम उठा रहा है।

एक ओर अपने शेयरधारकों तथा दूसरी ओर ग्राहकों के हितों को ध्यान में रखते हुए भारतीय स्टेट बैंक अपने कार्यकलापों में विविधता ला रहा है। यह आस्ति गुणवत्ता परिचालन दक्षता और हितधारकों के मूल्य में सुधार करने के लिए प्रतिबद्ध है।

चूंकि बैंकिंग जैसे सेवा उद्योग के कार्यों को सुचारु रूप से चलाने के लिए कर्मचारी आधार बिन्दु होते हैं, इसलिए आपका बैंक मानव संसाधन विकास (एच आर डी) को शीर्ष प्राथमिकता प्रदान करता है। आपके बैंक की मानव संसाधन विकास नीति का उद्देश्य विभिन्न स्तरों पर कौशल एवं कार्यशैली को और अधिक प्रखर बनाना है, जो आगे चलकर कर्मचारियों में आवश्यक आत्मविश्वास पैदा करे और बैंकिंग की नई चुनौतियों के संबंध में उनकी विचारधारा में परिवर्तन करेगा। बैंक की प्रशिक्षण संस्थापनाओं के विस्तृत तंत्र द्वारा इन प्रयासों में और अधिक तेजी लाई गई है। मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि कर्मचारी संघ और अधिकारी संघ इस आवश्यकता को समझते हैं और इस संबंध में उनका रवैया रचनात्मक रहा है।

अंत में, यद्यपि वर्ष 1998-99 के दौरान आपके बैंक का निष्पादन मंद दिखाई पड़ रहा है, फिर भी, मुझे विश्वास है कि अर्थव्यवस्था में सुधार होने से बैंक के निष्पादन में और अधिक सुधार करने के हमारे प्रयासों के बेहतर परिणाम शीघ्र ही सामने आयेंगे। वास्तविक क्षेत्र परिवेश में सुधार के प्रारंभिक संकेत अब दिखाई देने लगे हैं। आपके बैंक का मूलाधार पर्याप्त रूप से सुदृढ़ है जिसके कारण आनेवाले वर्षों में उसकी संवृद्धि को निरन्तर गति मिलती रहेगी।

ससम्मान,

भवदीय,

21/01/99

(जी. जी. वैद्य)



the near future. Your Bank is committed to making productive and economic use of idle household gold and developing a formal and structured gold market in India. It is also in an advanced stage of setting up a joint venture (JV) for providing assaying facility of world-class standards in India.

In view of the impending opening of the insurance industry, your Bank has decided to launch a life insurance venture, subject to clearance by the Government and Reserve Bank of India (RBI), in collaboration with a global insurance major so as to leverage the Bank's brand name, distribution network and customer database. The aim is to create an insurance company of global standard with focus on long-term value creation for its stakeholders and emerge as one of the premier insurance providers.

The Bank is also expanding the ambit of its Depository Services and has co-sponsored the two national-level depositories, namely, the National Securities Depository Limited (NSDL) and the Central Depository Services Limited (CDSL).

Although the business conditions were not encouraging during the last financial year, your Bank was extremely prudent in lending, as it follows rigorous risk management systems to keep non-performing loans within manageable limits. Market risks, which have assumed importance for the Bank's investment decisions, are tackled carefully by a committee, following the latest asset liability management techniques.

The Bank is a major player in the infrastructure financing market, through its exclusive Project Finance Strategic Business Unit (SBU). This reflects your Bank's concern towards developing the country's infrastructure, inadequacy of which has been a major bottleneck in the economic growth of the country. Within a short span of about three years, the SBU has emerged as a major player, particularly in the power sector, and also as an infrastructure advisory services group.

Your Bank is exploiting the technological innovations to its advantage, and today, it has 1,708 fully computerised branches. This will not only open up new business opportunities for the Bank but also make services easier, faster, cheaper and more customer-friendly. Introduction of Internet Banking and Networking of branches are high on the agenda of your Bank to ensure its competitive edge over others.

Technology will be the greatest challenge before the Indian banking system as it enters the new millennium. Your Bank is taking all necessary steps to keep pace with this development.

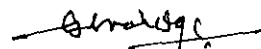
SBI is diversifying keeping in view the interests of its shareholders on one hand and customers on the other. It is committed to improving asset quality, operating efficiency and stakeholders' value.

As employees are pivotal to smooth functioning of a service industry like banking, your Bank accords top priority to human resources development (HRD). The focus of your Bank's HRD policy is on sharpening skills and techniques at various levels, which, in turn, will instil necessary confidence in the employees and change their mindset towards newer challenges in banking. The efforts have been well buttressed by the Bank's vast network of training establishments. I am happy to add that the Staff Unions and the Officers' Associations appreciate this need and have been constructive in this regard.

Finally, although your Bank's performance during 1998-99 has been apparently subdued, I am confident that our efforts to improve the Bank's performance further will yield better results soon, complemented by economic recovery. The initial signs of upturn in the real sector environment are visible now. Your Bank's fundamentals are strong enough to provide the springboard for its sustained growth in the years ahead.

With warm regards,

Yours sincerely,



(G G Vaidya)

## विश्व अर्थव्यवस्था एवं भारतीय अर्थव्यवस्था

### विश्व अर्थव्यवस्था

वर्ष के दौरान अंतरराष्ट्रीय आर्थिक परिवेश असामान्य रूप से अस्थिर और प्रतिकूल बना रहा. जुलाई 1997 में थाईलैण्ड में प्रथम बार आर्थिक संकट पैदा होने के बाद एशियाई आर्थिक संकट निरंतर बना हुआ है. यह आर्थिक संकट जिसने इस क्षेत्र को प्रतिकूल रूप से प्रभावित किया है, सम्पूर्ण एशिया में फैलता एवं गहराता जा रहा है. इसने रूस और ब्राजील जैसे उभरते हुए अन्य बाजारों के साथ साथ औद्योगिक देशों की विकास संभावनाओं को भी प्रभावित किया. वर्ष 1998 में सम्पूर्ण विश्व में आर्थिक विकास की दर घटकर 2.5 प्रतिशत रह गई और वर्ष 1999 में भी इसमें सुधार की बहुत कम संभावना है. विश्व व्यापार संवृद्धि दर में भी काफी गिरावट आई. तेल से लेकर खाद्यान्न तक की वस्तुओं के मूल्यों में गिरावट आई और अपस्फीति ने विश्व की अर्थव्यवस्था को काफी अधिक प्रभावित किया.

हर तरह से निराशाजनक इस परिदृश्य में आशा की एक किरण केवल अमरीकी अर्थव्यवस्था की सुदृढ़ता थी, जो अत्यंत गतिशील रही और वर्ष 1998 में इसके 3.6 प्रतिशत तक बढ़ने का अनुमान है. इस संवृद्धि के साथ-साथ रोजगार के अवसरों में भी भारी वृद्धि हुई, घरेलू क्रय शक्ति में बढोत्तरी और इन सबसे बढ़कर तो उच्च स्तर का विश्वास बना रहा. यूरो जोन में भी, आर्थिक स्थिति में रोजगार में वृद्धि और कीमतों में गिरावट देखी गई जिसके परिणामस्वरूप क्रय शक्ति में और अधिक वृद्धि हुई. वर्ष 1998 के दौरान चीन की अर्थव्यवस्था की संवृद्धि दर 7.8 प्रतिशत बढ़ जाने का अनुमान है, यद्यपि, यह संवृद्धि दर पिछले 18 वर्षों के दौरान दर्ज की गई 10 प्रतिशत की औसत संवृद्धि दर से कम है. निर्यात, जो चीन की अर्थव्यवस्था के प्रमुख आधार स्तम्भों में से एक है, पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा क्योंकि अन्य दूसरे एशियाई देशों के उत्पाद और अधिक प्रतिस्पर्धी बन गए.



कारपोरेट लेखा समूह शाखा, चेन्नई द्वारा वित्तपोषित - छोटी कार की एक आधुनिक इकाई का संयोजन स्थल  
Assembly lines at a modern small car unit - financial assistance provided by CAG Branch, Chennai

जनवरी 1999 में यूरो मुद्रा की सफलतापूर्वक शुरुआत, युद्धोत्तर अन्तरराष्ट्रीय वित्तीय इतिहास में घटने वाली अत्यधिक महत्वपूर्ण घटनाओं में से एक थी, जिसकी तुलना 1970 के दशक के प्रारंभ में स्वर्ण के बदले डालर मुद्रा के रूपांतरण की समाप्ति और अस्थायी विनिमय दरों को अपनाने से की जा सकती है. यूरो जोन के आर्थिक, वाणिज्यिक और वित्तीय महत्व के परिणामस्वरूप यह आशा की जाती है कि यूरो मुद्रा शीघ्र ही मुख्य क्षेत्रीय मुद्रा के रूप में स्थापित हो जाएगी, और यथासमय यह एक अन्तरराष्ट्रीय आरक्षित मुद्रा के रूप में उभरेगी. मार्च 1999 में विश्व व्यापार संगठन का वित्तीय सेवाओं से संबंधित बहुदेशीय करार लागू हो जाने से, विश्व के बैंकिंग, बीमा और आस्ति प्रबंधन का लगभग 75 प्रतिशत भाग प्रतिस्पर्धा के लिए खुल गया है.

### भारतीय अर्थव्यवस्था

#### वास्तविक क्षेत्र परिवेश

वर्ष 1998-99 के दौरान कुछ अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्थाओं में अस्थिरता का प्रभाव कुछ सीमा तक भारतीय अर्थव्यवस्था पर भी पड़ा. तथापि, भारतीय अर्थव्यवस्था इससे संतोषजनक रूप से बचकर रही और इसके वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद में 6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो पिछले वर्ष हासिल की गई 5 प्रतिशत की संवृद्धि से अधिक रही. इस संवृद्धि में कृषि और सहायक क्षेत्र में दर्ज की गई 7.6 प्रतिशत की संवृद्धि का सहयोग रहा है, जो पिछले वर्ष की एक प्रतिशत ऋणात्मक संवृद्धि दर से ऊपर उठकर तेजी से बढ़ी है. देशीय और निर्यात व्यापार की कुल मांग में मंद गति से सुधार होने के कारण उद्योग और सेवा क्षेत्रों की संवृद्धि में गिरावट आई. औद्योगिक क्षेत्र में मंदी बनी रही और वर्ष 1998-99 के दौरान औद्योगिक उत्पादन सूचकांक में मात्र 3.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई जबकि वर्ष 1997-98 में इसमें 6.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी. विश्व व्यापार की संवृद्धि दर में गिरावट, विनिर्मित वस्तुओं की प्रमुख मदों की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में कमी, पूर्वी एशियाई देशों की मुद्राओं का भारी रूप से मूल्यहास और कुछ औद्योगिक देशों द्वारा लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों के साथ-साथ आधारिक संरचना संबंधी रुकावटों की देशीय बाध्यताओं, उच्च लेनदेन लागत और कृषि उत्पादों का निर्यात कम होने के कारण वर्ष 1998-99 में भारतीय निर्यातों में 1 प्रतिशत की गिरावट आई जबकि 1997-98 में इनमें 2.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी. अनेक कारणों से आयातों में 2.6 प्रतिशत की मामूली सी वृद्धि हुई जबकि पिछले वर्ष इनमें 5.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी. इन कारणों में कमजोर देशीय मांग, औद्योगिक कार्यकलाप में अपेक्षाकृत कमी और आयातों का विशेष रूप से तेल के निम्न इकाई मूल्य में अपेक्षाकृत आई कमी शामिल है. पर्याप्त विदेशी मुद्रा भण्डार और इसके साथ-साथ विदेशी मुद्रा बाजार में सुव्यवस्थित एवं जबाबदेह स्थिति बनाए रखने के प्रति भारतीय रिजर्व बैंक की प्रतिबद्धता से देशीय मुद्रा के बाह्य मूल्य में स्थिरता बनी रही.



# The World Economy and The Indian Economy

## World Economy

The international economic environment was turbulent and not quite favourable during the year. The Asian Crisis continued to reverberate since it first struck Thailand in July 1997. The crisis, which had adversely affected the region, continued to widen and deepen throughout Asia. It affected other emerging markets too, such as Russia and Brazil, as well as the growth prospects of industrial countries. Economic growth the world over slowed down to 2.5% in 1998 with little prospect of recovery in 1999. World trade growth also decelerated sharply. Commodity prices, from oil to foodgrains fell and deflation affected much of the world economy.

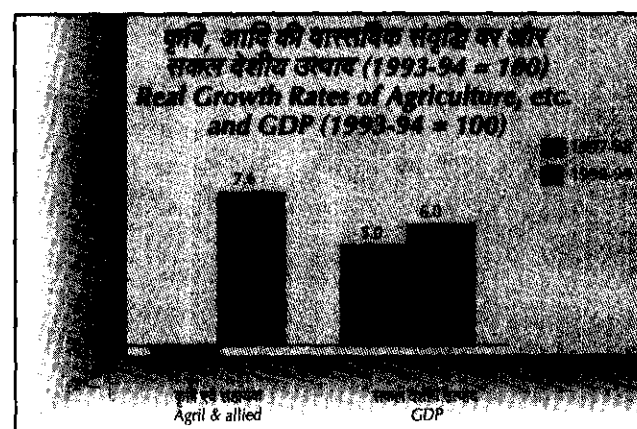
The silver lining in this otherwise dismal scenario was the strength of the US economy, which remained extremely dynamic, and is estimated to have grown by 3.6% in 1998. The growth was accompanied by high level of job creation, higher household purchasing power and, above all, high level of confidence. In the euro zone also, the economic situation was marked by increasing employment and declining prices resulting in higher purchasing power. Chinese economy is estimated to have grown at 7.8% during 1998, although it was lower than the average growth rate of 10% recorded in the previous 18 years. Exports, one of the pillars of the China's economy, were adversely affected, as the products of other Asian countries became more competitive.

The successful launch of the Euro in January 1999 was one of the most significant events in the post-war international financial history, comparable to the end of the dollar's convertibility to gold and the adoption of floating exchange rates in the early 1970s. The Euro is expected to establish itself as the main regional currency as a result of the economic, commercial and financial weight of the euro zone, and in due course, emerge as an international reserve money. The World Trade Organisation's multilateral agreement on financial services came into force in March 1999, exposing about 75% of the world's banking, insurance and asset management to competition.

## Indian Economy

### Real Sector Environment

The turbulence in some of the international economies had its impact to some extent on the Indian economy during 1998-99. However, the Indian economy steered through it satisfactorily and posted 6% growth in its real gross domestic product (GDP), higher than the 5% growth achieved in the previous year. This was powered by a growth of 7.6% in the agriculture and allied sector, which rebounded from a negative 1% growth last year. The growth in the industrial and the services sectors decelerated due to slow recovery in aggregate demand, both domestic and export. The industrial sector continued to languish, with the Index of Industrial Production (IIP) rising by a mere 3.8% during 1998-99, compared to 6.6% in 1997-98. The decline in the growth of world trade, reduction in the international prices of major items of manufactured goods, massive depreciation of the East Asian currencies and economic sanctions by a few industrialised countries compounded by the domestic constraints of infrastructure bottlenecks, high transaction costs and lower agricultural exports led to a fall in Indian exports by 1% in 1998-99, as against a growth of 2.6% in 1997-98. Imports grew marginally by 2.6% compared to 5.7% in the previous year due to several factors including weak domestic demand, lower industrial activity and lower unit value of imports, particularly of oil. Comfortable foreign exchange reserves, coupled with RBI's commitment to maintain orderly and responsible conditions in the forex market,



यह वर्ष 5 प्रतिशत मुद्रास्फीति की वार्षिक दर (वर्षानुवर्ष थोक मूल्य सूचकांक पर आधारित) के साथ समाप्त हुआ, जबकि पिछले वर्ष यह 5.3 प्रतिशत वार्षिक थी। अप्रैल से नवंबर 1998 के दौरान वस्तुओं (प्राथमिक) की कीमतों में अनपेक्षित वृद्धि होने से, नवंबर के प्रथम सप्ताह में मुद्रास्फीति की यह दर 8.9 प्रतिशत के शीर्ष स्तर तक पहुँच गई थी। उसके बाद, खाद्यान्नों का नया स्टॉक आ जाने से, साथ ही साथ सरकार द्वारा डीजल की कीमतों में कमी करने से, मुद्रास्फीति की दर में कमी आई जो (जनवरी 16 तक की) 4 प्रतिशत से थोड़ी अधिक थी।

वर्ष 1998-99 के लिए राजकोषीय घाटा, सकल घरेलू उत्पाद का 4.5 प्रतिशत रहा, जिसका आकलन सकल घरेलू उत्पाद के संशोधित अनुमानों और सरकार की लघु बचत संग्रहण की संशोधित लेखा प्रणाली के आधार पर किया गया। पूर्ववर्ती पुरानी कार्यपद्धति के आधार पर, राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद के 5.6 प्रतिशत के बजट किए गए लक्ष्य की तुलना में यह सकल घरेलू उत्पाद का 6.5 प्रतिशत निकाला गया है, जो वर्ष के दौरान केन्द्र सरकार के वित्तपोषणों पर दिए गए जोर की ओर संकेत करता है।

### वित्तीय क्षेत्र परिवेश

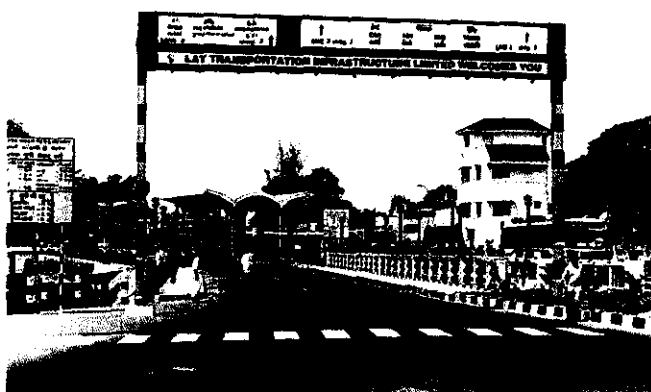
वर्ष के दौरान मौद्रिक क्षेत्र में स्थूल मुद्रा (एम 3) में वर्षानुवर्ष 17.8 प्रतिशत की महत्वपूर्ण दर से उर्ध्वगामी वृद्धि हुई है। तथापि, वर्ष के दौरान जारी किए गए रिसर्जेंट इंडिया बाण्ड की आगम राशि को शामिल न करते हुए एम 3 की संवृद्धि दर 15.6 प्रतिशत निकाली गई है। एम 3 का प्रमुख स्रोत बैंकिंग क्षेत्र की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां थी, जिनमें 17.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई और इसके साथ ही सरकार को दिये गए निवल बैंक ऋण थे जिनमें 16.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वाणिज्यिक क्षेत्र को दिए गए बैंक ऋणों में वृद्धि तुलनात्मक रूप से कम स्तर पर 12.5 प्रतिशत रही है। प्रणाली में पर्याप्त तरलता के परिणामस्वरूप, बैंक जमा संवृद्धि दर पूरे वर्ष उच्च स्तर पर रही, जो वर्ष-प्रति वर्ष सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की कुल जमा राशियों में हुई 18.5 प्रतिशत की वृद्धि से प्रतिबिंबित होती है। इसके

विपरीत, सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के ऋणों की मांग 12.9 प्रतिशत की दर से मंद रही जो वास्तविक क्षेत्र के परिवेश को प्रतिबिंबित करती है। वर्ष 1998-99 में बाण्डों/ऋणपत्रों और वाणिज्यिक पत्रों में निवेश एवं प्रत्यक्ष ऋण के रूप में बैंकिंग क्षेत्र से वाणिज्यिक क्षेत्र की ओर कुल संसाधन प्रवाह में 15.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई। सरकारी और अनुमोदित प्रतिभूतियों में बैंकिंग क्षेत्र का निवेश बढ़कर 16.2 प्रतिशत हो गया।

अप्रैल 1998 में, भारतीय रिज़र्व बैंक ने स्वयं द्वारा घोषित अर्ध वार्षिक मौद्रिक नीतियों को एक नई दिशा प्रदान की। उन्होंने यह घोषणा की है कि वर्ष के आरंभ से ही संरचनात्मक उपायों पर और अधिक जोर दिया जाना शुरू हो जाएगा। ऐसे संरचनात्मक उपायों में वर्ष के दौरान कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा और ये मध्यावधि तक जारी रहेंगे। इस बदली हुई स्थिति से बैंकों को अपने परिचालनों से संबंधित योजनाएं बनाने और मध्यावधि मौद्रिक परिप्रेक्ष्य को ध्यान में रखते हुए संगठनात्मक परिवर्तन करने में आसानी होगी। केन्द्रीय बैंक ने भी यह घोषणा की है कि अल्पावधि ऋण एवं विनियामक उपाय आर्थिक परिवेश के अनुसार जब भी और जहां भी आवश्यक होगा, किए जाएंगे। अप्रैल की मौद्रिक नीति में बैंक दरों में कमी की गई और इसे 10 प्रतिशत से 9 प्रतिशत कर दिया गया। बैंकों को एक जैसी परिपक्वतावाली जमा राशियों पर उनकी राशि की मात्रा के आधार पर अलग-अलग ब्याज दरें प्रस्तावित करने की स्वतंत्रता दी गई है।

पूर्वी एशियाई संकट और देशीय क्षेत्र में उनके प्रभाव से संबंधित अनिश्चितताओं के चलते अमरीकी डालर के मुकाबले रुपये के बाह्य (विदेशी) मूल्य पर अगस्त 1997 के आखिरी सप्ताह से लगातार दबाव बना हुआ है। तथापि, अनावश्यक जोखिम उठाने वाली ताकतों को नियंत्रित करने के लिए 20 अगस्त 1998 को भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा घोषित किये गए उपायों से रुपये के मूल्य में गिरावट आनी बंद हुई और सितम्बर 1998 से रुपये के मूल्य में थोड़ा सुधार हुआ और 31 मार्च 1999 को एक अमरीकी डालर के मुकाबले रुपये का मूल्य औसतन 42.14/56 रुपये बना रहा। भारतीय रिज़र्व बैंक के उपायों में अन्य बातों के साथ-साथ, निम्नलिखित उपाय भी शामिल हैं, जैसे (क) आरक्षित नकदी-निधि अनुपात में अस्थायी वृद्धि करके 10 प्रतिशत से 11 प्रतिशत करना, (ख) नियतदर वाली पुनर्खरीद दर में वृद्धि करके उसे 5 प्रतिशत से 8 प्रतिशत करना, (ग) विदेशी संस्थात्मक निवेशकों को पूर्व में अनुमत वृद्धिशील निवेश संबंधी वायदा रक्षा (फारवर्ड कवर) के अलावा, 11 जून 1998 तक के पूंजी निवेशों पर 15 प्रतिशत तक वायदा रक्षा (फारवर्ड कवर) अनुमत करना, (घ) आयातकों द्वारा रद्द किए गए वायदा संविदाओं (सौदों) को फिर से बुक करने पर प्रतिबंध लगाना, और (ङ) वायदा संबंधी प्रतिबद्धताओं को कारपोरेट ग्राहकों द्वारा हाजिर और वायदा में विभाजित किए जाने की अनुमति न देना।

भारतीय रिज़र्व बैंक की अक्टूबर में घोषित मौद्रिक नीति का उद्देश्य नरसिम्हम समिति की रिपोर्ट ॥ के अनुसार पूंजी पर्याप्तता और आय निर्धारण संबंधी मानदण्डों को और अधिक सख्ती से लागू करते हुए बैंकों को और अधिक सुदृढ़ बनाने में सहयोग प्रदान करना है। इस प्रकार बैंकों



परियोजना वित्त कार्यनीतिक व्यवसाय इकाई द्वारा आधारीक संरचना हेतु वित्तपोषण - कोयम्बतूर के राष्ट्रीय राजमार्ग पर निर्मित एक पुल का दृश्य  
Infrastructure financing by Project Finance SBU - a view of a bridge on a national highway in Coimbatore

ensured stability in the external value of the domestic currency.

The year ended with an annual inflation rate of 5% (Wholesale Price Index, year-on-year) as against 5.3% last year. Unexpected spurt in the prices of primary articles during April to November led to inflation reaching a peak of 8.9% in the first week of November 1998. Thereafter, arrival of new food stock, coupled with the reduction in diesel prices by the Government, brought down the rate of inflation to slightly above 4% (January 16).

The fiscal deficit for the year 1998-99, computed on the basis of revised GDP estimates and the changed accounting system for the small savings collections by the Government, stood at 4.5% of GDP. On the basis of the earlier methodology, it worked out to 6.5% of GDP, against the 5.6% budgeted, indicating the strain on the Central Government finances during the year.

### Financial Sector Environment

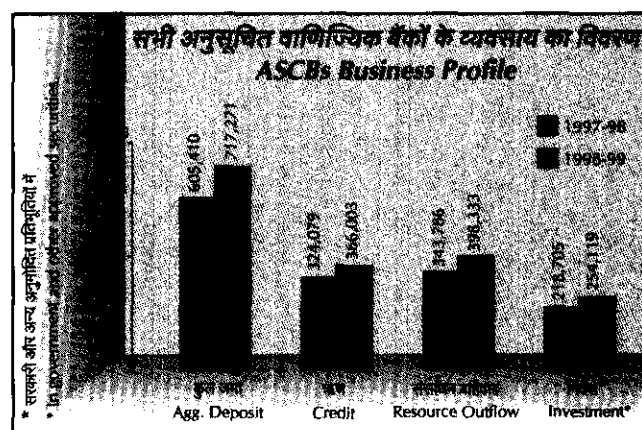
On the monetary front, the year-on-year growth in broad money ( $M_3$ ) was rather steep at 17.8% during the year. However, excluding the proceeds of Resurgent India Bonds floated during the year, the growth rate of  $M_3$  worked out to 15.6%. The major source of  $M_3$  was net forex assets of the banking sector, which rose by 17.4%, and was followed by the increase in net bank credit to Government by 16.2%. Growth in bank credit to commercial sector remained at a relatively lower level at 12.5%. As a consequence of comfortable liquidity in the system, bank deposit growth remained buoyant throughout the year, as reflected by the 18.5% year-on-year rise in the All Scheduled Commercial Banks (ASCBs) aggregate deposits. As against this, ASCBs credit off-take remained sluggish at 12.9%, reflecting the real sector environment. Total resource flow to the commercial sector from the banking sector by way of direct credit and investment in bonds/debentures and commercial papers in 1998-99 registered an increase of 15.9%. Banking sector's investments in government and approved securities went up by 16.2%.

In April 1998, RBI brought about a new orientation to the half-yearly monetary policies it announces. It enunciated that increased emphasis on structural measures would be laid at the beginning of the year; such structural measures would not change in course of the year and continue over the medium-term. The changed stance

would facilitate banks planning their operations and introducing organisational changes with medium-term monetary perspective in view. The central bank also announced that the short-term credit and regulatory measures would be taken as and when warranted by the economic environment. The April Policy reduced the Bank Rate from 10% to 9%. Banks were given flexibility to offer different interest rates on deposits of same maturity depending on the size.

The external value of the rupee against US dollar came under pressure intermittently since the last week of August 1997, following the East Asian Crisis and uncertainties relating to implications thereof on the domestic front. However, measures announced by RBI on August 20, 1998 to control the unwarranted speculative forces arrested the rupee's slide, and since September 1998, the Rupee slightly appreciated and was traded at 42.14/56 against US dollar as on 31st March 1999. The RBI measures, inter alia, included: (a) 'temporary' hike in cash reserve ratio (CRR) to 11% from 10%, (b) hike in fixed rate repo rate to 8% from 5%, (c) allowing foreign institutional investors (FIIs) forward cover for 15% of equity investments as on June 11, 1998 in addition to the cover for incremental investments allowed earlier, (d) banning importers from rebooking cancelled forward contracts, and (e) disallowing splitting of forward commitments by corporates into spot and forward.

The RBI's October Policy aimed at bolstering further the strengths of the banks by instituting a stricter regime of capital adequacy and income recognition norms on the lines of the Narasimham Committee Report II. Thus, banks are to achieve increased minimum capital adequacy ratio



को (मार्च 2000 तक) 9 प्रतिशत का वृद्धिशील न्यूनतम पूंजी पर्याप्तता अनुपात प्राप्त करना है, बाजार जोखिमों को ध्यान में रखते हुए (मार्च 2000 तक) सरकारी और अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों के प्रति 2.5 प्रतिशत की दर से जोखिम का निर्धारण करना है, विदेशी मुद्रा संबंधी स्थिति के लिए (मार्च 1999 तक) शत-प्रतिशत जोखिम-भार निर्धारित करना है, और अगले तीन वर्षों में अनुमोदित प्रतिभूतियों में उनके वर्तमान निवेशों के अनुपात में धीरे-धीरे वृद्धि करते हुए उसे 100 प्रतिशत तक करना है. मार्च 2000 को समाप्त हो रहे वर्ष से मानक आस्तियों पर भी 0.25 प्रतिशत की दर से प्रावधान किया जाएगा. अवमानक आस्तियों के लिए आय निर्धारण और आस्ति वर्गीकरण संबंधी मानदण्डों को भी सख्त बनाया गया है.

वर्ष 1999-2000 के केन्द्रीय बजट की घोषणा के तुरंत बाद, भारतीय रिजर्व बैंक ने 1 मार्च 1999 को ऋणों की मांग में वृद्धि करने के लिए ब्याज दरों में कटौतियों की घोषणा की. ये उपाय थे; (क) बैंक दर

में कमी करके उसे 9 प्रतिशत से 8 प्रतिशत करना, (ख) नियत दर वाली पुनर्खरीद दर में कटौती करके उसे 8 प्रतिशत से 6 प्रतिशत करना, और (ग) बैंकों की आरक्षित नकदी-निधि अनुपात संबंधी अपेक्षाओं में कटौती करके उसे 11 प्रतिशत से 10.5 प्रतिशत पर लाना है.

पूंजी बाजार के प्राथमिक खण्ड कार्यकलाप लगातार मंद रहे. वर्ष के दौरान देशीय पूंजी निर्गमों जिनमें पर्याप्त रूप से ऋण लिखत शामिल हैं, की कुल राशि 41,956 करोड़ रुपये रही, जो पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान जुटाई गई राशि की तुलना में 13.6 प्रतिशत कम थी. वर्ष की आखिरी तिमाही में ईक्विटी संबंधी द्वितीयक बाजार में थोड़ी तेजी दिखाई दी जो आंशिक रूप से केन्द्रीय बजट 1999-2000 की कुछ महत्वपूर्ण घोषणाओं के कारण थी. साफ्टवेयर, दवा बनानेवाली कंपनियों और फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स (एफ एम सी जी) के शेयरों का महत्व बना रहा.



कारपोरेट लेखा समूह शाखा, कलकत्ता द्वारा वित्तपोषित एक पेट्रोसायन इकाई का एक खण्ड  
A section of a petrochemical unit financed by CAG Branch, Calcutta

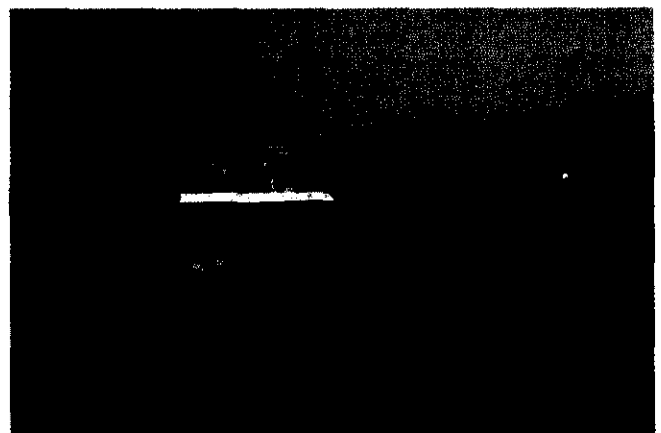
of 9% (by March 2000), assign risk weights of 2.5% to government and other approved securities (by March 2000) to take care of market risks, assign 100% risk weights to forex open positions (by March 1999), and increase the ratio of their current investments in approved securities progressively to 100% in the next three years. Even the standard assets will attract provisioning of 0.25% from the year ending March 2000. The Income Recognition and Asset Classification (IRAC) norms for sub-standard assets have also been tightened.

Closely on the heels of the Union Budget for 1999-2000, RBI announced on March 1, 1999 interest rate cuts to spur credit demand. The measures were: (a) slashing

the Bank Rate from 9% to 8%, (b) cutting the fixed rate repo rate from 8% to 6%, and (c) reducing the CRR requirements of banks from 11% to 10.5%.

Activity in the primary segment of the capital market continued to remain dull. The domestic capital issues, consisting substantially of debt instruments, during the year, aggregated to Rs.41,956 crores, which was 13.6% lower than that raised during the similar period last year. The secondary market in equity showed sustained buoyancy in the last quarter of the year, partly attributed to some important announcements in the Union Budget 1999-2000; software, pharmaceutical and fast moving consumer goods (FMCG) scrips were in the limelight.

Report  junction.com



वाणिज्यिक शाखा, वास्को, गोवा द्वारा वित्तपोषित एक इकाई - निर्माणाधीन एक बजरा

A barge under construction - a unit financed by Commercial Branch, Vasco, Goa



## वित्तीय निष्पादन

### लाभ

बैंक को वर्ष 1998-99 के दौरान 1,027.8 करोड़ रुपये का निवल लाभ हुआ जबकि वर्ष 1997-98 में यह 1,861.2 करोड़ रुपये था और इस प्रकार लाभ में 44.8 प्रतिशत की कमी आई. वर्ष 1998-99 का परिचालन लाभ (प्रावधान एवं आकस्मिकता पूर्व लाभ) 3,451.16 करोड़ रुपये रहा जबकि पिछले वर्ष यह 3,504.96 करोड़ रुपये था. इस वर्ष का लाभ कई कारकों द्वारा प्रभावित हुआ है. एक ही बार में किए गए कतिपय व्ययों एवं वेतन बढ़ोतरी हेतु किए गए प्रावधानों का परिणामों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा. इसके अतिरिक्त, जबकि निवेशों पर मूल्यहास हेतु किए गए अतिरिक्त प्रावधान के पुनरांकन का वर्ष 1997-98 के लाभ में पर्याप्त योगदान रहा है, वहीं वर्ष 1998-99 हेतु पुनरांकन नगण्य रहा.

### लाभांश

बैंक ने भारतीय रिजर्व बैंक के अनुमोदन के अध्यक्षीन 40 प्रतिशत की दर से लाभांश घोषित किया है, जो पिछले वर्ष की घोषित लाभांश दर के बराबर है.

### निवल ब्याज मार्जिन

बैंक के विश्वव्यापी परिचालनों की एकल ब्याज आय वर्ष 1997-98 के 15,878.89 करोड़ रुपये से बढ़कर वर्ष 1998-99 में 19,107.54 करोड़ रुपये हो गई. यह वृद्धि वर्ष 1997-98 के औसत स्तरों की तुलना में अग्रिमों के साथ साथ कोष परिचालनों में अभिनियोजित संसाधनों के औसत स्तर में हुई वृद्धियों के कारण हुई.

वर्ष के दौरान बैंक की मूल उधार दर (पीएलआर) के निम्नतर स्तर निम्नतर औसत आय में प्रतिबिंबित हुए जो वर्ष 1997-98 के 11.9 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 1998-99 में 11.3 प्रतिशत रही. वित्तीय वर्ष के प्रारंभ में स्टेट बैंक अग्रिम दर (बैंक की मूल उधार दर) जो 14 प्रतिशत थी, वर्ष की समाप्ति पर 12 प्रतिशत रही. वर्ष के अधिकांश भाग में यह 13 प्रतिशत रही, जबकि इस घटक के परिणामस्वरूप अग्रिमों पर होने वाली

आय में कमी हुई. वर्ष 1997-98 के औसत स्तर की तुलना में वर्ष के दौरान देशीय अग्रिमों के औसत स्तर में हुई 9,072 करोड़ रुपये की संवृद्धि के परिणामस्वरूप देशीय अग्रिमों पर होने वाली ब्याज आय में 9.2 प्रतिशत की उच्चतर संवृद्धि हुई, जबकि वर्ष 1997-98 में 4.6 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई थी.

भारत में संसाधनों के परिचालनों से होने वाली आय में 23.3 प्रतिशत की उच्चतर संवृद्धि हुई जबकि वर्ष 1997-98 में यह 14.3 प्रतिशत थी. यह संवृद्धि अभिनियोजित संसाधनों की उच्चतर मात्रा जिसमें वर्ष 1997-98 की तुलना में 14,929 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई, साथ ही संसाधन परिचालनों पर आय में हुई वृद्धि, जो वर्ष 1997-98 के 9.7 प्रतिशत की तुलना में 1998-99 में बढ़कर 9.9 प्रतिशत हो गई.

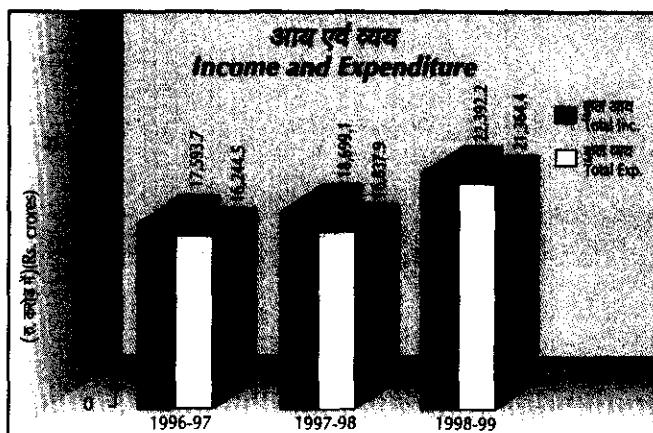
अग्रिमों के साथ साथ निवेशों की राशि में हुई वृद्धियों के परिणामस्वरूप हमारे विदेश स्थित कार्यालयों की ब्याज आय में भी 24.4 प्रतिशत की संवृद्धि हुई.

बैंक के विश्वव्यापी परिचालनों के कुल ब्याज व्यय की राशि जो वर्ष 1997-98 में 10,473.21 करोड़ रुपये थी, वर्ष 1998-99 में बढ़कर 13,044.44 करोड़ रुपये हो गई. भारत में जमाराशियों (रिसर्जेंट इंडिया बाण्ड की जमाराशियों को छोड़कर) पर होने वाले ब्याज व्ययों की राशि में पिछले वर्ष की तुलना में वर्ष 1998-99 के दौरान 17.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई जो मुख्यतः जमाराशियों के औसत स्तर में हुई वृद्धि के कारण हुई जिसमें वर्ष के दौरान 16.9 प्रतिशत की संवृद्धि (रिसर्जेंट इंडिया बाण्ड की जमाराशियों को छोड़कर) हुई जबकि देशीय जमाराशियों पर लागू होने वाली अधिकतम ब्याज दर जो वित्तीय वर्ष के प्रारंभ में 12 प्रतिशत थी, वित्तीय वर्ष के अंत में 10.5 प्रतिशत हो गई. जमाराशियों की औसत लागत में मामूली वृद्धि हुई जो वर्ष 1997-98 के 8.01 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 1998-99 में 8.05 प्रतिशत हो गई. मई 1998 में न्यूनतम 15 दिनों की अवधि वाली सावधि जमा राशि (इससे पहले सावधि जमा की न्यूनतम अवधि 30 दिन थी) स्वीकार करने के साथ-साथ 15 लाख रुपये एवं उससे अधिक की भारी राशि वाली एकल जमाराशियों हेतु विभेदक (उच्चतर) दरें लागू किए जाने के कारण इस शीर्ष के अंतर्गत लागत में अतिरिक्त वृद्धि हुई.

वर्ष 1998-99 के दौरान बैंक की निवल ब्याज आय में 12.2 प्रतिशत की संतुष्ट वृद्धि हुई जबकि वर्ष 1997-98 में यह वृद्धि 0.9 प्रतिशत थी. यह वृद्धि वर्ष 1997-98 के 3.6 प्रतिशत की निवल ब्याज मार्जिन की तुलना में वर्ष 1998-99 में घटकर 3.3 प्रतिशत हो जाने के बावजूद आस्तियों के परिमाण में वृद्धि के कारण हुई.

### ब्याजेतर आय

वर्ष 1998-99 में ब्याजेतर आय (अन्य आय) में 16.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई जो वर्ष 1997-98 के दौरान 6.7 प्रतिशत थी. वर्ष 1997-98 के 2,820.17 करोड़ रुपये की तुलना में वर्ष के दौरान ब्याजेतर आय 3,284.69



## Financial Performance

### Profit

The Bank posted a Net Profit of Rs.1,027.8 crores for the year 1998-99 as against Rs.1,861.2 crores in 1997-98, registering a decrease of 44.8%. The Operating Profit (profit before provisions & contingencies) for 1998-99 was Rs.3,451.16 crores as against Rs.3,504.96 crores last year. This year's profit has been impacted by several factors. The results were adversely affected by the incidence of certain one-time expenses and also by provision for wage hike. Further, while the write-back of excess provision for depreciation on investments contributed significantly to the profit of the year 1997-98, such write-back for 1998-99 has been insignificant.

### Dividend

The Bank has declared, subject to RBI approval, a dividend at the rate of 40%, same as the dividend declared in the previous year.

### Net Interest Margin

The gross interest income of the global operations of the Bank grew from Rs.15,878.89 crores in 1997-98 to Rs.19,107.54 crores in 1998-99, which was due to increases in the average level of advances as well as the average level of resources deployed in treasury operations, over the average levels of 1997-98.

Lower levels of Prime Lending Rate (PLR) during the year were reflected in a lower average yield on advances in India at 11.3% in 1998-99 compared to 11.9% in 1997-98. State Bank Advance Rate (the Prime Lending Rate of the Bank), which was 14% at the beginning of the fiscal, stood at 12% at the end; for the major part of the year, it was 13%. While this factor resulted in the reduced yield on advances, the volume growth of Rs.9,072 crores in the average level of domestic advances during the year as compared to the average level of 1997-98, resulted in a higher growth in interest income on domestic advances at 9.2% compared to a decline of 4.6% recorded in 1997-98.

Income from resources operations in India registered a higher growth of 23.3% compared to 14.3% in 1997-98. This growth was driven by higher volume of resources deployed which went up by Rs.14,929 crores as compared to 1997-98, as well as by increase in the yield on resources operations, which went up from 9.7% in 1997-98 to 9.9% in 1998-99.

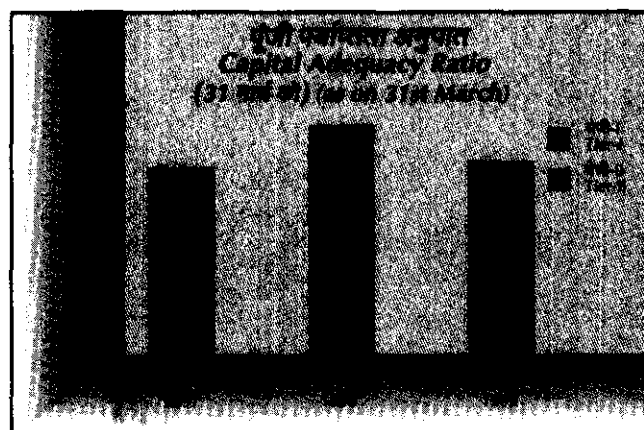
Interest income at the Bank's foreign offices also registered a growth of 24.4%, due to volume increases in advances as well as investments.

The total interest expenses of the global operations of the Bank went up from Rs.10,473.21 crores in 1997-98 to Rs.13,044.44 crores in 1998-99. The interest expenses on deposits (excluding RIBs) in India during 1998-99 recorded an increase of 17.5% as compared to the previous year, primarily due to the increase in average level of deposits by 16.9% (excluding RIB deposits) during the year. While the maximum interest rate on domestic deposits came down from 12% at the beginning of the fiscal to 10.5% at the end, the average cost of deposits registered a marginal increase from 8.01% in 1997-98 to 8.05% in 1998-99. Introduction in May 1998 of term deposits for a minimum period of 15 days (earlier, the minimum period for which a term deposit could be taken was 30 days) as well as the differential (higher) rates for single deposits of Rs.15 lakh and above, contributed to the additional cost under this head.

The net interest income of the Bank during 1998-99 registered a healthy growth of 12.2% as compared to 0.9% during 1997-98, driven by the volume growth in assets, in spite of a reduction in net interest margin from 3.6% in 1997-98 to 3.3% in 1998-99.

### Non-interest Income

The growth in non-interest income (other income) was 16.5% in 1998-99 as compared to 6.7% recorded in 1997-98. The non-interest income was Rs.3,284.69 crores compared to Rs. 2,820.17 crores in 1997-98. This growth was contributed



करोड़ रुपये रही. इस संवृद्धि में मुख्यतः सरकारी व्यवसाय पर प्राप्त कमीशन, प्रेषण पर विनिमय आय एवं अन्य विविध आय का योगदान रहा. पट्टा व्यवसाय आय, जो व्याजेतर आय का भाग होती है, में पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष 73.60 करोड़ रुपये की पर्याप्त वृद्धि हुई है.

### परिचालन व्यय

परिचालन व्ययों में वर्ष 1997-98 की तुलना में इस वर्ष 24.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और इस वृद्धि का प्रमुख कारण रिसर्जेंट इंडिया बाण्ड निर्गम संबंधी व्ययों (रु.319.19 करोड़) को आत्मसात करने के अलावा, स्टाफ व्ययों में वृद्धि होना है. इसके अतिरिक्त, बैंक की सम्पत्तियों के मूल्यहास में भी पर्याप्त वृद्धि हुई है. वर्ष 1997-98 में मूल्यहास की राशि 146.16 करोड़ रुपये थी जो वर्ष 1998-99 में बढ़कर 256.65 करोड़

रुपये हो गई. मूल्यहास राशि में वृद्धि होने का मुख्य कारण वर्ष के दौरान कंप्यूटरों पर मूल्यहास की दरों में वृद्धि होना था जिसे आय कर अधिनियम द्वारा अनुमत किया गया है.

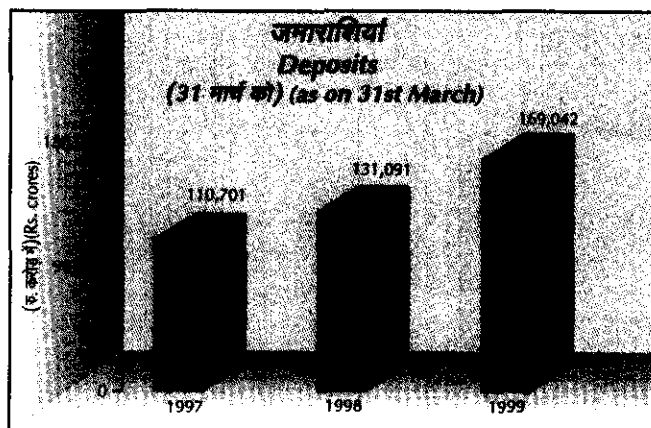
### प्रावधान एवं आकस्मिकताएं

कारपोरेट क्षेत्र के लिए आय कर की दर पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष के दौरान 35 प्रतिशत थी. तथापि, आय-कर संबंधी प्रावधान राशि 383 करोड़ रुपये है जो वर्ष 1997-98 की 1001 करोड़ रुपये की तुलना में कम है. इस स्थिति का प्रमुख कारण यह है कि पुनरांकन किए गए निवेश मूल्यहास की अच्छी खासी राशि पर पिछले वर्ष कर के लिए भारी मात्रा में प्रावधान किया गया था. शत-प्रतिशत निवेश राशि को सरकारी और अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों

तालिका 1: प्रमुख निष्पादन संकेतक

संकेतक	1996-97	1997-98	1998-99
औसत आस्तियों पर आय (प्रतिशत)	0.88	1.09 (0.72)	0.52 (0.62)
ईक्विटी पर आय (प्रतिशत)	16.67	19.37 (12.85)	9.88 (11.79)
आय की तुलना में व्यय (प्रतिशत) (कुल निवल आय की तुलना में परिचालन व्यय)	57.54	57.39	63.08 (59.67)
प्रति शेयर आय (रुपये)	26.66	35.36 (23.46)	19.53 (23.31)
प्रति कर्मचारी निवल लाभ (रुपये)	56,278	77,000	43,000
पूंजी पर्याप्तता अनुपात (प्रतिशत)	12.17	14.58	12.51
श्रेणी - I	8.45	10.69	9.36
श्रेणी - II	3.72	3.89	3.15

- वर्ष 1997-98 और वर्ष 1998-99 के लिए औसत आस्तियों पर आय, ईक्विटी पर आय और प्रति शेयर आय संबंधी अनुपात जो कोष्ठकों में दर्शाए गए हैं, को (क) दोनों वर्षों के लिए निवेश मूल्यहास की पुनरांकन राशि (कर की राशि घटाने के बाद) को और (ख) वर्ष 1998-99 के लिए रिसर्जेंट इंडिया बाण्ड निर्गम संबंधी व्यय (कर की राशि घटाने के बाद) को निवल लाभ में से समायोजन करने के बाद निकाला गया है.
- वर्ष 1998-99 के लिए आय की तुलना में व्यय का अनुपात, जो कोष्ठकों में दर्शाया गया है, वर्ष 1998-99 के लिए रिसर्जेंट इंडिया बाण्ड निर्गम संबंधी व्यय (कर की राशि घटाने के बाद) को निवल लाभ में से समायोजन करने के बाद निकाला गया है.



के विपणन हेतु चिह्नित करने के बाद, वर्ष के दौरान निवेशों पर मूल्यहास के लिए अतिरिक्त प्रावधान के रूप में 13.09 करोड़ रुपये की राशि उपलब्ध थी, जबकि वर्ष 1997-98 में इसी के लिए 964.13 करोड़ रुपये की राशि पुनरांकित की गई थी. इसके अलावा, वेतन संशोधन के संबंध में उद्योग स्तर पर हुए समझौते के परिणामस्वरूप, वेतन की बकाया राशि के लिए 315.31 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है जबकि पिछले वर्ष 100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया था. अलाभकारी आस्तियों में वृद्धि होने के कारण, जो मुख्य रूप से उद्योग के विभिन्न क्षेत्रों में चल रही मंदी की स्थिति के कारण बढ़ी है, बैंक को अपनी अलाभकारी आस्तियों के लिए वर्ष 1998-99 के दौरान 1,422.68 करोड़ रुपये का प्रावधान करना पड़ा, जबकि वर्ष 1997-98 में 1,151.42 करोड़ रुपये की राशि का प्रावधान किया गया था.



mainly by commission on government business, exchange on remittances and other miscellaneous income. Leasing income, which forms part of non-interest income, recorded a substantial increase of Rs.73.60 crores over last year.

## Operating Expenses

Operating expenses have registered an increase of 24.9% over 1997-98, primarily due to the absorption of RIB issue expenditure (Rs.319.19 crores), besides, the increase in staff expenses. Further, depreciation on bank's properties recorded a substantial increase, from Rs.146.16 crores in 1997-98 to Rs.256.65 crores in 1998-99 mainly due to

available by way of excess provision towards depreciation on investments during the year, as against the amount of Rs.964.13 crores written back in 1997-98 on this score. Besides, consequent upon the industry level understanding reached on salary revision, a provision of Rs.315.31 crores has been made towards arrears of salary, as against Rs.100 crores made last year. The Bank had to make a higher provision during 1998-99 towards its non-performing assets, at Rs.1,422.68 crores as compared to Rs.1,151.42 crores made in 1997-98, due to the increase in non-performing assets, arising mainly on account of the depressed conditions prevailing in several sectors of industry.

**Table 1: Key Performance Indicators**

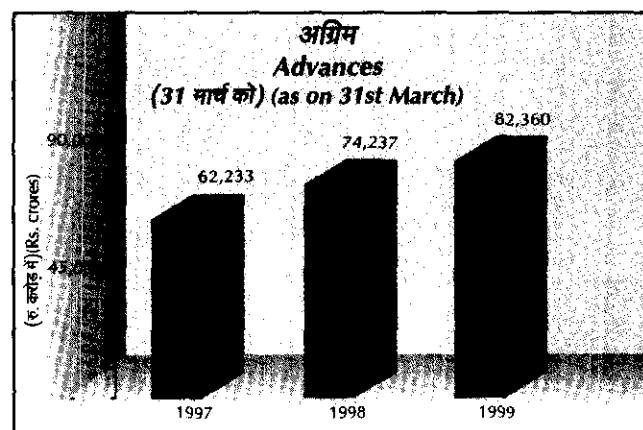
Indicators	1996-97	1997-98	1998-99
Return on Average Assets (%)	0.88	1.09 (0.72)	0.52 (0.62)
Return on Equity (%)	16.67	19.37 (12.85)	9.88 (11.79)
Expenses to Income (%) (Operating Expenses to Total Net Income)	57.54	57.39	63.08 (59.67)
Earnings Per Share (Rs.)	26.66	35.36 (23.46)	19.53 (23.31)
Net Profit Per Employee (Rs.)	56,278	77,000	43,000
Capital Adequacy Ratio (%)	12.17	14.58	12.51
Tier I	8.45	10.69	9.36
Tier II	3.72	3.89	3.15

1. The ratios of Return on Average Assets, Return on Equity and Earnings Per Share for 1997-98 and 1998-99 indicated within brackets have been arrived at after adjusting the Net Profit for (a) write back of investment depreciation (net of tax) for both the years, and (b) RIB issue expenses (net of tax) for 1998-99.
2. The ratio of Expenses to Income for 1998-99 indicated within brackets has been arrived at after adjusting the Net Profit for the RIB issue expenses (net of tax).

increase during the year, in the rate of depreciation on computers, as allowed by the Income Tax Act.

## Provisions and Contingencies

The corporate rate for income tax during this year was 35%, the same as last year. However, the provision for income tax is lower at Rs.383.00 crores compared to Rs.1001.00 crores in 1997-98. A major reason for this position is that a large provision for tax was made last year on a substantial amount of investment depreciation written back. After marking to market 100% of investments in government and other approved securities, an amount of Rs.13.09 crores was

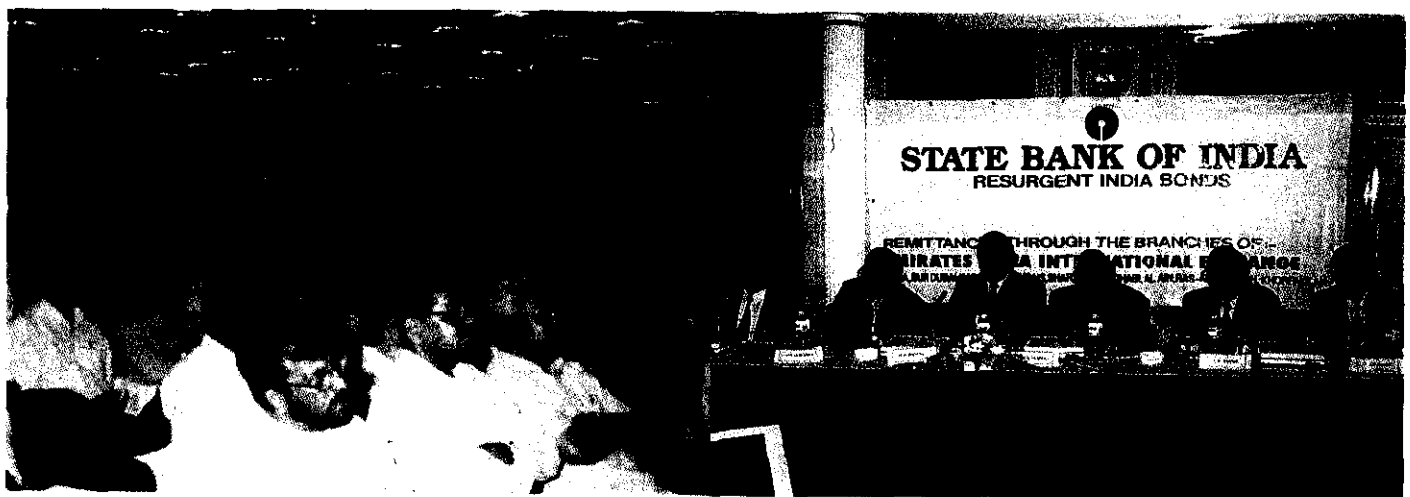


## संगठनात्मक पुनर्संरचना

बैंक की प्रतिस्पर्धात्मक शक्ति को बनाए रखने और उसमें वृद्धि करने हेतु संगठनात्मक ढांचे का नवीकरण तथा उसी समय में अपनी निर्णय लेने की क्षमता एवं गुणवत्ता में वृद्धि करने की आवश्यकता को महसूस करते हुए, बैंक ने अक्टूबर 1995 से अन्तरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त प्रबंधन परामर्शक की सहायता से संरचना, कार्यनीति और प्रणाली के क्षेत्रों में अनेक परिवर्तन किये हैं। बैंक के कार्यकलापों को चार विशिष्ट लाभप्रद केन्द्रों, अर्थात् कारपोरेट बैंकिंग समूह, राष्ट्रीय बैंकिंग समूह, अन्तरराष्ट्रीय बैंकिंग समूह और सहयोगी एवं अनुषंगी समूह, में पुनर्संरूढ़ित किया गया है। प्रतिस्पर्धा

की चुनौतियों का सामना करने के लिए ऋण एवं सर्वांगी जोखिम प्रक्रियाओं को भी सरलीकृत किया गया है। वर्ष 1998-99 के दौरान, परिवर्तित कार्यक्रम और संशोधित ऋण प्रक्रिया के कार्यान्वयन के स्थायीकरण के प्रभाव के संबंध में बैंक द्वारा स्थानीय प्रधान कार्यालयों और कुछ आंचलिक कार्यालयों/शाखाओं से प्रतिसूचनाएं संग्रहीत की गई हैं। निर्णय लेने का समिति स्वरूप, जो कि पुनर्संरचना कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण भाग है, की समीक्षा ऋण तथा मानव संसाधन क्षेत्रों की दृष्टि से की गई है। इस संबंध में प्राप्त प्रतिसूचनाएं काफी उत्साहजनक रहीं।

Report  junction.com



रिसर्जेंट इंडिया बॉन्ड का प्रारम्भ - दुबई में एक प्रदर्शन सभा  
Launching Resurgent India Bonds road show meet at Dubai

## Organisational Restructuring

Recognising the need to revamp the organisational set-up to maintain and improve its competitiveness and at the same time enhance the speed and quality of its decision-making, the Bank has introduced several changes in the areas of structure, strategies, and systems with the help of internationally reputed management consultant since October 1995. The Bank's activities have been regrouped under four distinct profit centres, viz., Corporate Banking Group, National Banking Group, International Banking Group and Associate and Subsidiaries Group. Credit and

systemic risk processes have also been streamlined to meet the challenges of competition. During 1998-99, feedback was collected from Local Head Offices and some of the Zonal Offices/branches of the Bank on the extent of stabilisation of the change programme and the implementation of the revised credit process. The committee form of decision-making, an important feature of the restructuring programme, was also reviewed with reference to credit and human resources areas. The feedback received has been quite encouraging.

Report  Junction.com



मुंबई मुख्य शाखा में स्वर्ण की खुदरा बिक्री  
Retail sale of gold at Mumbai Main Branch



## ऋण प्रबंधन

### जोखिम प्रबंधन

निर्णयन के बढ़ते विकेन्द्रीकरण के कारण, कार्याधिकारियों को विशेष रूप से ऋण के क्षेत्र में, अधिकार देने की आवश्यकता अनुभव की गई है। इसे ध्यान में रखकर बैंक द्वारा, जोखिम प्रबंधन के कई उपाय प्रारम्भ किए गए हैं जिससे ऋण आस्तियों की उच्च कोटि की गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके। आंतरिक ऋण जोखिम मूल्यांकन (सी आर ए) प्रणाली जिसमें ऋण खातों के वित्तीय प्रबंधन एवं औद्योगिक जोखिम शामिल हैं, के अंतर्गत बैंक के वाणिज्यिक एवं औद्योगिक अग्रिमों, इसी तरह लघु उद्योग (एस एस आइ) एवं कृषि खण्ड के उच्च मूल्य वाले खातों से संबंधित जोखिम भी आ जाते हैं। उद्योग की वर्तमान गतिशीलता पर ध्यान देने के लिए प्रणाली को और अधिक परिष्कृत किया गया है और वाणिज्यिक खण्ड के अंतर्गत आनेवाले गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एन बी एफ सी) एवं व्यापार खातों को भी इसके अंतर्गत शामिल करने के लिए इसका विस्तार किया गया है। ऋण जोखिम प्रबंधन के परिचालन स्टाफ की सहायता करने हेतु बैंक ने सभी स्थानीय प्रधान कार्यालयों में संविभाग निगरानी कक्षाओं की स्थापना की है।

### ऋण नीति

वर्ष के दौरान वाणिज्यिक एवं संस्थात्मक (सी एण्ड आइ), लघु उद्योग तथा कृषि खण्डों को दिए जाने वाले बैंक ऋणों के संबंध में अपनायी गई ऋण नीति की प्रमुख विशेषताएं नीचे प्रस्तुत की गई हैं:

- (क) व्यापार तथा सेवाओं के लिए कार्यशील पूंजी वित्त का निर्धारण करने वाली पद्धति में अंतर्निहित लचीलापन लाने के लिए इसे परिशोधित किया गया।
- (ख) साफ्टवेयर वित्तीयन के लिए कार्य-पद्धति निर्धारित कर दी गई और ऐसे वित्तीयन के लिए छह मण्डलों का चयन कर लिया गया।



परियोजना वित्त कार्यनीतिक व्यवसाय इकाई द्वारा वित्तपोषित - जे.एन.पी.टी., नवी मुंबई के समीप एक स्वतंत्र पेट्रोलियम उत्पाद भंडारण टैंक टर्मिनल  
Independent petroleum product storage tank terminal near JNPT, Navi Mumbai - a project financed by Project Finance SBU

- (ग) कुछ विशेष कारपोरेट ग्राहकों की निवल कार्यशील पूंजी, निरन्तर व्यय, अनुसंधान एवं विकास, स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना तथा ऐसे अन्य व्ययों में होने वाली कमी को पूरा करने के लिए अल्पावधि कारपोरेट ऋण नामक एक नया ऋण उत्पाद शुरू किया गया।
- (घ) लघु उद्योग इकाइयों के व्यापार अग्रिमों तथा ऋण प्रस्तावों के मूल्यांकन के लिए एक ऋण जोखिम निर्धारण प्रणाली प्रारम्भ की गई।

### ऋण लेखा-परीक्षा

बैंक में वर्ष 1996-97 में शुरू की गई ऋण लेखा परीक्षा प्रणाली में अब तक 1,673 बड़े वाणिज्यिक अग्रिमों (जिन इकाइयों के कुल ऋण 5 करोड़ रुपये अथवा इससे अधिक हैं) को शामिल किया गया है जो ऐसे अग्रिमों के प्रारंभ से अब तक का 77 प्रतिशत हिस्सा है। यह प्रणाली प्रारम्भ किए जाने से बैंक के अनुदेशों के अनुपालन में जागरूकता बढ़ी है तथा ऋण मूल्यांकन में सुधार हुआ है, साथ ही इसके परिणामस्वरूप ऋण आस्तियों की गुणवत्ता भी बनी हुई है। वर्ष के दौरान ऋण लेखा-परीक्षा का मैनुअल जारी किया गया।

### अलाभकारी आस्ति प्रबंधन

विश्वस्तरीय तथा देशीय दोनों प्रकार की समग्र आर्थिक मंदी के कारण, विशेष रूप से औद्योगिक क्षेत्र में, ऋण इकाइयों की वास्तविक लाभप्रदता तथा उनकी ऋण चुकाने की क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ना जारी रहा। इस परिदृश्य में अलाभकारी आस्तियों के स्तर को कम करने के बैंक के प्रयासों को धक्का लगा। एक सुविन्यस्त अलाभकारी आस्ति प्रबंधन नीति से सुसज्जित होकर बैंक ने इस समस्या को सुलझाने का प्रयास किया। वर्ष के दौरान एक और विशेषीकृत पुनर्वास एवं वसूली शाखा खोली गई और इस प्रकार, इन शाखाओं की कुल संख्या अब छह हो गयी है। ऋण औद्योगिक इकाइयों से संबंधित ऋण संविभाग के उन्नयन के उद्देश्य से बैंक ने औद्योगिक और वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड (बी आइ एफ आर) के साथ मिलकर कार्य करना जारी रखा ताकि जो ऋण इकाइयां मूलतः अर्थक्षम हैं, उनका पुनर्वास किया जा सके। अब तक संस्वीकृत कुल 119 पुनर्वास योजनाओं में से 90 योजनाएं कार्यान्वित की गईं। वर्ष के दौरान आठ औद्योगिक इकाइयों को सफलतापूर्वक पुनः अर्थक्षम बनाया गया एवं छह बड़ी कंपनियों के प्रबंधन में बदलाव किया गया। कारपोरेट कार्यालय स्थित आकलन समूह वाणिज्यिक एवं संस्थात्मक खण्ड से संबंधित उच्च मूल्य के कुछ ऐसे समस्याग्रस्त खातों का चयन करके उनके वसूली की प्रक्रिया में तेजी लाना चाहता है जो औद्योगिक और वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड में दर्ज नहीं हैं। यह समूह इकाइयों/प्रभागों की आस्तियों की बिक्री तथा ऋण वसूली ट्रिब्यूनल (डी आर टी) के समक्ष लंबित मामलों में अनुवर्ती कार्रवाई करने जैसे विभिन्न वसूली विकल्पों पर विचार कर रहा है ताकि इनके निपटान में तेजी लायी जा सके।

## Credit Management

### Risk Management

Increasing decentralisation of decision making has necessitated empowerment of the operating functionaries, especially in the area of credit. In view of this, several risk management measures have been introduced by the Bank to ensure high quality of the loan assets. The in-house Credit Risk Assessment (CRA) system, which captures financial, management and industry risks in borrowal accounts, already covers the Bank's commercial and industrial advances as also high value accounts in the small scale industries (SSI) and agricultural segments. The system has been further refined to take into account the current industry dynamics, and also extended to cover non-banking finance companies (NBFCs) and the trade accounts under commercial segment. The Bank has set up Portfolio Monitoring Cells at all Local Head Offices (LHOs) to assist the operating staff in credit risk management.

### Credit Policy

The highlights of the policy initiatives pertaining to the Bank's loans to the Commercial and Institutional (C&I), SSI and Agricultural segments during the year are presented below:

- (a) The method of assessing working capital finance for trade and services was revised to provide in-built flexibility.
- (b) The methodology for software financing was finalised and six Circles were identified for such financing.
- (c) A new loan product called Short-term Corporate Loan was introduced for select corporate customers for meeting shortfall in Net Working Capital, on-going capital expenditure, research and development, voluntary retirement scheme and such other expenditure.
- (d) A credit risk assessment system in the appraisal of trade advance and credit proposals for SSI units was introduced.

### Credit Audit

The Credit Audit System, introduced in the Bank in 1996-97, has covered 1,673 large commercial advances (total indebtedness of Rs.5 crores and above) constituting 77% of such advances since inception. Introduction of the

system has enhanced the awareness regarding compliance with the Bank's instructions, improved credit appraisal and resulted in maintenance of the quality of loan assets. A Manual of Credit Audit was operationalised during the year.

### NPA Management

The overall economic slowdown, global as well as domestic, particularly in the industrial sector, continued to adversely affect bottomlines of the borrowal units and their capacity to service the debt. In this scenario, the Bank's efforts to contain its NPA level received a setback. Armed with a well-structured NPA management policy, the Bank tried to tackle the problem. One more specialised rehabilitation and recovery branch was opened during the year, taking the total to six. To upgrade the loan portfolio relating to the sick industrial units, the Bank continued to work in close association with the Board for Industrial and Financial Reconstruction (BIFR) for rehabilitating the sick units with basic viability. Of the 119 rehabilitation schemes sanctioned so far, 90 were implemented. During the year, eight industrial units were successfully restored to health and management of six large companies was changed. The Work Out Group at the corporate office seeks to expedite the process of recovery in select high value non-BIFR problem accounts relating to C&I segment. The Group considers various recovery options, such as, sale of assets of units/divisions and follows up cases pending with Debt Recovery Tribunals (DRTs) for their quick disposal.



आवास वित्त - आबिद रोड शाखा, हैदराबाद द्वारा वित्तपोषित रॉ हाऊस  
Housing finance - row houses financed by Abid Road Branch, Hyderabad

## कोष परिचालन एवं बाजार जोखिम प्रबंधन

### कोष परिचालन

बैंक के कोष परिचालनों में, प्रारक्षित आवश्यकताओं का अनुपालन, चलनिधि प्रबंधन लाभप्रदता पर बल देते हुए अन्य निवेश कार्यों का निष्पादन तथा विभिन्न कोष उत्पादों का विपणन शामिल है। वित्तीय क्षेत्र के सुधार प्रक्रिया के एक भाग के रूप में, वित्तीय बाजार आपस में बड़े पैमाने पर समन्वित होते जा रहे हैं। इस परिप्रेक्ष्य में, बैंक ने मुंबई में भी एक नवीन समन्वित कोष व्यवहार कक्ष की स्थापना कर, विदेशी मुद्रा में अपने अंतर-बैंक एवं कवर आपरेशन प्रारम्भ किये। देशीय तथा विदेशी मुद्रा कोषों के समन्वयन के परिणामस्वरूप आशा की जाती है कि बैंक के संसाधनों का बेहतर उपयोग होगा एवं इसकी आय में वृद्धि होगी।

वर्ष के दौरान बैंक के भारत में किए गए निवेशों में 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई तथा इनका स्तर 68,596 करोड़ रुपये तक पहुंच गया जिसमें सांविधिक चलनिधि अनुपात तथा गैर-सांविधिक चलनिधि अनुपात हेतु प्रतिभूतियों में किए गए सभी निवेश बाजार हेतु चिह्नित थे।

### बाजार जोखिम प्रबंधन

कारपोरेट कार्यालय की आस्ति देयता प्रबंधन समिति (ए एल सी ओ) बैंक के लिए, निरंतर आधार पर इष्टतम आस्ति देयता संरचना विकसित करने की दिशा में कार्यरत है। इस व्यवस्था में बोर्ड द्वारा निर्धारित व्यापक मानदण्डों के अंतर्गत विस्तृत नीति निर्धारण और नीति के कार्यान्वयन की समीक्षा करने का प्रावधान है। आस्ति देयता प्रबंधन समिति जोखिमों का दक्षतापूर्वक प्रबंधन करने के मानदण्ड सुनिश्चित करती है तथा उत्पाद विकास एवं मूल्य निर्धारण प्रक्रिया की देखरेख करती है।

आस्ति देयता प्रबंधन समिति, बाजार जोखिमों के अभिनिर्धारण, आकलन और प्रबंधन के लिए उचित प्रणाली एवं कार्यविधि विकसित करने की दिशा में भी कार्यरत है। बाजार जोखिम के एक्सपोजर को अवधि विश्लेषण एवं विभिन्न प्रकार की ब्याज दरों तथा अन्य बाजार गतिशीलताओं के अंतर्गत, आस्तियों एवं देयताओं की व्यवहार विधियों के लिए निर्मित विश्लेषणात्मक पद्धति जैसी आधुनिक तकनीकों के माध्यम से आंका जाता है। जोखिमों की मात्रा का निर्धारण करने हेतु पूरक विश्लेषण तथा अनुरूपण प्रक्रियाएं भी अपनायी जाती हैं।

Report Junction.com



वाहनों के पहियों की रीम बनाने वाली इकाई - हमारी औद्योगिक वित्त शाखा, पुणे द्वारा वित्तपोषण  
Wheel rims for vehicles manufactured at a unit financed by Industrial Finance Branch, Pune



## Treasury Operations and Market Risk Management

### Treasury Operations

The Bank's treasury operations include compliance with the reserve requirements, liquidity management, performance of other investment functions with focus on profitability, and marketing of various treasury products. As a part of the financial sector reform process, financial markets are getting increasingly integrated. In this backdrop, the Bank commenced its inter-bank and cover operations in foreign exchange at its newly set up Integrated Treasury's Dealing Room at Mumbai also. The integration of its domestic and forex treasuries is expected to result in better utilisation of the Bank's resources and increased earnings.

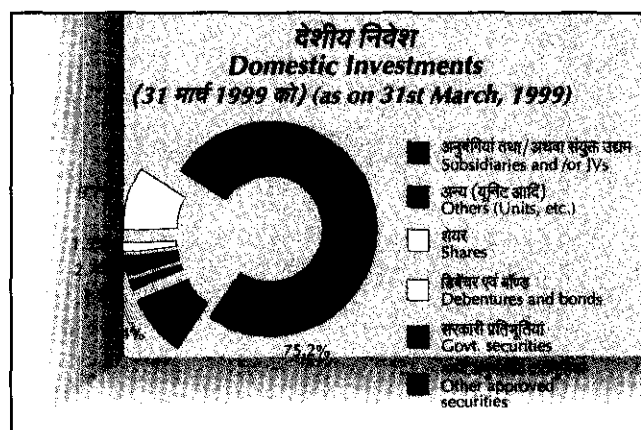
During the year, the Bank's investments in India grew by 30% and reached a level of Rs.68,596 crores with all its investments in SLR and non-SLR securities marked to market.

### Market Risk Management

The Asset Liability Management Committee (ALCO) at the corporate office is engaged in evolving optimal asset/liability structure for the Bank on an ongoing basis. The mechanisms provide for detailed policy formulation within the broad parameters laid down by the Board and reviewing policy implementation. The ALCO lays down parameters for efficient management of the risks and oversees the process of product development and pricing.

The ALCO is also engaged in evolving appropriate systems and procedures for identification, measurement and management of market risks. The exposure to market risk is measured through use of sophisticated techniques, such as, duration analysis, and analytical models for behavioural patterns of assets and liabilities under varying interest rates and other market dynamics. Gap analysis and simulation exercises are also undertaken for assessing the magnitude of risk exposures.

Report  junction.com



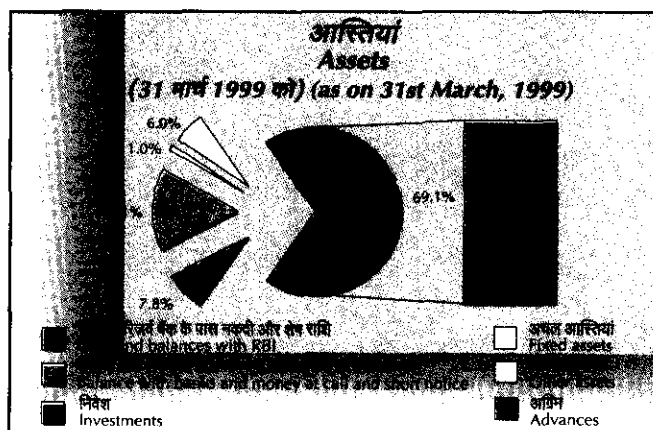
## बैंक के परिचालन

### आस्ति संवृद्धि

31 मार्च 1999 तक बैंक की कुल आस्तियाँ 2,22,509 करोड़ रुपये रहीं जिनमें 31 मार्च 1998 तक के 1,79,673 करोड़ रुपये के स्तर से 23.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इस अवधि के दौरान बैंक के कुल ऋण संविभाग में 10.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई तथा यह 74,237 करोड़ रुपये से बढ़कर 82,360 करोड़ रुपये हो गया और कुल निवेशों में 29.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई तथा ये 54,982 करोड़ रुपये से बढ़कर 71,287 करोड़ रुपये हो गए। बैंक के कुल निवेशों का अधिकांश भाग सरकारी एवं अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में किया गया देशीय निवेश था। देशीय अग्रिमों में बैंक की बाजार सहभागिता 21.5 प्रतिशत रही जो उल्लेखनीय है।

### देयताएं

31 मार्च 1999 तक बैंक की कुल देयताओं में 31 मार्च 1998 के स्तर की तुलना में 24.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई। देयताओं में यह वृद्धि मुख्य रूप से जमा राशियों में वृद्धि होने से हुई जिनमें रिसर्जेंट इंडिया बाण्ड की निधियाँ भी शामिल हैं। 31 मार्च 1999 तक, रिसर्जेंट बाण्ड की आगम राशियों सहित कुल जमा राशियाँ 1,69,042 करोड़ रुपये रहीं जिनमें मार्च 1998 की तुलना में कुल जमा राशियों में 28.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई। रिसर्जेंट इंडिया बाण्ड की जमा राशियों को छोड़कर कुल विश्व जमा राशियों में 15.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई तथा ये 1,31,091 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,51,007 करोड़ रुपये हो गईं। रिसर्जेंट इंडिया बाण्ड को छोड़कर बैंक की देशीय जमा राशियों में 18,672 करोड़ रुपये (15.1%) की वृद्धि हुई और यह राशि मार्च 1999 की समाप्ति पर 1,42,220 करोड़ रुपये हो गई और इसमें बैंक की बाजार सहभागिता रिसर्जेंट इंडिया बाण्ड को मिलाकर 21.7 प्रतिशत तथा रिसर्जेंट इंडिया बाण्ड को छोड़कर 19.7 प्रतिशत रही जो पिछले वर्ष 19.8 प्रतिशत थी। बैंक की कुल देशीय जमा राशियों में वैयक्तिक खण्ड की जमा राशियों का भाग लगभग 57 प्रतिशत रहा जो बैंक के लिए अल्प लागत एवं स्थिर स्रोत वाला आधार दर्शाता है।



### क. कारपोरेट बैंकिंग

#### कारपोरेट लेखा समूह (का.ले.स.)

कारपोरेट लेखा समूह बड़े कारपोरेट्स को सभी प्रकार की आवश्यक वित्तीय सेवाएं प्रदान करने वाली एक केन्द्रीकृत व्यवस्था है। यह समूह, टर्नओवर या बाजार पूंजीकरण के आधार पर वर्गीकृत किए गए भारत के 100 शीर्ष कारपोरेट संस्थानों में से अधिकांश को सभी प्रकार की वित्तीय सेवाएं प्रदान करता है। रिलेशनशिप बैंकिंग के कारण बैंक, ग्राहक की आवश्यकताओं को और अच्छे ढंग से समझने में सफल रहा है। वर्ष के दौरान कारपोरेट लेखा समूह का ग्राहक आधार 120 से बढ़कर 150 हो गया। बैंक के वाणिज्यिक एवं संस्थात्मक संविभाग के गैर-खाद्यान्न ऋणों में कारपोरेट लेखा समूह के अग्रिमों की सहभागिता 30 प्रतिशत एवं कुल देशीय ऋण संविभाग में इसकी सहभागिता 16 प्रतिशत रही। इसके अतिरिक्त यह समूह कारपोरेट संस्थानों द्वारा जारी किए गए वाणिज्यिक पत्रों, अपरिवर्तनीय डिबेंचरों एवं बाण्डों का विपणन करने में भी सहायक रहा है। एस बी आई - फास्ट जो इस समूह का हाल ही में शुरू किया गया एक नकदी प्रबंधन उत्पाद है, ने 20,000 करोड़ रुपये से अधिक के वार्षिक टर्नओवर का लक्ष्य प्राप्त कर लिया। शीर्ष कारपोरेट संस्थानों को उनके कार्यस्थल पर ही बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराने की दृष्टि से कारपोरेट लेखा समूह की शाखाओं के 60 से अधिक ग्राहकों को 'रिमोट कस्टमर एक्सेस टर्मिनल' की सुविधा उपलब्ध करा दी गई है।

#### पट्टा कार्यनीतिक व्यवसाय इकाई (लीजिंग एस बी यू)

प्रमुख कार्यनीतिक व्यवसाय इकाई के रूप में बैंक की पट्टा व्यवसाय इकाई ने कारपोरेट ग्राहकों को कीमती वस्तुओं के लिए पट्टा वित्तपोषण प्रदान करने का प्रमुख कार्य जारी रखा। इस कार्यनीतिक व्यवसाय इकाई ने वर्ष के दौरान लगभग 950 करोड़ रुपये की कुल संस्वीकृतियाँ प्रदान कीं, जो भारत की कार्यनीतिक व्यवसाय इकाइयों द्वारा प्रदान किए गए कुल कीमती वस्तुओं के पट्टा वित्तपोषण का लगभग 30 प्रतिशत रहीं। पट्टा आस्तियों में आधारीक संरचना के कई क्षेत्र एवं अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण क्षेत्र सम्मिलित हैं।

#### परियोजना वित्त कार्यनीतिक व्यवसाय इकाई (पीएफएसबीयू)

बैंक की परियोजना वित्त संबंधी कार्यनीतिक व्यवसाय इकाई ने अपने परिचालन के लगभग 3 वर्षों की अल्प अवधि में ही देश की वित्तीय संस्थाओं की बराबरी करते हुए स्वयं को सक्रिय आधारीक संरचना सलाहकारी सेवा समूह के रूप में स्थापित कर लिया है। इस कार्यनीतिक व्यवसाय इकाई ने अब तक 44 परियोजनाओं के लिए सैद्धान्तिक संस्वीकृतियाँ प्राप्त करने सहित निधि आधारित ऋण सीमाओं के रूप में 5,508 करोड़ रुपये एवं गैर-निधि आधारित ऋण सीमाओं (डी पी जी) के रूप में 2,490 करोड़ रुपये के ऋणों के लिए संस्वीकृतियाँ प्राप्त कर ली हैं। कार्यनीतिक व्यवसाय इकाई भारत सरकार तथा भारतीय रिजर्व बैंक के नीति निर्धारण, विशेषकर विद्युत तथा भूतल परिवहन के लिए भी योगदान दे रही है। विद्युत परियोजना



## Bank's Operations

### Asset Growth

The Bank's total assets were Rs.2,22,509 crores as on March 31, 1999, which increased by 23.8% from the level at Rs.1,79,673 crores as on March 31, 1998. During the period, its loan portfolio increased by 10.9% from Rs.74,237 crores to Rs.82,360 crores and investments by 29.7% from Rs.54,982 crores to Rs.71,287 crores. A major proportion of the investment was in the domestic market, in government and other approved securities. The Bank's domestic advances commanded a market share of 21.5%.

### Liabilities

As on March 31, 1999, the Bank's total liabilities rose by 24.7% from the level as on March 31, 1998. The increase in the liabilities was due mainly to the increase in deposits including RIB funds. Global deposits, including the proceeds of RIBs, stood at Rs.1,69,042 crores as on March 31, 1999, reflecting an increase of 28.9% over end-March 1998. Global deposits, other than RIB deposits, grew by 15.2% from Rs.1,31,091 crores to Rs.1,51,007 crores. The Bank's domestic deposits excluding RIBs posted a growth of Rs.18,672 crores (15.1%) to reach a level of Rs. 1,42,220 crores as on end-March 1999; the Bank's market share in deposits stood at 21.7% including RIBs and 19.7% excluding RIBs, as against 19.8% in the preceding year. The 'Personal' segment deposits, which denote a low cost and stable resource base for the Bank, constituted almost 57% of the Bank's total domestic deposits.

### A. Corporate Banking

#### Corporate Accounts Group (CAG)

The CAG is a single window shop for the entire range of financial services needed for the large corporates. It caters to a majority of the top 100 corporates in India, ranked in order of turnover or market capitalisation. Relationship banking has helped the Bank in better understanding of the customer needs. The CAG increased its clientele from 120 to 150 during the year. The total CAG advances constituted about 30% of the Bank's C&I non-food credit and 16% of the total domestic credit portfolio. Besides, the Group has been instrumental in

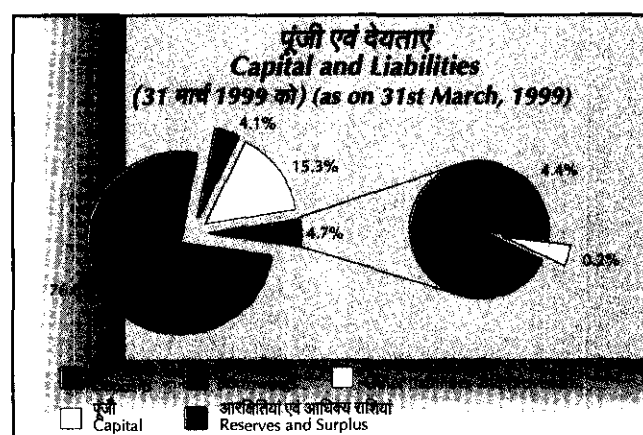
marketing commercial papers, non-convertible debentures and bonds issued by the corporates. SBI-FAST, the recently launched cash management product of the Group, achieved an annual turnover of over Rs.20,000 crores. With a view to providing banking services at the doorstep of the top corporates, Remote Customer Access Terminals have been provided to over 60 clients of the Group.

#### Leasing Strategic Business Unit (Leasing SBU)

The Leasing SBU continued its role as a leading provider of big-ticket leases to corporates. The SBU achieved aggregate sanctions of about Rs.950 crores, accounting for nearly 30% of the total quantum of big ticket leasing done in India during the year. The leased assets covered several areas of infrastructure and core sectors of the economy.

#### Project Finance Strategic Business Unit (PFSBU)

Within a short period of about three years of its operations, the PFSBU has established itself as an active infrastructure advisory services group, at par with the financial institutions in the country. The SBU has achieved sanctions including in-principle sanctions for 44 projects so far, in the form of fund-based limits of Rs.5,508 crores and non-fund based limits (DPCs) of Rs.2,490 crores. The SBU has also been contributing in the formulation of policies by the Government and RBI, particularly in the areas of power and surface transport. Recognised as a specialist outfit in power project finance, the SBU has a presence in all major power projects. The Bank was



वित्त की विशेषज्ञ इकाई के रूप में मान्य कार्यनीतिक व्यवसाय इकाई का योगदान सभी बड़ी विद्युत परियोजनाओं में उल्लेखनीय है। विद्युत क्षेत्र की एक अग्रणी बहुराष्ट्रीय कंपनी ने अपनी बाह्य वाणिज्यिक उधारियों के लिए बैंक को विश्वव्यापी समन्वयकर्ता के रूप में नियुक्त किया था। उक्त कार्यनीतिक व्यवसाय इकाई द्वारा भारत की प्रथम सेल्यूलर एवं मूल टेलिफोनी परियोजना एवं देश में इस प्रकार की प्रथम प्रक्रियाधीन परियोजना के निधोषन में भी सहभागिता की गई। वर्ष के दौरान इस इकाई द्वारा आधारिक संरचना परियोजनाओं के लिए 'टेक आउट फाइनेंसिंग' नामक उत्पाद विकसित करने के कार्य में आधारिक संरचना विकास वित्त कंपनी (आई डी एफ सी) को सहयोग प्रदान किया गया।

## ख. राष्ट्रीय बैंकिंग

राष्ट्रीय बैंकिंग समूह अपने दो विशिष्ट नेटवर्कों अर्थात् विकास एवं वैयक्तिक बैंकिंग नेटवर्क और वाणिज्यिक नेटवर्क के माध्यम से अपने ग्राहकों को मूलभूत बैंकिंग सेवाएं प्रदान करता है। बैंक की देशीय जमा राशियों का लगभग 99 प्रतिशत और बैंक के देशीय अग्रिमों का लगभग 84 प्रतिशत राष्ट्रीय बैंकिंग समूह के पास है। अपनी 8,926 शाखाओं वाले बैंक के विशाल नेटवर्क की सहायता से यह समूह देश के सुदूरतम भागों में ग्राहकों से सम्पर्क बनाने में सफल रहा है।

बैंक ने वैयक्तिक बैंकिंग को उच्च प्राथमिकता प्रदान की है। 'वैयक्तिक खण्ड' से सम्बन्धित सभी उत्पादों के सफल परिचालन हेतु 'भारतीय स्टेट बैंक वैयक्तिक बैंकिंग' शाखाएं उच्च निवल मालियत वाले ग्राहकों पर ध्यान केन्द्रित करती हैं। ये शाखाएं प्रौद्योगिकी चालित एवं विशिष्ट छविवाली उत्कृष्ट परिवेशयुक्त शाखाएं होती हैं जिनका ध्येय इन्टरनेट बैंकिंग, टेली बैंकिंग एवं होम बैंकिंग जैसे वैयक्तिक खण्ड से सम्बन्धित नए उत्पादों को प्रवर्तित करने हेतु आधार प्रदान करना है। मार्च 1999 की समाप्ति तक बैंक ने 26 वैयक्तिक बैंकिंग शाखाएं खोली हैं।

## वैयक्तिक बैंकिंग उत्पाद

बैंक ने जुलाई 1998 में एक बहुविकल्पी जमा योजना (एम ओ डी एस) प्रारम्भ की। यह योजना तरलता एवं उच्च प्रतिफल की सुविधा प्रदान करती



मडगांव, गोवा में नई खोली गई वैयक्तिक बैंकिंग शाखा  
Newly opened Personal Banking Branch, Madgaon, Goa

है क्योंकि इसमें चालू/बचत खाते एवं सावधि/विशेष सावधि जमा खाते दोनों प्रकार के खातों की प्रमुख विशेषताएं सम्मिलित हैं। यह योजना 1,300 कम्प्यूटरीकृत शाखाओं के माध्यम से लागू की गई थी और इसे उत्साहजनक प्रतिसाद प्राप्त हुआ।

स्वर्ण आयात नीति को सरकार द्वारा उदार बनाए जाने के फलस्वरूप बैंक ने देशीय बाजार में आयातित स्वर्ण की बिक्री करने का कार्य प्रारम्भ किया। बैंक ने सम्पूर्ण भारत में स्थापित 38 केन्द्रों के माध्यम से 2,300 करोड़ रुपये मूल्य के 59 टन स्वर्ण की बिक्री की है। भारतीय स्टेट बैंक ऐसा पहला बैंक है जिसने मध्यम वर्ग के क्रेताओं की सुविधा हेतु 5 एवं 10 ग्राम वजन वाले स्वर्ण के छोटे टुकड़ों की बिक्री करने का कार्य प्रारम्भ किया है। नामित की गई एजेंसियों द्वारा स्वर्णभूषण निर्यातकों को ऋण के रूप में धातु स्वर्ण देने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अनुमोदन प्रदान किए जाने के फलस्वरूप बैंक ने इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु एक योजना को अंतिम रूप दे दिया है।

राष्ट्रीय नीति के अनुरूप बैंक ने अपनी आवास वित्तपोषण योजना को शीर्ष प्राथमिकता प्रदान की है और आवास वित्तपोषण सम्बन्धी कार्य-कलापों के लिए इस योजना को काफी उदार बना दिया है। ब्याज दरों एवं संसाधन शुल्कों की दृष्टि से बैंक की यह योजना इस समय की सर्वाधिक प्रतिस्पर्धात्मक योजना है। गहन वित्तपोषण हेतु 497 शाखाओं को चुन लिया गया। अनिवासी भारतीयों के लिए भी आवास ऋण योजना को उदार बनाया गया। मार्च 1999 के अंत तक बैंक के पास (स्टाफ खातों को छोड़कर) 74 हजार से अधिक ऋण खाते थे जिनकी बकाया राशियाँ 1,034 करोड़ रुपये थीं। इनमें पिछले वर्ष की तुलना में क्रमशः 28 प्रतिशत तथा 66 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

बैंक ने और अधिक जोरदार ढंग से उपभोक्ता वित्तपोषण पर बल देना जारी रखा। वर्तमान कार ऋण योजना और मेडीकेड योजनाओं को उदार बनाने के अतिरिक्त लोगों की विभिन्न तात्कालिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वर्ष के दौरान एक सर्वग्राही वैयक्तिक ऋण योजना प्रारम्भ की गई।

## एस बी आई कार्ड

ग्राहक संतुष्टि में वृद्धि करने हेतु अपनी कार्यनीतिक योजना के एक भाग के रूप में बैंक क्रेडिट कार्डों के प्रति काफी आशान्वित है। बैंक ने एस बी आई कार्ड के नाम से अपना क्रेडिट कार्ड 15 अक्टूबर 1998 को नई दिल्ली में प्रवर्तित किया एवं तदुपरान्त बैंक ने इस कार्ड को मुंबई, चण्डीगढ़, बंगलूर और चेन्नई में प्रवर्तित किया। बीसा ब्राण्ड वाले इस कार्ड के विपणन का कार्य एस बी आई कार्ड एण्ड पेमेन्ट सर्विसेज एवं प्रक्रिया सम्बन्धी सेवाएं प्रदान करने का कार्य जीई कैपिटल बिजनेस प्रोसेस मैनेजमेन्ट सर्विसेस लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है। ये दोनों एस बी आई - जी ई कैपिटल की संयुक्त उद्यम वाली कम्पनियाँ हैं। वर्ष 2001 तक 20 लाख कार्डधारकों तथा 30 प्रतिशत बाजार अंश प्राप्त करने के उद्देश्य से देश के सभी बड़े केन्द्रों में विभिन्न चरणों में कार्ड जारी करने की बैंक की योजना है।

## प्रौद्योगिकी चालित कैपिटल मार्केट सर्विसेस

देश के पूंजी बाजारों का विकास करने के कार्य में बैंक सक्रिय रूप से सहभागिता कर रहा है। हमारा बैंक इलेक्ट्रानिक डिपोजिटरी खण्ड

appointed the global coordinator by a leading multi-national company in the power sector for its ECB (external commercial borrowing) loans. The SBU also participated in funding the first cellular and basic telephony project and the first pipeline project in India. During the year, it collaborated with Infrastructure Development Finance Company (IDFC) in developing 'take-out financing' products for infrastructure projects.

## B. National Banking

The National Banking Group (NBG), through its two distinct networks, namely, Development and Personal Banking Network and the Commercial Network, provides basic banking services to its customers. About 99% of the domestic deposits and 84% of the domestic advances of the Bank fall in the domain of the NBG. Its vast network of 8,926 branches enables the Group to reach customers in the remotest corners of the country.

The Bank has accorded high priority to personal banking. The SBI Personal Banking branches target high net worth individuals for the entire range of 'personal segment' products. These branches are technology driven, possess distinct brand image and prime ambience and are intended to be the vehicles for launching new personal segment products like internet banking, tele-banking and home banking. The Bank has opened 26 Personal Banking Branches by end-March 1999.

### Personal Banking Products

In July 1998, the Bank launched the Multi-Option Deposit Scheme (MODS). The scheme provides liquidity and high return, as it combines the features of both current/savings account and term deposits/special term deposits account. The scheme was implemented through 1,300 computerised branches, and received encouraging response.

With the liberalisation of the gold import policy, the Bank started sale of imported gold in the domestic market. It has sold 59 tonnes of gold valued at Rs.2,300 crores through 38 outlets set up all over India. SBI is the first bank to introduce sale of smaller pieces of 5 and 10 grams gold for the convenience of the middle class purchasers. Consequent upon RBI's approval to the nominated agencies to lend metal gold to the jewellery exporters, the Bank has finalised a scheme for the purpose.

In consonance with the national policy, the Bank has accorded top priority to housing finance activity by

liberalising its housing finance scheme considerably. The Bank's scheme is now very competitive in terms of rates of interest and processing charges. For intensive financing, 497 branches were identified. The housing loan scheme for the NRIs was also liberalised. As at end-March 1999, the Bank had over 74,000 housing loan accounts (excluding staff accounts) with an outstanding amount of Rs.1,034 crores, representing increases of 28% and 66% respectively over those in the previous year.

The Bank's thrust on consumer finance continued with increased vigour. In addition to liberalising the existing Car Loan and the Medicaid schemes, an omnibus personal loan scheme was launched during the year to take care of temporary needs of the individuals.

### SBI Card

The Bank is looking at Credit Cards as a part of its strategic plan for customer satisfaction enhancement. The Bank launched its credit card, christened "SBI Card", on October 15, 1998 at New Delhi and subsequently at Mumbai, Chandigarh, Bangalore and Chennai. The Card, with Visa brand, is being marketed by SBI Cards and Payment Services Ltd. and processed by GE Capital Business Process Management Services Ltd., both SBI-GE Capital joint venture companies. The Bank proposes to launch the Card in stages in all major centres in the country, with the aim of reaching to two million cardholders and capturing 30% market share by 2001.

### Tech-driven Capital Market Services

The Bank is actively participating in developing the country's capital markets. In the electronic depository



भविष्य की मुद्रा - नवम्बर 1998 में, मुंबई में एस बी आई कार्ड का प्रारम्भ  
Currency of the future - launching of SBI Card at Mumbai in November 1998

की दो डिपाजिटरियों, अर्थात् नेशनल सिक्यूरिटीज डिपाजिटरी लिमिटेड (एन एस डी एल) तथा सेन्ट्रल डिपाजिटरी सर्विसेज लिमिटेड (सी डी एस एल) के सह-प्रायोजकों में से एक है। नेशनल सिक्यूरिटीज डिपाजिटरी लिमिटेड से सम्बन्धित इसकी डिपाजिटरी सहभागी सेवाओं का मुंबई में परिचालन प्रारम्भ कर दिया गया है और शीघ्र ही यह सुविधा अन्य शहरों में भी उपलब्ध कराई जाएगी। सी डी एस एल का परिचालन भी शीघ्र ही आरंभ होने की संभावना है।

इलेक्ट्रानिक क्लियरिंग सेवाएं शीघ्र ही 29 शहरों में उपलब्ध कराई जाएंगी जिसके फलस्वरूप कम राशिवाले लाभार्थी एवं ब्याज वारंटों के निपटान में पेपर आधारित कार्यों में काफी हद तक कमी आएगी तथा इससे बैंक को शुल्क आधारित आय भी प्राप्त होगी।

### प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र ऋणान्वयन

निवल बैंक ऋणों की तुलना में प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र के अग्रिमों का अनुपात वर्ष 1997-98 के 37.5 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष के दौरान 40.7 प्रतिशत हो गया। इसके अंतर्गत राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक द्वारा प्रारंभ की गई ग्रामीण आधारिक संरचना विकास निधि (आर आइ डी एफ) 1,2 एवं 3 हेतु अब तक 1,681 करोड़ रुपये प्रदान किए गए हैं। अपनी ऋण व्यवस्था के अंतर्गत बैंक ने खादी तथा ग्रामोद्योग आयोग को वर्ष के दौरान 246 करोड़ रुपये के ऋण प्रदान किए।

अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति, लघु एवं सीमांत कृषकों, भूमिहीन श्रमिकों, समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम एवं विभेदक ब्याज दर योजनाओं के लाभार्थियों सहित समाज के कमजोर वर्गों को 4,658 करोड़ रुपये की सहायता प्रदान की गई। प्रधानमंत्री रोजगार योजना के अंतर्गत बैंक ने 1,88,429 लाभार्थियों को अभी तक कुल 1,143 करोड़ रुपये की सहायता प्रदान की है। समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम के अंतर्गत 69 लाख से अधिक लाभार्थियों को 3,212 करोड़ रुपये से अधिक की राशि संचित की गई है। समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम के कुल लाभार्थियों



बैंक का एक प्राथमिकता प्राप्त कार्यक्रम - कृषि का वित्तपोषण  
Financing agriculture - a priority activity for the Bank

में महिलाओं एवं अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति के लाभार्थियों की संख्या क्रमशः 21.5 प्रतिशत एवं 34.5 प्रतिशत रही। समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम के लाभार्थियों का सही निर्धारण सुनिश्चित करने की दृष्टि से बैंक ने 11 राज्यों के 24 जिलों में स्थित 220 से अधिक शाखाओं में अपनी एक प्रायोगिक परियोजना कार्यान्वित की है।

किसान क्रेडिट कार्ड योजना, जिसमें संपूर्ण वर्ष के लिए व्यापक ऋण निर्धारण, नकदी संचितरण तथा उपभोग ऋण के लाभ अन्तर्निहित है, लगातार लोकप्रिय हुई है। बैंक ने अब तक 76.10 करोड़ रुपये की कुल ऋण सीमा वाले 41,922 कार्ड जारी किए हैं। बैंक ने वर्ष 1999-2000 के लिए 7,50,000 कार्डों को जारी करने का अपना लक्ष्य निर्धारित किया है जो वर्ष 1999-2000 के बजट संबंधी भाषण में माननीय वित्त मंत्री द्वारा घोषित 20 लाख कार्डों के सरकारी लक्ष्य का 37.5 प्रतिशत है।

ग्रामीण क्षेत्रों के निर्धनों से सम्पर्क बनाने और ग्रामीण ऋण सुपुर्दगी प्रणाली की प्रभावोत्पादकता में सुधार करने के उद्देश्य से स्वयं सहायता समूह की परिकल्पना एक वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में उभर कर सामने आई है। बैंक अपने ग्रामीण नेटवर्क के माध्यम से इस परिकल्पना का अत्यन्त सक्रिय रूप से प्रचार करता रहा है। अभी तक 3,277 स्वयं सहायता समूहों को सहायता प्रदान की गई है।

बैंक ने 119 जिलों में मार्गदर्शी बैंक के उत्तरदायित्व का निर्वाह तथा नौ राज्यों तथा दो संघ शासित क्षेत्रों में राज्य स्तरीय बैंकर समिति की बैठक के संयोजन के उत्तरदायित्व का निर्वाह करना जारी रखा।

### क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक

बैंक ने 13 राज्यों के 85 से अधिक जिलों में 30 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक प्रायोजित किए हैं जिनमें 2,352 शाखाओं का नेटवर्क शामिल है। प्रायोजित क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की कुल जमा राशियाँ एवं अग्रिम राशियाँ क्रमशः 3,198.35 करोड़ रुपये एवं 1,177.55 करोड़ रुपये रहीं। पिछले वित्तीय वर्ष (मार्च 1998 को समाप्त) के दौरान बैंक द्वारा प्रायोजित 15 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (पिछले वर्ष के 5 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की तुलना में) ने लाभ अर्जित किया और 13 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों ने (पिछले वर्ष के 7 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की तुलना में) अपनी हानियों में कमी की। वित्तीय पुनर्गठन हेतु अपनाए गए 25 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के पुनर्पूजीकरण के लिए बैंक ने अभी तक 62.94 करोड़ रुपये प्रदान किए हैं।

### परियोजना उन्नयन

लघु एवं मध्यम इकाइयों के प्रौद्योगिकी उन्नयन हेतु बैंक द्वारा वर्ष 1988 में स्थापित परियोजना उन्नयन इकाई ने अभी तक 9 परियोजनाओं का कार्य प्रारम्भ किया है जिनमें से 5 इकाइयों के प्रौद्योगिकी उन्नयन का कार्य पूर्ण हो चुका है। 4 नई परियोजनाएं प्रक्रियाधीन हैं। एस बी आई प्रोजेक्ट अपटैक क्वालिटी सपोर्ट स्कीम (एस बी आई परियोजना उन्नयन गुणवत्ता सहायता योजना) वर्ष 1996 में प्रवर्तित की गई थी जिसका उद्देश्य बैंक



segment, it is one of the co-sponsors of the two depositories, viz., the National Securities Depository Limited (NSDL) and the Central Depository Services Limited (CDSL). Its depository participant services, linked to the NSDL, were made operational in Mumbai and the facility will soon be extended to other cities. The CDSL is expected to be operational soon.

The electronic clearing services will soon be extended to 29 cities, thereby reducing the handling of paper-based small value dividend and interest warrants to a large extent and provide fee-based income to the Bank.

### Priority Sector Lending

The Bank's advances to the priority sector as a proportion of its net bank credit improved to 40.7% during the year from 37.5% in 1997-98. It has so far contributed Rs.1,681 crores to the National Bank for Agriculture and Rural Development (NABARD) administered Rural Infrastructure Development Fund (RIDF) I, II and III. Under its line of credit to the Khadi and Village Industries Commission (KVIC), it provided Rs.246 crores during the year.

Assistance to the weaker sections, including SC/ST, small and marginal farmers, landless labourers and beneficiaries of Integrated Rural Development Programme (IRDP) and Differential Rates of Interest (DRI) schemes, stood at Rs.4,658 crores. Under the Prime Minister's Rozgar Yojana (PMRY), the Bank has so far assisted 1,88,429 beneficiaries to the tune of Rs.1,143 crores. Under the IRDP, over Rs.3,212 crores have been disbursed to over 69 lakh beneficiaries. Women and SC/ST beneficiaries constituted 21.5% and 34.5% respectively of the total IRDP beneficiaries. With a view to ensuring proper identification of IRDP beneficiaries, the Bank implemented a pilot project on its own in 24 districts spread over 220 branches in 11 States.

Kisan Credit Card scheme with in-built benefits of comprehensive credit assessment for the whole year, cash disbursements and consumption credit has become increasingly popular. The Bank has so far issued 41,922 cards with aggregate credit limit of Rs.76.10 crores. The Bank has set for itself a target of issuing 7,50,000 cards during the year 1999-2000, which represents 37.5% of the Government's target of 20 lakh cards announced by Honorable Finance Minister in the budget speech for 1999-2000.

The concept of Self Help Groups (SHG) has emerged as an alternative mechanism to reach the rural poor and improve the efficacy of the rural credit delivery system. The Bank has been very actively propagating the concept through its rural network. It has so far provided finance to 3,277 SHGs.

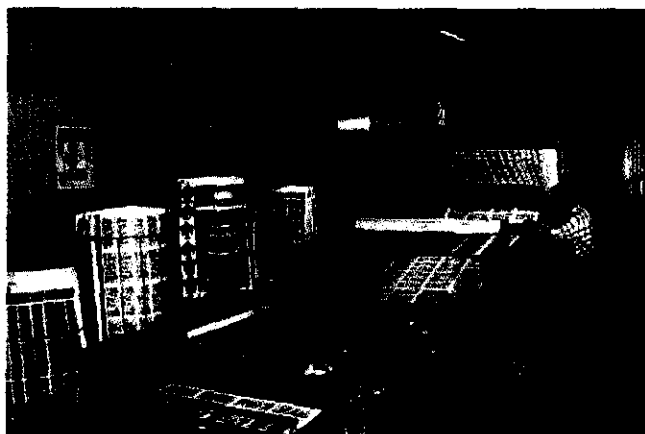
The Bank continued to discharge its responsibility as Lead Bank in 119 districts and convenorship responsibility for State Level Bankers Committee in nine States and two Union Territories.

### Regional Rural Banks (RRBs)

The Bank has sponsored 30 RRBs spread over 85 districts in 13 States with a network of 2,352 branches. The aggregate deposits and advances of the sponsored RRBs stood at Rs.3,198.35 crores and Rs.1,177.55 crores respectively. During the last financial year (ended March 1998), 15 of the Bank's RRBs made profit (as against five in the previous year) and 13 reduced losses (as against seven in the previous year). The Bank has so far contributed Rs.62.94 crores for recapitalisation of the 25 RRBs taken up for financial restructuring.

### Project Uptech

Project Uptech, set up by the Bank in 1988 for bringing in technology upgradation of small and medium enterprises, has taken up nine projects so far, of which five have been completed. Four new projects are in the pipeline. The "SBI Project Uptech Quality Support Scheme" was introduced in 1996 to encourage the Bank's clients to obtain ISO certification by providing eligible units with



जे. सी. रोड शाखा, बंगलूर द्वारा वित्तपोषित - सेरेमिक टाइलों पर मुद्रण हेतु मृत्तिका शिल्प का अंतरण एवं विवर्णन  
Ceramic transfer and decal for printing on ceramic tiles - a unit financed by J. C. Road Branch, Bangalore

के ग्राहकों को अंतरराष्ट्रीय मानक संगठन द्वारा प्रमाणन प्राप्त करने की दिशा में प्रोत्साहित करना था और इसके लिए पात्र इकाइयों को परामर्शन शुल्क हेतु मध्यावधि सावधि ऋण देने एवं अंतरराष्ट्रीय मानक संगठन का प्रमाणन प्राप्त किए जाने पर उन्हें 25,000 रुपये की नकद पुरस्कार राशि प्राप्त करने हेतु प्रोत्साहित करना भी शामिल है। इस योजना के अंतर्गत बैंक ने 150 इकाइयों को नकद पुरस्कार राशि प्रदान की है।

### सामाजिक सेवा बैंकिंग

बैंक अपने नियमित बैंकिंग परिचालनों के अतिरिक्त एक जिम्मेदार कारपोरेट नागरिक के रूप में समाजोन्मुख कार्यकलापों के माध्यम से समाज के कल्याण हेतु अपने लाभ के कुछ भाग का पुनर्निवेश करने का प्रयास

करता है। वर्ष के दौरान बैंक ने 4.35 करोड़ रुपये के अनुदान दिए: इसमें से गैर-सरकारी संगठनों (एन जी ओ) को समाजोन्मुख परियोजनाओं के लिए कुल 2.61 करोड़ रुपये तथा प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री राहत कोषों में 1.74 करोड़ रुपये का अनुदान दिया है। बैंक ने अपनी अनुसंधान एवं विकास निधि से विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं शिक्षा संस्थानों की 71 अनुसंधान परियोजनाओं/पीठों को अनुसंधान अनुदान के रूप में अभी तक 6.59 करोड़ रुपये दिए हैं।

### ग. अन्तरराष्ट्रीय बैंकिंग

#### विदेश स्थित कार्यालयों के परिचालन

33 देशों में फैले बैंक के विदेश स्थित 52 कार्यालयों के

### तालिका 2: विदेश स्थित कार्यालयों की आस्तियाँ/देयताएं

(अनुषंगियों तथा संयुक्त उद्यमों को छोड़कर)

(मार्च 1999 के अंत में)

मदें	रुपये करोड़ में	अमरीकी डालर मिलियन में
<b>संसाधन</b>		
जमा	8787.09	2,070.96
अन्य देयताएं	17,481.67	4,120.12
उधारियाँ	7,958.47	1,875.67
<b>योग *</b>	<b>34,227.23</b>	<b>8,066.75</b>
<b>अभिनियोजन</b>		
बैंक के पास नकदी एवं शेष	314.71	74.17
निवेश एवं स्थानन (प्लेसमेंट)	22,005.72	5,186.36
अग्रिम (निवल)	11,675.51	2,751.71
अन्य आस्तियाँ	231.29	54.51
<b>योग *</b>	<b>34,227.23</b>	<b>8,066.75</b>

\* सकल आधार पर, अर्थात् अंतर कार्यालय मदों के समायोजन से पूर्व।



सामाजिक सेवा कार्य - वाणिज्यिक शाखा, कलकत्ता द्वारा सहायता प्राप्त एक अस्पताल में हो रहे मस्तिष्क परीक्षण का एक दृश्य  
Services for the community - a view of brain scanning at a hospital assisted by Commercial Branch, Calcutta

नेटवर्क में सभी क्षेत्र शामिल हैं। बैंक का 878 विदेशी बैंकों के साथ संपर्की संबंध है। वर्ष के दौरान आस्ट्रेलिया के सिडनी में प्रतिनिधि कार्यालय, दक्षिण अफ्रीका के डर्बन में एक कार्यालय, कनाडा के मिशिसागू में तथा श्रीलंका के कोलम्बो में विस्तार काउन्टर खोले गए। बैंक के विदेश स्थित कार्यालयों ने देश के विदेशी व्यापार आधारित व्यवसाय कार्य करने तथा भारतीय कारपोरेटों के लिए विदेशी मुद्रा संसाधन उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। इस वर्ष बैंक के विदेश स्थित कार्यालयों के निष्पादन में महत्वपूर्ण सुधार हुआ है जिससे निवल लाभ में पिछले वर्ष की तुलना में 27 प्रतिशत वृद्धि दर्ज हुई।

मार्च 1999 के अंत में विदेश स्थित कार्यालयों (अनुषंगियों तथा संयुक्त उद्यमों को छोड़कर) का, बैंक के निवल लाभ में लगभग 20 प्रतिशत का योगदान रहा। मार्च 1999 के अंत में, विदेश स्थित

medium-term loan towards consultancy charges and a cash award of up to Rs.25,000 upon obtention of certification. The Bank has given cash awards to 150 units under the scheme.

### Community Services Banking

In addition to normal banking operations, the Bank, as a responsible corporate citizen, seeks to reinvest part of its profit for community welfare through socially oriented activities. During the year, it made donations amounting to Rs.4.35 crores: Rs.2.61 crores to non-governmental organisations (NGOs) for socially oriented projects and Rs.1.74 crores to the Prime Minister's and

handling the country's foreign trade related business and providing foreign currency resources to the Indian corporates. During the year, significant improvement marked the performance of the Bank's foreign offices, with the net profit recording a growth of 27% over that of the last year.

The Bank's foreign offices (excluding subsidiaries and joint ventures) at end-March 1999 contributed nearly 20% to the Bank's net profit. The Return on Assets (RoA) of the foreign offices as at end-March 1999 stood at 0.60% as against 0.55% at end-March 1998.

With the introduction of the Euro in January 1999, the Bank's offices in Antwerp, Frankfurt and Paris acquired

**Table 2: Assets/Liabilities of Foreign Offices**

(excluding Subsidiaries and Joint Ventures)

(End-March 1999)

Items	Rs. crores	USD million
<b>Resources</b>		
Deposits	8,787.09	2,070.96
Other Liabilities	17,481.67	4,120.12
Borrowings	7,958.47	1,875.67
<b>Total*</b>	<b>34,227.23</b>	<b>8,066.75</b>
<b>Deployment</b>		
Cash and Balance with Bank	314.71	74.17
Investments and Placements	22,005.72	5,186.36
Advances (Net)	11,675.51	2,751.71
Other Assets	231.29	54.51
<b>Total*</b>	<b>34,227.23</b>	<b>8,066.75</b>

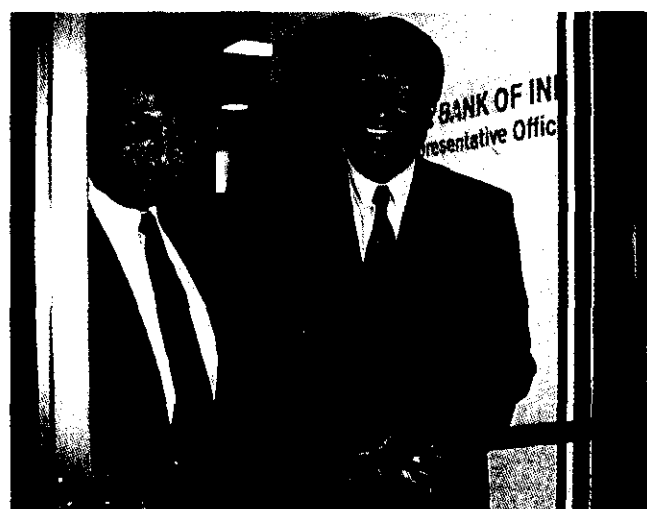
\* On gross basis, i.e., before adjustment of inter-office items.

the Chief Ministers' Relief Funds. From its Research and Development Fund, the Bank has so far extended Rs.6.59 crores as research grants to 71 chairs/research projects at various universities and academic institutions.

## C. International Banking

### Operations of Foreign Offices

A network of 52 overseas offices of the Bank spread over 33 countries covers all the time zones. The Bank has correspondent relationship with 878 foreign banks. During the year, a representative office in Sydney, Australia, an office at Durban, South Africa, and extension counters at Mississauga, Canada and Colombo, Sri Lanka were opened. The Bank's foreign offices play an important role in



ऑस्ट्रेलिया में फिरोजी गोस्वामी बैंक का प्रथम कार्यालय - बैंक के सिडनी कार्यालय का उद्घाटन  
Inauguration of the Bank's Sydney Office - the first office of an Indian bank in Oceania

## तालिका 3: विदेशी अनुषंगियों और संयुक्त उद्यमों के कुल कार्य परिणाम

(मार्च 1999 के अंत में)

(रुपये करोड़ में)

अनुषंगियां/संयुक्त उद्यम	जमा राशियां	ऋण	निवेश	निवल लाभ
पूर्ण स्वामित्ववाली अनुषंगियां	396.42	1,222.19	1,491.38	17.39
अनुषंगियां	439.32	390.52	26.32	4.91
संयुक्त उद्यम	728.05	271.97	136.72	10.62

इण्डो नाइजीरियन मर्चेन्ट बैंक लिमिटेड, लागोस, एस बी आई इंटरनेशनल लिमिटेड, मारिशस और बैंक आफ भूटान के मामले में आंकड़े 31.12.1998 और नेपाल एस बी आई बैंक के मामले में आंकड़े 16.07.1998 से संबंधित हैं।

कार्यालयों की आस्तियों पर प्रतिफल (आर ओ ए) 0.60 प्रतिशत रहा जबकि मार्च 1998 के अंत में यह 0.55 प्रतिशत था।

जनवरी 1999 में यूरो (मुद्रा) प्रारंभ होने से एन्टवर्प, फ्रैंकफर्ट तथा पेरिस स्थित बैंक के कार्यालयों ने यूरो में लेनदेन करने तथा खाता खोलने की क्षमता प्राप्त कर ली हैं। ये कार्यालय यूरो में लेनदेन एवं अंतरण करने सहित सभी प्रकार की सेवाएं प्रदान करते हैं। फ्रैंकफर्ट शाखा जिसे जर्मनी की वित्तीय राजधानी, यूरोपीय मुद्रा संघ तथा यूरोपियन सेंट्रल बैंक के केन्द्र में अवस्थित होने का लाभ प्राप्त है, ने भारत स्थित बैंकों के लिए एकल स्थल यूरो सेवाएं विकसित की हैं। एकल स्थल के माध्यम से यह शाखा भारतीय बैंकों तथा कारपोरेटों के लिए यूरो अपनानेवाले देशों (यूरोलैंड) का प्रवेश द्वार होगी।

## विदेशी अनुषंगियां/संयुक्त उद्यम

वर्ष के दौरान, बैंक की विदेश स्थित अनुषंगियों तथा संयुक्त उद्यमों के निष्पादन में काफी सुधार दर्शाया गया। इंडो नाइजीरियन मर्चेन्ट बैंक लिमिटेड, लागोस में बैंक की ईक्विटी शेयरधारिता 12.8 प्रतिशत से बढ़कर 51 प्रतिशत हो गई। अप्रैल 1999 में एस बी आई इंटरनेशनल लिमिटेड, मारिशस में भी बैंक की ईक्विटी शेयरधारिता 49 प्रतिशत

से बढ़कर 98 प्रतिशत हो गई।

## रिसर्जेंट इंडिया बान्ड्स

अनिवासी भारतीयों/विदेशी कंपनी निकायों की जमा संभावनाओं का दोहन करने हेतु अगस्त 1998 में रिसर्जेंट इंडिया बान्ड योजना (आरआई बी) की सफल शुरुआत बैंक के इतिहास में एक ऐतिहासिक घटना थी। इस योजना को भारी प्रतिसाद मिला तथा बैंक ने रिजर्जेंट इंडिया बांडों के माध्यम से 4.23 बिलियन अमरीकी डालर की राशि जुटाई। इस निधि का उपयोग देश में आधारिक संरचना वाली परियोजनाओं को पर्याप्त मात्रा में ऋण देने के लिए किया जाएगा।

## देशीय परिचालन

## निर्यात ऋण

देश के निर्यात निष्पादन में होनेवाली सकल मंदी के बावजूद इस वर्ष बैंक के बकाया निर्यात ऋण में 4.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई। बैंक के कुल ऋणों में 10.1 प्रतिशत निर्यात ऋण है। वर्ष के दौरान कुल संवितरण के संबंध में जो निष्पादन का बेहतर सूचक है, बढ़कर पिछले वर्ष की तुलना में 6.5 प्रतिशत हो गया।

## परियोजना निर्यात वित्त

वित्तीय क्षेत्र के उदारीकरण से भारतीय कारपोरेट विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी बन गए हैं तथा विदेशी ठेकों की बोली लगा रहे हैं। आधारिक क्षेत्रों में भारतीय कंपनियों को अंतरराष्ट्रीय स्वीकृति मिल रही है। बैंक उन कारपोरेटों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है जो इन विदेशी ठेकों के लिए बोली लगाते हैं। वर्ष के दौरान, बैंक ने 17 देशों की 5,044 करोड़ रुपये की कुल परियोजना लागत वाली 29 परियोजनाओं को सहायता प्रदान की। बैंक के आकार तथा अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति से भारतीय निर्यातकों को परियोजना हेतु गारंटी तथा ऋण की व्यवस्था करने में सहायता मिली।

## फोरफेटिंग

मध्यावधि और दीर्घावधि निर्यातों के वित्तपोषण की सुविधा हेतु बैंक ने इस वर्ष से भारत में फोरफेटिंग शुरू किया। इस योजना के अंतर्गत बैंक



कृषि वित्तपोषण हेतु विशेषीकृत शाखा, चेन्नई द्वारा वित्तपोषित शत-प्रतिशत निर्यातानुसृत समुद्री उत्पाद पैकेजिंग की एक इकाई

A 100% export oriented marine products packaging unit assisted by Specialized Agricultural Finance Branch, Chennai



**Table 3: Aggregated Working Results of Subsidiaries and Joint Ventures Abroad**

(End-March 1999)

(Rs.crores)

Subsidiaries/Joint Ventures	Deposits	Loans	Investments	Net Profit
Wholly-owned Subsidiaries	396.42	1,222.19	1,491.38	17.39
Subsidiaries	439.32	390.52	26.32	4.91
Joint Ventures	728.05	271.97	136.72	10.62

In the case of Indo Nigerian Merchant Bank Ltd., Lagos, SBI International Ltd., Mauritius and Bank of Bhutan, the figures relate to 31.12.1998 and for Nepal SBI Bank 16.07.1998.

capability to open accounts and handle transactions in the Euro. These offices offer a whole range of services involving dealing and transfers in the Euro. The Frankfurt Branch, which has the advantage of being located in the financial capital of Germany and European Monetary Union (EMU) and also the seat of the European Central Bank, has evolved 'Single-Window Euro Services for Banks in India.' Through the single window, the branch would be the "Gateway" to the Euro-land for the Indian banks and the corporates.

### Foreign Subsidiaries/Joint Ventures

The Bank's subsidiaries and joint ventures abroad recorded improved performance during the year. The equity shareholding of the Bank in Indo-Nigerian Merchant Bank Limited, Lagos increased from 12.8% to 51% during the year. In April 1999, the equity shareholding of the Bank in the SBI International Limited, Mauritius has also been increased from 49% to 98%.

### Resurgent India Bonds

A landmark in the Bank's history was the successful launch of the Resurgent India Bonds (RIB) Scheme in August 1998, in order to tap the deposit potential of the NRIs/OCBs. The Scheme received overwhelming response, and the Bank mobilised USD 4.23 billion through the RIBs. The funds will be used in India for lending substantially to infrastructure projects.

### Domestic Operations

#### Export Credit

Against the backdrop of overall sluggish export performance of the country, the Bank's outstanding export credit grew by 4.7% during the year. The export credit constituted 10.1% of the Bank's net bank credit. The total

disbursements during the year, which is a better indicator of the performance, were higher by 6.5% over that of the previous year.

### Project Exports Finance

With the liberalisation of the financial sector, the Indian corporates have become globally competitive and have been aggressively bidding for overseas contracts. Indian companies have gained international acceptance, particularly in infrastructure areas. The Bank provides financial support to Indian corporates, which bid for such overseas contracts. During the year, the Bank supported 29 projects with an aggregate project cost of Rs.5,044 crores in 17 countries. International presence of the Bank and its size have helped Indian exporters in arranging guarantees and loans for the projects.

### Forfaiting

The Bank introduced, during the year, forfaiting to facilitate financing of medium- and long-term exports from India. Under this scheme, the Bank will only be a facilitator for tie-ups with reputed international



विशेष शाखा, जयपुर द्वारा सहायताप्राप्त एक विनिर्माण इकाई - निर्यात हेतु निर्मित लकड़ी के फर्नीचर  
Wooden furniture for export - a manufacturing unit assisted by Jaipur Special Branch

www.reportjunction.com

forfeiting agencies without any fund-based exposure. To start with, eight branches were designated to handle the scheme.

### Shipping Finance

The Bank has been providing financial support to major shipping companies for acquisition of ships mainly from abroad, and extending support to shipping companies for construction/acquisition of ships from the Indian shipyards for coastal vessels. The additional exposure to this segment, during the year, was Rs.208 crores.

### Merchant Banking

Although the demand for cross-border financing remained subdued during the year, demand for foreign currency loans at competitive rates was high. The Bank's Merchant Banking Group handled business worth USD 2,993 million, including six syndications worth USD 963 million, nine short-term loans of USD 1,620 million and 20 stand-alone loans of USD 268 million. The Bank was also active in buying selectively Indian papers (FCLs/FRNs/Bonds) of top corporates, whose prices came

crores in sales and Rs.62,704 crores in purchases. Commanding a market share of 38.5%, the total turnover reflected an increase of 6.3% over that in the previous year.

### Global Link Services

The Global Link Services (GLS) was set up in 1997 to provide international correspondent banking services to the Bank's branches as well as to other banks. All clean collections in sterling pound are handled by the GLS, resulting in savings to the Bank and prompt realisation of collections. The Bank also started handling US dollar documentary collections and will soon be undertaking Euro collections.

### D. Associates and Subsidiaries

The Bank has seven Associate Banks and one fully owned banking and six non-banking domestic subsidiaries. The highlights of the performance pertaining to the seven Associate Banks, along with that of SBI, during 1998-99 are presented in the Table below:

**Table 4: SBI and Associate Banks**

(End-March 1999)

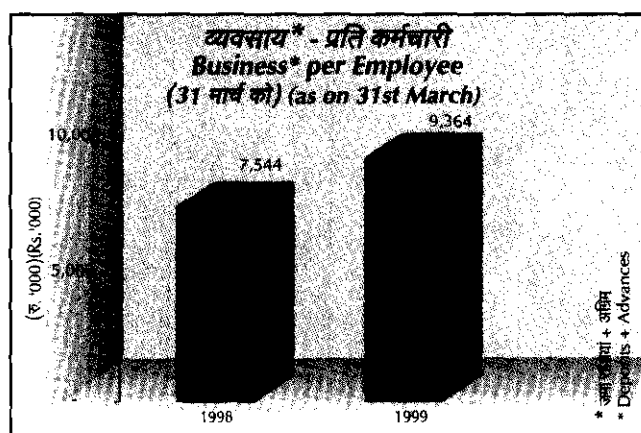
(Rs. crores)

Bank	Number of Branches	Deposits	Loans	Investments	Total Assets	Net Profit
State Bank of India	8,930	1,69,042	82,360	71,287	2,22,509	1,028
Associate Banks	4,384	50,235	25,965	23,884	63,394	438
<b>Total</b>	<b>13,314</b>	<b>2,19,277</b>	<b>1,08,325</b>	<b>95,171</b>	<b>2,85,903</b>	<b>1,466</b>

down in the wake of the Southeast Asian Crisis. The Bank purchased such papers amounting to USD 142 million in the secondary market. With a solely mandated loan of USD 120 million for National Thermal Power Corporation, which was syndicated by the Bank with participation of more than a dozen banks, the Bank has also established itself as a dominant player in the ECB market.

### Forex Turnover

During the year, the Bank recorded a total turnover of Rs.1,50,525 crores in its forex business – Rs.87,821



## गैर-बैंकिंग अनुषंगियाँ

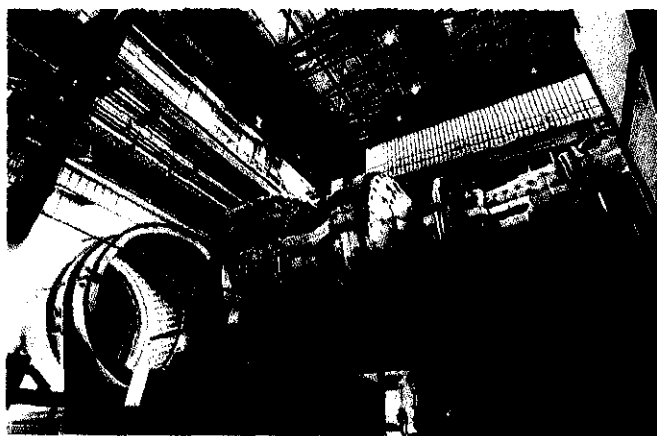
### एस बी आई कैपिटल मार्केट्स (एस बी आई कैप)

एस बी आई कैप ने बाजार में अपना प्रभुत्व बनाए रखा. वर्ष 1998-99 में सभी सार्वजनिक निर्गमों के लिए जुटाई गई निधि और प्रबंध किए निर्गमों की संख्या की दृष्टि से प्राइम डाटाबेस द्वारा इसे व्यवस्थापक (अरेंजर) के रूप में पहला स्थान दिया गया. अप्रैल से दिसम्बर 1998 की अवधि के दौरान सभी निजी स्थानों के लिये जुटाई गई निधि की दृष्टि से भी व्यवस्थापक के रूप में इसका स्थान प्रथम रहा. एस बी आई कैप ने विलय एवं अभिग्रहण, व्यवसाय पुनर्संरचना एवं वित्तीय परामर्शन के क्षेत्रों में भी प्रवेश किया और इसके पास इन व्यवसायों के 36 अधिदेश थे जिनमें सार्वजनिक क्षेत्र की "नवरत्न" इकाइयाँ तथा निजी क्षेत्र की बड़ी कंपनियाँ भी शामिल हैं. इसने रिसर्जेंट इंडिया बांडों के निर्गम के एकमात्र व्यवस्थापक की भूमिका निभाई. कंपनी ने पिछले वर्ष के 27.91 करोड़ रुपये की तुलना में 1998-99 में 29.52 करोड़ रुपये का कर पश्चात् लाभ (पी ए टी) दर्ज किया.

"भारत स्थित सर्वोत्तम निवेश बैंक" बनने के लक्ष्य के साथ कंपनी एक अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त परामर्श कंपनी की संस्तुतियों के अनुसार अपनी पुनर्संरचना कर रही है.

### एस बी आई गिल्ट्स लिमिटेड (एस बी आई जी एल)

वर्ष के दौरान, एस बी आई गिल्ट्स लिमिटेड, भारतीय रिजर्व बैंक से बोली लगाने, बोली लगाने में सफलता तथा टर्नओवर अनुपातों के मामलों में की गई अपनी प्रतिबद्धताएं पूरी करके आगे निकल गई. कंपनी ने ट्रेजरी बिलों की हामीदारी के मामलों में 23 प्रतिशत और भारत सरकार की दिनांकित प्रतिभूतियों के मामले में 18 प्रतिशत बाजार अंश एकत्र किया. इसने पिछले वर्ष के 30.73 करोड़ रुपये की तुलना में वर्ष 1998-99 में 28.74 करोड़ रुपये का निवल लाभ दर्ज किया.



कारपोरेट लेखा समूह शाखा, मुंबई द्वारा वित्तपोषित - बृहत विद्युत संयंत्र में टरबाइनों का एक दृश्य  
A view of turbines in a mega power plant - financed by CAG Branch, Mumbai

### एस बी आई फैक्टर्स एण्ड कामर्शियल सर्विसेज लिमिटेड (एस बी आई फैक्टर)

एस बी आई फैक्टर्स ने फैक्ट्रिंग व्यवसाय में बाजार के 45 प्रतिशत हिस्से पर अपना नियंत्रण बनाए रखा. कंपनी ने लघु उद्योग ग्राहकों को 28 प्रतिशत ऋण दिया. वर्ष के दौरान, इसके व्यवसाय का टर्नओवर 472 करोड़ रुपये रहा. 31 मार्च 1999 तक कंपनी की भुगतान अवधि से पूर्व अदा की गई 90.13 करोड़ रुपये की बकाया राशियों में पिछले वर्ष की तुलना में 25 प्रतिशत संवृद्धि दर्ज हुई. वर्ष के दौरान इसने 3.26 करोड़ रुपये का निवल लाभ दर्ज किया जबकि 1997-98 के दौरान यह 3.61 करोड़ रुपये था.

### एस बी आई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड (एस बी आई एफ एम एल)

वर्ष के दौरान एस बी आई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड की 19 देशीय योजनाओं से प्राप्त कुल आधारिक निधि 1,587.6 करोड़ रुपये रही और तदनुरूप इसकी निवल आस्ति का मूल्य 2,310.8 करोड़ रुपये रहा. वर्ष 1998-99 में शुरू की गई दो नई ऋण आय योजनाओं, मैन्म लिवलीबांड इन्कम फंड तथा मैन्म इन्कम स्कीम 1998 (II) से 240 करोड़ रुपये एकत्र किए गए. कंपनी की इंडिया मैन्म फंड और एशियन कन्वर्टिबल इन्कम फंड्स नामक दो विदेशी निधियों से संयुक्त रूप से 180.06 करोड़ रुपये की आधारिक निधियाँ एकत्रित हुई और इनका निवल आस्ति का मूल्य 943.5 करोड़ रुपये रहा.

### एस बी आई सिक्यूरिटीज लिमिटेड (एस बी आई एस एल)

बैंक के एजेन्ट के रूप में एस बी आई सिक्यूरिटीज लिमिटेड की स्थापना मार्च 1997 में 100 करोड़ रुपये की प्राधिकृत पूँजी से की गई थी. कंपनी ने बाम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बी एस ई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एन एस ई) की सदस्यता प्राप्त कर ली. इसी तरह से, सेबी ने इन एक्सचेंजों में कंपनी को एजेन्ट के रूप में पंजीकृत किया.

### एस बी आई कार्ड्स एण्ड पेमेंट सर्विसेज लिमिटेड (एस बी आई सी पी एस एल)

एस बी आई कार्ड्स एण्ड पेमेंट सर्विसेज लिमिटेड ने वर्ष 1998-99 के दौरान कार्य करना प्रारंभ कर दिया. इसने 15 अक्टूबर 1998 को नई दिल्ली में अपना क्रेडिट कार्ड प्रवर्तित किया.

## बैंकिंग अनुषंगी

### एस बी आई कामर्शियल एण्ड इंटरनेशनल बैंक लिमिटेड (एस बी आई सी आई)

मार्च 1999 के अंत तक बैंक की जमा राशियाँ एवं ऋण क्रमशः 432.76 करोड़ रुपये एवं 256.6 करोड़ रुपये रहे. बैंक ने 28.9 प्रतिशत "जोखिम भारित आस्ति की तुलना में पूँजी अनुपात" (सी आर ए आर) दर्ज किया. पिछले वर्ष के 14.12 करोड़ रुपये की तुलना में वर्ष 1998-99 में इसका निवल लाभ 9.81 करोड़ रुपये रहा.

## Non-banking Subsidiaries

### SBI Capital Markets (SBICAPS)

SBICAPS continued its dominance in the capital market. It was ranked number one Lead Manager in terms of amount raised and number of issues handled for all public issues for the year 1998-99 by Prime Database. It was also ranked number one Arranger in terms of amount mobilised for all private placements during the period April-December 1998. SBICAPS also made an entry in the areas of mergers and acquisitions, business restructuring and financial consultancy, with 36 mandates on hand, including PSU 'Navaratnas' and private sector giants. It acted as the sole arranger of the RIB issue. The company recorded PAT (profit after tax) of Rs.29.52 crores in 1998-99, as against Rs.27.91 crores in the preceding year.

With the vision to become the "Best India-based Investment Bank", the company is restructuring itself in accordance with the recommendations of an internationally reputed consultancy firm.

### SBI Gilts Ltd. (SBIGL)

During the year, SBIGL surpassed its commitments to RBI in regard to bidding, bidding success and turnover ratios. The company garnered a market share of 23% in the case of underwriting of treasury bills and 18% in the case of underwriting of Government of India dated securities. It recorded a net profit of Rs.28.74 crores in 1998-99 compared to Rs.30.73 crores in the previous year.

### SBI Factors and Commercial Services Ltd. (SBIFACTORS)

SBIFACTORS continued to command 45% market share in factoring business. The company had 28% exposure to SSI clients. During the year, its business turnover amounted to Rs.472 crores. The company's prepayment outstandings as on March 31, 1999 at Rs.90.13 crores registered a growth of 25% over the previous year. It recorded a net profit of Rs.3.26 crores during the year, as against Rs.3.61 crores in 1997-98.

### SBI Funds Management Ltd. (SBIFML)

During the year, SBIFML's aggregate corpus of 19 domestic schemes stood at Rs.1,587.6 crores with the corresponding Net Asset Value (NAV) at Rs.2,310.8 crores.

Two new debt income schemes of the company, launched in 1998-99, Magnum Liquibond Income Fund and Magnum Income Scheme 1998 (II), collected Rs.240 crores. The combined corpus of the two offshore funds of the company, namely, the India Magnum Fund and the Asian Convertibles Income Fund stood at Rs.180.06 crores with a NAV of Rs.943.5 crores.

### SBI Securities Ltd. (SBISL)

SBISL was set up in March 1997 as the broking arm of the Bank with an authorised capital of Rs.100 crores. The company secured admission to the membership of the Bombay Stock Exchange (BSE) and National Stock Exchange (NSE). Also, Securities and Exchange Board of India (SEBI) registered the company as a broker in these exchanges.

### SBI Cards & Payments Services Ltd. (SBICPSL)

SBICPSL commenced operation during the year 1998-99. It launched its credit card on October 15, 1998 at New Delhi.

## Banking Subsidiary

### SBI Commercial and International Bank Ltd. (SBICI)

At end-March 1999, deposits and loans of SBICI stood at Rs.432.76 crores and Rs.256.6 crores respectively. The Bank achieved a capital to risk weighted assets ratio (CRAR) of 28.9%. Its net profit in 1998-99 was Rs.9.81 crores compared to Rs.14.12 crores in the preceding year.



पंजापट्टी शाखा, तमिलनाडु द्वारा वित्तपोषित - एक स्वयं सहायता समूह के सदस्यों की बैठक  
A meeting of the members of a Self-Help Group - financed by Panjapatti Branch, Tamil Nadu



## सहायक प्रणालियाँ

### मानव संसाधन विकास

प्रतिस्पर्धात्मक श्रेष्ठता सिद्ध करने संबंधी अपने प्रयासों में बैंक को बढ़त प्रदान करने की दृष्टि से मानव संसाधन प्रबंधन को एक प्रमुख क्षेत्र माना जाता है। कार्मिक नीतियों के विभिन्न क्षेत्रों की समीक्षा और अनुमोदन करने हेतु कारपोरेट कार्यालय में एक मानव संसाधन समिति की स्थापना की गई है ताकि एक समन्वित प्रबंधन परिदृश्य तैयार किया जा सके। बैंक के मानव संसाधन विकास के दर्शन को ध्यान में रखकर, कर्मचारियों के ज्ञान में वृद्धि करने, उनके कौशल का विकास करने और उनकी अभिवृत्ति में अभिवृद्धि करने के निरन्तर प्रयास किए जा रहे हैं जिससे वे बदलते परिवेश के साथ गति कायम रख सकें। बैंक मानव संसाधन विकास और प्रशिक्षण कार्य को अपनी व्यवसाय कार्यनीतियों के अनुरूप ढालने की दिशा में कार्य कर रहा है। तदनुसार भूमिकाओं एवं उनकी संबद्धताओं पर ध्यान केन्द्रित करके नये कार्यक्रम तैयार किए गए जिससे बैंक के कार्याधिकारियों की सामर्थ्य में वृद्धि की जा सके।

### औद्योगिक संबंध

औद्योगिक संबंध के क्षेत्र में बैंक का लक्ष्य एक सहयोगात्मक संस्कृति विकसित करना है और परिवारों का निवारण संयुक्त समझौता वार्ताओं के माध्यम से करना है। वेतन पुनरीक्षण से संबंधित कतिपय उद्योग स्तरीय हड़तालों को छोड़कर, वर्ष के दौरान औद्योगिक संबंध शान्तिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण रहे।

### अंतरराष्ट्रीय परामर्श

बैंक को कई अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में पैनलबद्ध किया गया है। इस वर्ष अफ्रीकन डेवलपमेंट बैंक के पैनल में बैंक जुड़ा। बैंकिंग एण्ड फाइनेंस



न्यूयार्क में एन.टी.पी.सी. के लिए समूहित विदेशी मुद्रा ऋण (120 मिलियन अमरीकी डालर) हेतु - बैंक की ओर से हस्ताक्षर किए जाने का दृश्य

Signing ceremony at New York of a syndicated foreign currency loan (USD 120 million) arranged by the Bank for NTPC

एकेडमी (उजबेकिस्तान गणराज्य) और डेल्टा बैंक (मारीशस) के अधिकारियों के लिए भारत में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। बैंक ने ईकनामिक डेवलपमेंट इन्स्टिट्यूट आफ दि वर्ल्ड बैंक के तत्वावधान में बैंकों, वित्तीय संस्थाओं और भारत तथा पड़ोसी देशों के सरकारी अधिकारियों के लिए "आधारिक सुविधा परियोजना वित्तपोषण" विषय पर एक कार्यक्रम भी आयोजित किया।

### निरीक्षण एवं लेखा-परीक्षा

वर्ष के दौरान 5,206 देशीय कार्यालयों, 17 विदेशी कार्यालयों तथा तीन अनुषंगियों के परिचालनों की निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा प्रणाली के माध्यम से समीक्षा की गई। इस कार्य का उद्देश्य प्रणालियों एवं कार्यविधियों के अनुपालन, आस्तियों एवं देयताओं की गुणवत्ता एवं उनके मूल्य तथा सांविधिक एवं विनियमन आवश्यकताओं के अनुपालन का सत्यापन करना था। बैंक ने भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा आंतरिक नियंत्रण तथा निरीक्षण एवं लेखा-परीक्षा प्रणालियों की समीक्षा हेतु गठित कार्यकारी समूह द्वारा की गई सभी 25 अनिवार्य संस्तुतियाँ लागू कर दी हैं।

बैंक के कार्यालयों में संरचना, प्रणालियों, कार्यनीतियों, प्रबंधन एवं निष्पादन की प्रभावकारिता की परीक्षा करने के लिए इस वर्ष आठ मंडलों, केन्द्रीय कार्यालय के चार विभागों तथा बैंक की प्रशिक्षण प्रणाली की प्रबंधन लेखा-परीक्षा करायी गई।

### राजभाषा

राजभाषा नीति से संबंधित सांविधिक आवश्यकताओं की पूर्ति करने हेतु कई प्रशिक्षण कार्यक्रम /कार्यशालाएं/संगोष्ठियाँ आयोजित की गईं। बैंक ने कम्प्यूटरों पर हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए एक विन्डो आधारित साफ्टवेयर को अंतिम रूप दिया। बैंक की टोरन्टो (कनाडा) शाखा, वर्ष के दौरान अपने पत्राचार में हिन्दी साफ्टवेयर का प्रयोग करने वाली विदेश स्थित पहली शाखा बन गई।

### सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग

#### देशीय कार्यालय

461 और शाखाओं के जुड़ने से बैंक की कंप्यूटरीकृत शाखाओं की संख्या बढ़कर 1,708 तक पहुँच गई। इन कंप्यूटरीकृत शाखाओं के अंतर्गत बैंक की कुल जमा राशियों का 53 प्रतिशत और कुल अग्रिमों का 67 प्रतिशत भाग आता है। अतिरिक्त कंप्यूटरीकृत शाखाओं में वाई 2 के प्रभावित 140 शाखाओं के बैंक मास्टर प्लेटफार्म में बैंक आफिस प्रणालियों का वाई 2 अनुपालक बदलाव किया जाना शामिल है। मूल्य योजित ग्राहक-सेवा प्रदान करने के लिए बंगलूर, मुंबई तथा नागपुर स्थित तीन प्रायोगिक केन्द्रों के फोकल प्वाइंट संसाधन केन्द्रों को केन्द्रीकृत डाटाबेस से जोड़ने का

## Support Systems

### Human Resources Development

Human resource management is identified as a key area providing the cutting edge to the Bank in its endeavour towards competitive excellence. The Human Resources Committee in the corporate office is in place for reviewing and approving various areas of personnel policies in order to bring about an integrated management perspective. In keeping with the HRD philosophy of the Bank, continuous efforts are being made to enhance knowledge, develop skills and reorient attitude of the employees to keep pace with the changing environment. The Bank is working towards aligning HRD and the training function with its business strategies. Accordingly, new training programmes were designed with focus on roles and their linkages so as to improve the efficacy of the Bank's functionaries.

### Industrial Relations

In the area of industrial relations, the Bank aims at developing a collaborative culture and resolving disputes through joint negotiated settlements. Industrial relations, during the year, remained peaceful and cordial, barring a few industry-level strikes for settlement of wage revision.

### International Consultancy

The Bank is empanelled with several international institutions. This year's addition was the African Development Bank. Training programmes were organised in India for officers from Banking and Finance Academy (Republic of Uzbekistan) and Delphis Bank (Mauritius). The Bank also organised a programme on "Infrastructure Project Finance" conducted by the Economic Development Institute of the World Bank for banks, financial institutions (FIs) and government officials from India and neighbouring countries.

### Inspection and Audit

During the year, the operations of 5,206 domestic offices, 17 foreign offices and three subsidiaries were reviewed through the process of inspection and audit. The objective of the exercise was to verify adherence to the systems and procedures, quality and value of assets and liabilities, and compliance with statutory and regulatory

requirements. The Bank has implemented all the 25 mandatory recommendations of the Working Group set up by the RBI to review the internal control, and inspection and audit systems.

Management Audit, which examines the effectiveness of structure, systems, strategies, management and performance of the Bank, covered eight Circles, four Central Office Departments and the Bank's training system during the year.

### Official Language

In order to meet the statutory requirements relating to the official language policy, a number of training programmes/workshops/seminars were conducted. The Bank finalised a Window-based Software to increase the use of Hindi on computers. The Bank's Toronto Branch (Canada) became the first foreign office to use Hindi software in its correspondence during the year.

### Use of Information Technology

#### Domestic Offices

With the addition of 461 branches, the Bank's total number of computerised branches went up to 1,708. These computerised branches covered 53% of the aggregate deposits and 67% of the total advances of the Bank. The additional computerised branches included conversion of Y2K affected back office systems at 140 branches to Y2K compliant Bankmaster platform. Networking through focal



संगमरुत में शिल्प - विशेष शाखा, जयपुर द्वारा वित्तपोषित एक इकाई  
Craftsmanship in marble - a unit financed by Jaipur Special Branch

नेटवर्किंग कार्य प्रारंभ किया गया. प्रायोगिक आधार पर मुंबई की तीन पूर्णतः कंप्यूटरकृत शाखाओं पर टेलीबैंकिंग सुविधा शुरू की गई.

स्विफ्ट नेटवर्क के अंतर्गत 21 और शाखाएं जुड़ने के साथ ही मार्च 1999 के अंत में देशीय शाखाओं की कुल संख्या 115 तक पहुँच गई. वर्ष के दौरान "कभी भी कहीं भी बैंकिंग" सेवा प्रदान करने की दृष्टि से देश भर में वर्तमान एवं भावी स्वचालित टेलर मशीनों का नेटवर्क फैलाने की एक योजना प्रारंभ की गई. नकदी प्रबंधन सेवाएं प्रदान करने वाली 70 महत्वपूर्ण शाखाओं को वी-सेट नेटवर्क में शामिल किया गया तथा अंतर शाखा/अंतर कार्यालय डाटा संप्रेषित करनेवाले एस बी आई डाटानेट में 983 शाखाओं को शामिल किया गया. सीमा शुल्क लेनदेनों की व्यवस्था करनेवाली इलेक्ट्रॉनिक डाटा इंटरचेंज परियोजना मुंबई स्थित न्हावा शेवा बंदरगाह शाखा और बंगलूर, मुंबई तथा चेन्नई स्थित अन्तरराष्ट्रीय एयर कार्गो काम्पलेक्स शाखाओं में लागू की गई.

### विदेश स्थित कार्यालय

वर्ष के दौरान माले स्थित कार्यालय में बैंक मास्टर साफ्टवेयर संस्थापित किया गया जिससे इस प्रकार के कार्यालयों की संख्या बढ़कर 11 हो गई. बैंक के शिकागो कार्यालय एवं एस बी आई (कनाडा स्थित) टोरंटो कार्यालय में व्यापार वित्त हेतु आइबीएस नेट संस्थापित किए जाने के साथ ही इस प्रकार के कार्यालयों की संख्या बढ़कर नौ हो गई. अंतर बैंक संप्रेषण एवं वित्तीय निपटानों की प्रणाली "स्विफ्ट" में बैंक के 17 कार्यालय शामिल किए गए. ओसाका कार्यालय इसमें शामिल किया जाने वाला नवीनतम कार्यालय है. यूरो का प्रचलन होने के बाद बैंक के यूरोप स्थित कार्यालयों एवं अन्य विदेश व्यापार केन्द्रों को इस मुद्रा में सभी प्रकार के लेनदेन करने हेतु तकनीकी रूप से सुसज्जित किया गया.

बैंक के छह प्रमुख विदेश व्यापार कार्यालयों को मुंबई स्थित अंतरराष्ट्रीय प्रभाग एवं कलकत्ता स्थित विदेश विभाग से आपस में जोड़ने के लिए एक उच्च गतिवाले वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क स्थापित किए जाने की योजना प्रक्रियाधीन है. यह नेटवर्क इन कार्यालयों के नेटवर्क के माध्यम

से डाटा सूचना एवं वाइस की सतत सक्रिय सहभागिता (आन-लाइन शेयरिंग) एवं अंतरण अनुमत करेगा.

### प्रबंधन सूचना प्रणाली

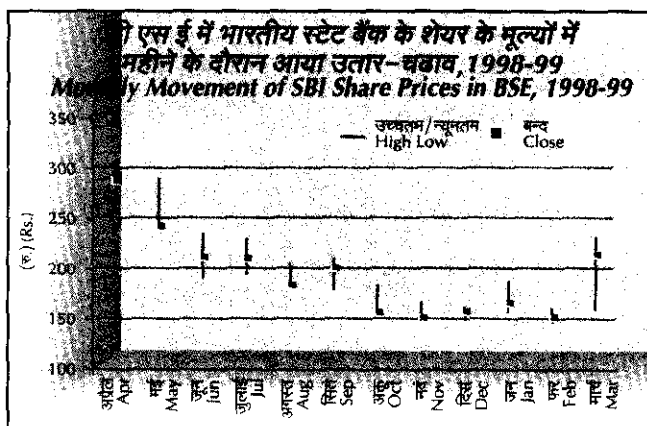
बैंक की प्रबंधन सूचना प्रणाली (एम आई एस) का उद्देश्य प्रबंधन वर्ग को आधुनिक सूचना प्रौद्योगिकी की सहायता से समय पर सही सूचना उपलब्ध कराना है. वर्ष के दौरान विभिन्न रिपोर्टों/विवरणियों में प्रस्तुत अग्रिम संबंधी आंकड़ों को सुगमता से उपलब्ध कराने हेतु ऋण एवं अग्रिमों के लिए संशोधित प्रबंधन सूचना प्रणाली (एम आई एस एल ए) लागू की गई. वर्ष के दौरान बैंक ने ओरेकल रिलेशनल डाटाबेस मैनेजमेंट सिस्टम का अधिग्रहण करके वेयरहाउसिंग व डाटामाइनिंग के माध्यम से सूचना प्रबंधन को सुधारने हेतु प्रमुख कदम उठाया. वर्ष के दौरान व्यवसाय निष्पादन की मासिक रिपोर्टें तैयार करने के लिए बैंक मास्टर की तरह एम आई एस माड्यूल तथा नियंत्रकों के लिए कार्यपालक सूचना प्रणाली जैसे बहुत से ग्राहकोपयोगी साफ्टवेयर विकसित किये गए.

### वाई 2 के, का अनुपालन

मार्च 1999 तक वाई 2 के से जुड़ी समस्याओं के समाधान हेतु समयबद्ध कार्ययोजना तैयार की गई थी तथा इसकी प्रगति की निगरानी उच्चाधिकार प्राप्त वाई 2 के निगरानी समिति द्वारा केन्द्रीय कार्यालय स्तर पर एवं मण्डल स्तर पर की गई. वाई 2 के से प्रभावित होने वाली सामग्री की सूची संकलित कर ली गई थी तथा जहां आवश्यक था हार्डवेयर एवं एप्लीकेशन प्रोग्राम का उन्नयन करा लिया गया था. बैंक ने मार्च 1999 के अंत तक 95 प्रतिशत कम्प्यूटर तंत्र को "वाई 2 के" अनुपालक बना लिया. इसके सुधार पर लगभग 50 करोड़ रुपये खर्च होने की संभावना है जिसमें हार्डवेयर का क्रय/बदलाव करने तथा साफ्टवेयर का खर्च भी शामिल है. वाई 2 के पर मार्च 1999 के अंत तक 32.64 करोड़ रुपये खर्च हुए. शेष कम्प्यूटर प्रणाली को जून 1999 के अंत तक वाई 2 के अनुपालक बना लिए जाने की संभावना है. सभी महत्वपूर्ण प्रणालियों का वाई 2 के प्रणाली के अनुपालन की दृष्टि से परीक्षण कर लिया गया है. इस बारे में एक आकस्मिक योजना तैयार की गई है ताकि वाई 2 के समस्या के कारण कम्प्यूटर तंत्र में खराबी आने / इसके फेल हो जाने पर इसे अविरत रूप से चालू रखना सुनिश्चित किया जा सके.

### स्टेट बैंक के शेयर एवं बाण्ड

बैंक के शेयर और बाण्ड, बम्बई शेयर बाजार (बी एस ई) तथा नई दिल्ली, कलकत्ता, चेन्नई और अहमदाबाद के शेयर बाजारों में सूचीबद्ध किए गए हैं. राष्ट्रीय शेयर बाजार (एन एस ई) की सूची में केवल शेयर ही सूचीबद्ध हैं. बैंक का शेयर, शेयर बाजार में सबसे अधिक बेचे तथा खरीदे जानेवाले शेयरों में से एक है तथा बी एस ई सेनसेक्स में एस बी आई शेयर का अंश 5.65 प्रतिशत और एस एन्ड पी सी एन एक्स निफ्टी (एन एस ई) में 4.89 प्रतिशत है. वर्ष के दौरान बी एस ई में बैंक के बाण्ड का व्यापार



point processing centres with centralised database to provide value-added customer service, was launched at three pilot centres at Bangalore, Mumbai and Nagpur. Tele-banking facilities were extended at three fully computerised branches in Mumbai on an experimental basis.

With the addition of 21 more branches, a total of 115 domestic branches were covered under the Swift network at March-end 1999. During the year, a project to create a countrywide network of existing and future ATMs to provide 'anytime anywhere banking' was launched. VSAT network covered 70 critical branches rendering cash-management services and SBI Datanet, used for inter branch/inter office data transmission, covered 983 branches. Electronic Data Interchange project for handling customs transactions were implemented at the Nava Sheva Port Branch and the International Air Cargo Complex branches at Mumbai, Bangalore and Chennai.

### Foreign Offices

During the year, the Bankmaster Software was installed in Male office taking the number of such offices to 11. With the installation of IBSnet for trade finance at the Bank's Chicago office and SBI (Canada)'s Toronto office, the number of such offices went up to nine. The SWIFT system for inter-bank communication and financial settlements covered the Bank's 17 offices, the latest inclusion being the Osaka office. With the introduction of Euro, the Bank's offices in Europe and other overseas centres were technologically equipped to handle all transactions in the currency.

A plan to establish a high-speed Virtual Private Network, inter-linking six of its major overseas offices with the International Division in Mumbai and with the Foreign Department in Calcutta is in the pipeline. This network will allow on-line sharing and transfer of data, information and voice through the network among these offices.

### Management Information System

The Bank's Management Information System (MIS) aims at providing timely and accurate information to the management with the help of advanced information technology. A modified Management Information System for Loans and Advances was introduced during the year to facilitate the flow of advances-related data presented

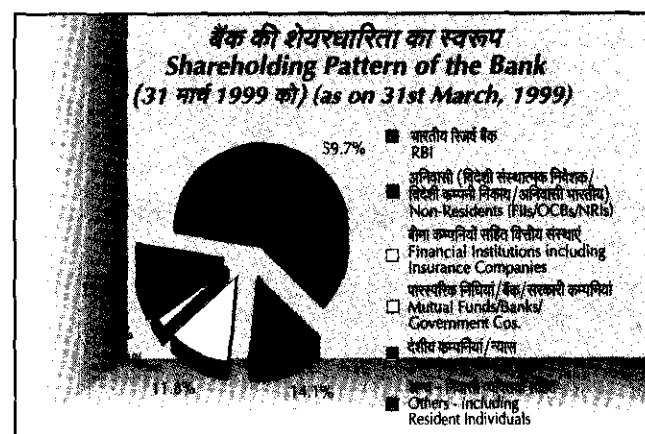
in different periodic reports/returns. The Bank took a major step towards improving the information management through data warehousing and data mining by acquiring Oracle Relational Database Management Systems during the year. Several user-friendly software, such as, Executive Information Systems for Controllers and MIS module created around Bankmaster for generation of monthly reports on business performance were also developed during the year.

### Y2K Compliance

A time bound action plan to resolve Y2K issues by March 1999 was formulated and its progress monitored by high powered Y2K monitoring committees at the apex level and at Circle levels of the Bank. Inventory of Y2K affected systems was compiled and hardware and application programmes were upgraded, wherever necessary. The Bank achieved 95% Y2K compliance by end-March 1999. The cost of remediation, which includes hardware purchases/replacements and software costs, is estimated at Rs.50 crores. The expenditure on Y2K up to March 1999 was Rs.32.64 crores. The remaining systems are expected to be made Y2K compliant by end-June 1999. All critical systems have been tested for Y2K compliance. A contingency plan has been put in place to ensure business continuity of normal operations in the event of system breakdown/failure due to the Y2K problem.

### SBI's Shares and Bonds

The Bank's shares and bonds are listed in the BSE and the stock exchanges in New Delhi, Calcutta, Chennai and Ahmedabad. At the NSE, only the shares are listed. As one of the top traded scrips in the stock exchanges, the market capitalisation of the SBI shares carry a weightage



प्रीमियम पर किया गया। भारतीय कारपोरेटों द्वारा जारी दूसरे जी डी आर की तुलना में इस वर्ष लंदन में दर्ज बैंक के जी डी आर का निष्पादन बेहतर रहा। कागज रहित बैंक के शेयर का व्यापार करने हेतु प्रतिभूति सेवा शाखा मुंबई को सेबी के यहां अमानतदार सहभागी के रूप में पंजीकृत किया गया है।

### सतर्कता

वर्ष के दौरान बैंक ने निवारक सतर्कता पर 41 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए तथा प्रचलित अनुदेशों, प्रणालियों व कार्यविधियों के कड़ाई से अनुपालन पर बल दिया।

### प्रणालियां और कार्यविधियां

वर्ष के दौरान बैंक की प्रणालियों व कार्यविधियों की समीक्षा की गई तथा इसके कार्य में हर दृष्टि से सुधार लाने हेतु तेजी से प्रयास किये गए। ग्राहक सेवा सुधारने, परिचालन दक्षता बढ़ाने तथा प्रणालीगत उपायों के

माध्यम से परिचालन लागत कम करने हेतु उपाय किए गए। आधुनिकतम प्रौद्योगिकी को लागू करने हेतु कदम उठाए गए। वर्ष के दौरान शाखाओं में कंप्यूटर से ड्राफ्ट जारी करने की शुरुआत की गई। बैंक में इमेजिंग, डाटा भंडारण एवं डाटा माइनिंग, जैसे रिकार्ड रखने एवं डाटा प्रबंधन की आधुनिक तकनीकों के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए तथा रेकार्डों को रखने के संबंध में नीति निर्धारित की गई।

### केन्द्रीय बोर्ड की बैठकें

वर्ष के दौरान, केन्द्रीय बोर्ड की 8 बैठकें आयोजित की गईं। इनमें से 7 मुंबई में तथा एक कलकत्ता में आयोजित की गईं।

केन्द्रीय निदेशक बोर्ड के लिए  
और उनकी ओर से

जी. जी. वैद्य  
अध्यक्ष

दिनांक : 24 जून, 1999

Report  junction.com



of 5.65% in BSE Sensex and 4.89% in S&P CNX Nifty (NSE). The Bank's bonds were traded at premium at the BSE during the year. The Bank's Global Depository Receipts (GDRs), listed in the London Stock Exchange, performed well during the year, in comparison to the other GDRs issued by the Indian corporates. For facilitating trading of the Bank's shares in the dematerialised form, Securities Services Branch, Mumbai is registered as a Depository Participant with the SEBI.

### **Vigilance**

During the year, the Bank organised 41 training programmes on preventive vigilance, emphasising meticulous compliance with extant instructions, systems and procedures.

### **Systems and Procedures**

The systems and procedures in the Bank were reviewed during the year and geared to bring about an

improvement in all aspects of its working. Measures were taken to improve customer service, increase operating efficiency and reduce operating costs through systems intervention. Steps were taken to introduce state-of-the-art technology. The year witnessed the launch of computerised issue of drafts by the branches. A policy on records retention was formulated to herald the use of latest technique of record and data management in the Bank, such as, imaging, data warehousing and data mining.

### **Meetings of the Central Board**

During the year, eight meetings of the Central Board were held, seven at Mumbai and one at Calcutta.

For and on behalf of the  
Central Board of Directors

G.G.Vaidya  
Chairman

June 24, 1999



## भारतीय स्टेट बैंक का 31 मार्च 1999 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र

### प्रमुख लेखा नीतियां

#### 1. सामान्य

इसके साथ संलग्न वित्तीय विवरण अवधिगत लागत आधार पर तैयार किए गए हैं तथा वे भारत में स्थित कार्यालयों के संबंध में भारत में विद्यमान, एवं विदेश स्थित कार्यालयों के संबंध में विभिन्न देशों में विद्यमान सांविधिक प्रावधानों एवं प्रथाओं के अनुरूप हैं।

#### 2. विदेशी मुद्रा से जुड़े लेनदेन

- 2.1 विदेश स्थित कार्यालयों की आय और व्यय की मदों को तथा विदेशी मुद्रा में आस्तियों और देयताओं को वर्ष की समाप्ति के समय प्रचलित विनिमय दरों पर परिवर्तित कर दिया गया है।
- 2.2 लम्बित वायदा संविदा के लाभ या हानि को लेखों में ले लिया गया है।
- 2.3 मुद्रा विनिमय ब्याज अंतरपणन पर उपचित आय और व्यय को ब्याज आय/व्यय के रूप में लेखों में लिया गया है।

#### 3. निवेश

- 3.1 सरकारी और अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में निवेशों का वर्गीकरण भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा-निर्देशों के अनुसार 'स्थायी' और 'चालू' श्रेणियों के अंतर्गत किया गया है। (ऐसे सभी निवेश को 'चालू' श्रेणी में है)।
- 3.2 नीचे अनुच्छेद 3.3 के अंतर्गत बताए गए परिशोधन के अधीन 'स्थायी' श्रेणी में वर्गीकृत सरकारी और अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में निवेश को लागत मूल्य पर लेखों में लिया गया है क्योंकि ये प्रतिभूतियाँ परिपक्वता अवधि तक रखी जानी हैं।
- 3.3 जहाँ 'स्थायी' श्रेणी में लागत मूल्य प्रतिभूतियों के अंकित मूल्य (प्रतिदेय मूल्य) से अधिक है, अतिरिक्त राशि प्रतिभूति की शेष परिपक्वता अवधि पर परिशोधित कर दी गई है। जहाँ लागत मूल्य अंकित मूल्य (प्रतिदेय मूल्य) से कम है, अंतर की उपेक्षा की गई है।
- 3.4 'चालू' श्रेणी के अंतर्गत वर्गीकृत सरकारी एवं अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों और अधिकृत प्रतिभूतियों में निवेश, जहाँ बाजार भाव उपलब्ध हैं, वर्ष की समाप्ति पर लागत मूल्य या बाजार मूल्य पर, इनमें से जो भी कम हो, लेखों में लिए गए हैं।
- 3.5 ऐसे मामलों को छोड़कर जिन पर लागत के मूल्यांकन के लिए भारि.बैं. का अनुमोदन प्राप्त कर लिया गया है, 'चालू' श्रेणी के अंतर्गत वर्गीकृत सरकारी एवं अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों और दूसरी अधिकृत प्रतिभूतियों में निवेश, जहाँ बाजार भाव उपलब्ध नहीं है, उनका मूल्यांकन (भारि.बैं. के दिशा-निर्देशों के अनुसार निकाले गए) लागत मूल्य या अनुमानित वसूली मूल्य पर इनमें से जो भी कम हो, किया गया है। भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा-निर्देशों के अनुसार राजकोषीय बिलों का धारित मूल्य लगाया गया है। ऐसे डिबेंचरों का जहाँ दो से अधिक तिमाहियों के लिए ब्याज नहीं दिया गया है, अग्रिमों हेतु आय निर्धारण एवं अस्ति वर्गीकरण मानकों के अनुसार मूल्य लगाया जा रहा है।
- 3.6 भारत और विदेश दोनों ही स्थानों की समनुषंगियों एवं संयुक्त उद्यमों में निवेश अवधिगत लागत आधार पर, यदि कोई प्रावधान हो, तो उसे घटाकर लिए गए हैं।
- 3.7 पिछली लेखा अवधि तक क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों द्वारा उठाई गई हानि के लिए किए प्रावधानों को घटाकर, भारतीय स्टेट बैंक के निवेश की राशि तक सीमित रखते हुए, उसी अवधि तक क्षेत्रीय-ग्रामीण बैंकों में किए गए निवेशों को लेखों में लिया गया है।
- 3.8 अंशदानों पर प्राप्त दलाली/कमीशन को प्रतिभूतियों की लागत में से घटा दिया गया है। प्रतिभूतियों के अधिग्रहण के संबंध में संदत दलाली, कमीशन, स्टाम्प शुल्क को राजस्व व्ययों के रूप में माना गया है।

#### 4. अग्रिम

भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा-निर्देशों/निर्देशों के अनुसार अग्रिमों के लिए प्रावधान निम्न प्रकार से किए गए हैं :

##### 4.1 भारतीय कार्यालय

- 4.1.1 सभी अग्रिमों का वर्गीकरण चार श्रेणियों में किया गया है, अर्थात् (क) मानक आस्तियां, (ख) अर्ध-मानक आस्तियां, (ग) संदिग्ध आस्तियां तथा (घ) हानिकर आस्तियां।
- 4.1.2 अलाभकारी आस्तियों (एनपीए) पर वसूल न किए गए ब्याज को घटाकर, सभी बकाया राशियों के लिए प्रावधान निम्न प्रकार किए गए हैं :
  - (क) अर्ध-मानक आस्तियों के लिए बकाया राशियों के 10 प्रतिशत तक।
  - (ख) निर्यात प्रत्यक्ष गारंटी निगम (ई सी जी सी) की योजनाओं के अंतर्गत गारंटी प्रावधान को प्रतिधारण योग्य अथवा वसूली योग्य राशि, यदि कोई हो, और वे दावे जिनकी गणना निक्षेप बीमा और प्रत्यक्ष गारंटी निगम के अंतर्गत की गई है, घटाने के बाद संदिग्ध आस्तियों के लिए खाता जितने वर्षों तक संदिग्ध आस्ति के रूप में रहा, उतने वर्षों की संख्या (अर्थात् एक वर्ष, एक से तीन वर्ष और तीन वर्षों से अधिक) के आधार पर प्रतिभूत भाग के क्रमशः 20/30/50 प्रतिशत और बकाया राशियों के अप्रतिभूत भाग का शत-प्रतिशत।
  - (ग) हानिकर आस्तियों की बकाया राशियों का शत-प्रतिशत।
- 4.1.3 वर्ष के दौरान जो अग्रिम अलाभकारी आस्तियां हो गए, उन पर गत वर्ष के वसूल न किए गए ब्याज के लिए प्रावधान किया गया है।

### PRINCIPAL ACCOUNTING POLICIES

#### 1. General

The accompanying financial statements are prepared on the historical cost basis and conform to the statutory provisions and practices prevailing in India in respect of Indian offices and in various foreign countries in respect of foreign offices.

#### 2. Transactions involving foreign exchange

- 2.1 Items of income and expenditure in respect of foreign offices and assets and liabilities in foreign currencies are converted at the rate of exchange prevailing at the close of the year.
- 2.2 Profit or loss on pending forward contracts are accounted for.
- 2.3 On interest arbitrage currency swaps, the accrued income and expenditure are accounted for as interest income/expenditure.

#### 3. Investments

- 3.1 Investments in Government and other approved securities are classified under 'Permanent' and 'Current' categories in terms of Reserve Bank of India (RBI) guidelines. (All such investments are in the 'Current Category').
- 3.2 Investments in Government and other approved securities classified as 'Permanent' are accounted for at cost (subject to amortisation detailed under paragraph 3.3 below) as these securities are intended to be held till maturity.
- 3.3 Where the cost price is higher than the face value (redemption value) of securities in the 'Permanent' category, the excess is amortised over the remaining period of maturity of the security. Where the cost price is less than the face value (redemption value), the difference is ignored.
- 3.4 Investments in Government and other approved securities classified as 'Current' and other authorised securities, wherever market quotations are available, are accounted for at lower of cost or market value as at the close of the year.
- 3.5 Investments in Government and other approved securities classified as 'Current' and other authorised securities where market quotations are not available are valued at cost or estimated realisable value (worked out as per RBI guidelines), whichever is less except in certain cases where RBI approval has been obtained for valuing at cost. Treasury Bills are valued at carrying cost as per RBI guidelines. Debentures where interest is not serviced for more than two quarters are being valued as per Income Recognition and Asset Classification (IRAC) norms for advances.
- 3.6 Investments in subsidiaries and joint ventures (both in India and abroad) are valued at historical cost after netting off provisions, if any.
- 3.7 Investments in Regional Rural Banks (RRBs) are accounted for after netting off the provisions held on account of losses incurred by RRBs up to the previous accounting period restricted to amount of SBI's investment up to that period.
- 3.8 Brokerage/commission received on subscriptions have been deducted from the cost of securities. Brokerage, commission, stamp duty paid in connection with acquisition of securities have been treated as revenue expenses.

#### 4. Advances

Provisions on advances have been arrived at in accordance with RBI guidelines/directives as under:

##### 4.1 Indian Offices

- 4.1.1 All advances are classified under four categories i.e. (a) Standard Assets, (b) Sub-standard Assets, (c) Doubtful Assets and (d) Loss Assets.
- 4.1.2 Provisions are arrived on all outstandings net of interest not realised on Non-Performing Assets (NPAs), as under :
  - (a) Sub-standard Assets at 10% of the outstandings.
  - (b) Doubtful Assets at 20%/30%/50% of the secured portion based on the number of years the account remained as 'Doubtful Asset' (i.e. up to one year, one to three years and more than three years respectively) and at 100% of the unsecured portion of the outstandings after netting retainable or realisable amount of the guarantee cover under the schemes of Export Credit Guarantee Corporation (ECGC), if any, and claims which have been reckoned under Deposit Insurance and Credit Guarantee Corporation (DI & CGC).
  - (c) Loss Assets at 100% of the outstandings.

## Balance Sheet of the State Bank of India as on 31st March 1999

- 4.2. विदेश स्थित कार्यालय**
- 4.2.1 प्रावधान करने के लिए इन अग्रिमों का चार श्रेणियों में उसी प्रकार वर्गीकरण किया गया है जैसा भारत स्थित कार्यालयों के सम्बन्ध में किया गया है।
- 4.2.2 स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार या भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा भारत स्थित कार्यालयों के लिए निर्धारित मानदंडों के अनुसार, इनमें से जो भी अधिक हों, प्रावधान किए गए हैं।
- 4.3 अग्रिमों के संबंध में किए गए प्रावधान को तथा अलाभकारी आस्तियों पर वसूल न किए गए ब्याज को कुल अग्रिमों में से घटाया गया है।
- 5. अचल आस्तियां**
- 5.1 परिसर एवं अन्य अचल आस्तियों को अवधिगत लागत के आधार पर लेखे में लिया गया है।
- 5.2 मूल्य-ह्रास का प्रावधान ह्रासित मूल्य प्रणाली के अनुसार आयकर नियम, 1962 के अन्तर्गत निर्धारित दरों पर किया गया है। पट्टा-आस्तियों के सम्बन्ध में मूल्य-ह्रास का प्रावधान पूंजी वसूली प्रणाली के अनुसार किया गया है।
- 5.3 पट्टे पर दी गई आस्तियों का मूल्य और पट्टे पर दी जाने वाली आस्तियों पर अग्रिमों के रूप में संदत्त राशियों को क्रमशः "पट्टाकृत आस्तियों" और "चल रहे पूंजीगत कार्य (पट्टाकृत आस्तियां)" के रूप में अचल आस्तियों के अंतर्गत दर्शाया गया है। अलाभकारी पट्टाकृत आस्तियों पर प्रावधान, भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा-निर्देशों के अनुसार अग्रिमों के लिए लागू आय निर्धारण और आस्ति वर्गीकरण मानदंडों के अनुसार किए गए हैं।
- 5.4 पट्टे पर लिए गए परिसरों के संबंध में, पट्टे की संदत्त राशि को पट्टे की अवधि के अनुरूप परिशोधित किया गया है।
- 5.5 विदेश स्थित कार्यालयों में धारित अचल आस्तियों पर मूल्य-ह्रास स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार किया गया है।
- 6. राजस्व अभिज्ञान**
- 6.1 भारतीय कार्यालय**
- निम्नांकित मामलों को छोड़कर, आय एवं व्यय को उपचित आधार पर लेखे में लिया गया है :
- 6.1.1 भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा-निर्देशों के अनुसार अलाभकारी आस्तियों पर ब्याज और पट्टे से आय का अभिज्ञान वसूली आधार पर किया जाता है।
- 6.1.2 भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा-निर्देशों के अनुसार सरकारी गारंटी रहित प्रतिभूतियों पर पिछली दो तिमाहियों के लिए अतिदेय ब्याज का अभिज्ञान वसूली आधार पर किया गया है।
- 6.1.3 कमीशन (आस्थगित भुगतान गारंटी एवं सरकारी लेन-देन पर कमीशन के अतिरिक्त) विनिमय एवं दलाली का अभिज्ञान वसूली आधार पर किया जाता है।
- 6.1.4 भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा-निर्देशों के अनुसार अतिदेय बिलों पर ब्याज का अभिज्ञान वसूली आधार पर किया जाता है।
- 6.1.5 अवकाश नगदीकरण को भुगतान आधार पर लेखे में लिया जाता है।
- 6.2 विदेश स्थित कार्यालय**
- संबंधित देश के स्थानीय कानूनों के अनुसार आय का अभिज्ञान किया गया है।
- 7. स्टाफ हित-लाभ**
- वर्ष की समाप्ति पर ग्रेच्युटी के वास्तविक मूल्यांकन के लिए, स्टाफ हेतु उपचय आधार पर पेंशन राशि के लिए तथा सांविधिक अपेक्षाओं के आधार पर बोनस के लिए प्रावधान किए गए हैं। ग्रेच्युटी/पेंशन के लिए पृथक् निधियाँ स्थापित की गई हैं।
- 8. निवल लाभ**
- निवल लाभ निम्नलिखित प्रकार से निकाला गया है :
- 8.1 सांविधिक अपेक्षाओं के अनुरूप आयकर, संपत्ति कर, तथा ब्याज कर के प्रति प्रावधान करने के पश्चात्,
- 8.2 अग्रिमों के प्रति प्रावधान करने के पश्चात्,
- 8.3 निवेशों के मूल्यों को समायोजित करने के पश्चात्,
- 8.4 आकस्मिक निधियों में अंतरण करने के पश्चात्,
- 8.5 अन्य सामान्य एवं आवश्यक प्रावधान करने के पश्चात्.
9. आकस्मिक निधियों को तुलन पत्र में 'अन्य दायित्व और उपबंध' शीर्षक के अंतर्गत समूहित किया जाता है।
- 4.1.3 Unrealised Interest of the Previous Year on advances which became non-performing during the year is provided for.
- 4.2 Foreign Offices**
- 4.2.1 The advances are classified under four categories in line with Indian Offices for arriving at the provisions.
- 4.2.2 Provisions are made as per the local requirements or as per Reserve Bank of India norms fixed for Indian Offices, whichever is higher.
- 4.3 Provisions in respect of advances and interest not realised on NPAs are deducted from total advances.
- 5. Fixed Assets**
- 5.1 Premises and other fixed assets are accounted for on the historical cost basis.
- 5.2 Depreciation is provided for on written down value method at the rates prescribed under Income Tax Rules, 1962. In respect of leased assets, depreciation is provided for on capital recovery method.
- 5.3 The value of the assets given on lease and the amounts paid as advance for assets to be given on lease are disclosed as "Leased Assets" and "Capital works-in-progress (Leased Assets)" respectively under fixed assets. Provisions on non-performing leased assets are made on the basis of IRAC norms applicable to advances, as per RBI guidelines.
- 5.4 In respect of lease hold premises, the lease amount paid is being amortised over the period of lease.
- 5.5 In respect of Fixed Assets held in foreign offices, depreciation is provided as per the local requirements.
- 6. Revenue Recognition**
- 6.1 Indian Offices**
- Income and expenditure are accounted on accrual basis except in the following cases :
- 6.1.1 Interest and lease income on Non-Performing Assets is recognised on realisation basis as per RBI guidelines.
- 6.1.2 Interest which remains overdue for 2 quarters on securities not covered by Government guarantee is recognised on realisation basis as per RBI guidelines.
- 6.1.3 Commission [other than on Deferred Payment Guarantees and Government Transactions], exchange and brokerage are recognised on realisation basis.
- 6.1.4 Interest on overdue bills is recognised on realisation basis as per RBI guidelines.
- 6.1.5 Encashment of leave is accounted for on payment basis.
- 6.2 Foreign Offices**
- Income is recognised as per the local laws of the country.
- 7. Staff Benefits**
- Provisions for gratuity on an actuarial valuation as at the year-end, pension benefits to staff on accrual basis and bonus to staff as per statutory requirements have been made. Separate funds for gratuity/pension have been created.
- 8. Net Profit**
- The net profit is arrived at after:
- 8.1 Provisions for income tax, wealth tax and interest tax in accordance with the statutory requirements,
- 8.2 Provisions on advances,
- 8.3 Adjustments to the value of investments,
- 8.4 Transfers to contingency funds,
- 8.5 Other usual and necessary provisions.
9. Contingency funds are grouped in the Balance Sheet under the head "Other Liabilities and Provisions".

भारतीय स्टेट बैंक का 31 मार्च 1999 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र

(000 को छोड़ दिया गया है)

BALANCE SHEET OF THE STATE BANK OF INDIA AS ON 31ST MARCH 1999

(000s omitted)

पूंजी और दायित्व	अनुसूची	31.3.99 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष)	31.3.98 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष)
CAPITAL AND LIABILITIES	Schedule	As on 31.3.99 (current year)	As on 31.3.98 (previous year)
		रु. Rs.	रु. Rs.
पूंजी			
Capital	1	526,29,89	526,29,89
आरक्षितियां और अधिशेष			
Reserves & Surplus	2	9876,00,57	9081,88,00
जमा-राशियां			
Deposits	3	169041,93,37	131091,32,44
उधार			
Borrowings	4	9079,05,86	8093,44,60
अन्य दायित्व और उपबंध			
Other liabilities and provisions	5	33985,72,79	30879,71,96
	जोड़		
	TOTAL	222509,02,48	179672,66,89

आस्तियां	अनुसूची	31.3.99 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष)	31.3.98 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष)
ASSETS	Schedule	As on 31.3.99 (current year)	As on 31.3.98 (previous year)
		रु. Rs.	रु. Rs.
भारतीय रिज़र्व बैंक में नकदी और अतिशेष			
Cash and balances with Reserve Bank of India	6	17392,28,48	13414,56,78
बैंकों में अतिशेष और मांग पर तथा अल्प सूचना पर प्राप्य धन			
Balance with banks and money at call and short notice	7	35820,31,07	19231,25,39
विनिधान			
Investments	8	71286,51,99	54982,23,98
अग्रिम			
Advances	9	82359,84,21	74237,33,19
स्थिर आस्तियां			
Fixed Assets	10	2193,65,57	1506,32,05
अन्य आस्तियां			
Other Assets	11	13456,41,16	16300,95,50
	जोड़		
	TOTAL	222509,02,48	179672,66,89

समाश्रित दायित्व			
Contingent liabilities	12	रु. Rs. 66415,01,18	रु. Rs. 59953,84,15
संग्रहण के लिए बिल			
Bills for collection		रु. Rs. 9265,09,54	रु. Rs. 8646,15,03

**टिप्पणियाँ :**

- विदेशी मुद्रा लेनदेनों तथा वर्ष के अंत में उनके रूपांतरण के संबंध में बैंक इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया के लेखा मानक 11 के बजाय भारतीय विदेशी मुद्रा व्यापारी संघ/भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा-निर्देश जो कि अनिवार्य हैं, का निरंतर पालन कर रहा है।
- चूँकि बैंक का कर्मचारी अपनी सेवा की अवधि के दौरान अपने अनुपयोजित अवकाश का नकदीकरण कर सकता है, अतः उस सीमा तक चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा जारी लेखा मानक 15 लागू नहीं होता है तथा सेवा निवृत्ति के समय, संचित अवकाश के नकदीकरण की सुविधा लेनेवाले कर्मचारियों पर व्यव को भुगतान आधार पर लेखे में लिया जाता है।
- दिनांक 31 मार्च 1999 को समाप्त वर्ष के लिए बैंक का पूंजी पर्याप्तता अनुपात 12.51% रहा (31 मार्च 1998 के लिए 14.58% था)। इस अनुपात का परिकलन भारि.बैं. द्वारा जारी दिशा-निर्देशों/निर्देशों के आधार पर किया गया है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

	31 मार्च 1999	31 मार्च 1998
श्रेणी I पूंजी	9.36%	10.69%
श्रेणी II पूंजी	3.15%	3.89%

- दिनांक 31 मार्च 1999 को निवल अलाभकारी आस्तियों, निवल अग्रियों का 7.18% है (31 मार्च 1998 के लिए 6.07%)।
- लाभ एवं हानि खाते के शीर्ष 'व्यय' के अंतर्गत सम्मिलित "उपबंध और आकस्मिक व्यय" मद का विवरण :

	(रु. हजार में)	(रु. हजार में)
	1998-99	1997-98
क) अयकर के लिए प्रावधान	383,00.00	1001,00.00
ख) अन्य करों के लिए प्रावधान	139,75.00	126,85.00
ग) अलाभकारी आस्तियों के लिए किए गए प्रावधान की राशि	1422,67.63	1151,42.38
घ) भारत में कुल मानक आस्तियों (ऋणों एवं अग्रियों) पर भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा-निर्देशों के प्रावधान	14,00.00	149,00.00
ङ) वेतन पुनरीक्षण हेतु प्रावधान	315,31.00	100,00.00
च) भारत में किए गए निवेशों के मूल्य में मूल्य-ह्रास (ऋण)	13,09.46	964,12.71
छ) विदेश स्थित कार्यालयों के निवेशों के मूल्य में मूल्य-ह्रास	28,37.07	13,55.00
ज) अन्य योग	133,34.37	66,06.73
	2423,35.61	1843,76.40

- वर्ष 1993-94 के दौरान, बैंक ने अपनी श्रेणी - II पूंजी को बढ़ाने के लिए कुल 1000,00.00 हजार रुपये की राशि के अग्रिभूत, प्रतिदेय, गैण, अस्थिर ब्याज दर पर प्रत्येक बाण्ड 1000 रुपये के अंकित मूल्य वाले (एस.बी.आई.बाण्ड) बाण्ड, नकद सममूल्य पर पब्लिक को जारी किए। 31 मार्च 1999 को शेष बचे हुए बाण्डों का अंकित मूल्य रु. 984,07,17 हजार है (31 मार्च 1998 को रु. 987,35,02 हजार था)।

- भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा-निर्देशों के अनुसार अतिरिक्त प्रकटीकरण:

	1998-99	1997-98
कार्यशील निधियों की तुलना में प्रतिशत के रूप में ब्याज आय	8.60%	8.86%
कार्यशील निधियों की तुलना में प्रतिशत के रूप में ब्याजेतर आय	1.48%	1.57%
कार्यशील निधियों की तुलना में प्रतिशत के रूप में प्रचालन लाभ	1.55%	1.96%
आस्तियों पर आय	0.46%	1.04%
प्रति कर्मचारी व्यवसाय (जमा एवं अग्रिम) (रुपये हजार में)	9364	7544
प्रति कर्मचारी लाभ (रुपये हजार में)	43	77

- क) भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा विनिर्दिष्ट न्यूनतम 70% की तुलना में बैंक ने 31 मार्च 1999 को अनुमोदित प्रतिभूतियों में अपने निवेश का 100% (31 मार्च 1998 को 100%) बाजार के लिए चिह्नित किया है।

ख) भारि.बैं. के दिशा निर्देशों के अनुसार: (i) 31 मार्च 1998 को समाप्त वर्ष के लिए निवेशों पर मूल्य-ह्रास हेतु निवल अतिरिक्त प्रावधान को दर्शाने वाली 119,06,96 हजार रुपये की शेष राशि, जो पूंजी आरक्षितता खाते में रखी गई थी, "निवेश विचलन आरक्षितता खाते" में अंतरित कर दी गई है। (ii) वित्तीय वर्ष 1997-98 की समाप्ति पर बैंक द्वारा धारित निवेशों में मूल्य ह्रास हेतु आवश्यक से अधिक किए गए प्रावधान की 13,09,46 हजार रुपये की राशि को 31 मार्च 1999 को "व्यय - उपबंध और आकस्मिक व्यय" शीर्ष के अंतर्गत लाभ और हानि खाते में क्रेडिट की एक मद के रूप में लिया गया है और निवेश विचलन आरक्षितता खाते में 6,80,92 हजार रुपये, कर कटौती हेतु (रु. 4,58,31 हजार) और सांविधिक आरक्षितियों में (रु. 1,70,23 हजार) की राशि विनियोजित की गई है।

- विभिन्न अंतर कार्यालय लेखों का समाधान/समायोजन विभिन्न चरणों में है, बकाया प्रविष्टियों के समाधान के लिए बैंक प्रभावी उपाय कर रहा है। यद्यपि प्रबंधन की राय में समाधान का प्रभाव परिमाणनीय नहीं है, इसलिए यह महत्वपूर्ण नहीं होगा।

- पिछले वर्ष के आंकड़े जहाँ कहीं आवश्यक है, चालू वर्ष के वर्गीकरण के अनुरूप पुनर्संयोजित किए गए हैं।

**NOTES :**

- In respect of Foreign Exchange transactions and their year-end translation, the Bank is consistently following FEDAI/RBI guidelines, which are mandatory, instead of the Accounting Standard 11 of the Institute of Chartered Accountants of India.
- Since employees of the Bank can encash unavailed leave during the period of service, the Accounting Standard 15 issued by the Institute of Chartered Accountants of India does not apply to that extent, and the expenses on employees likely to avail encashment of accumulated leave, if any, at the time of retirement are accounted for on payment basis.
- The Capital Adequacy Ratio of the Bank is 12.51% as at 31st March 1999 (14.58% for 31st March 1998). The ratio, arrived at on the basis of guidelines/directives issued by the RBI, comprises:

	31st March 1999	31st March 1998
Tier I Capital	9.36%	10.69%
Tier II Capital	3.15%	3.89%

- Net NPAs to Net Advances as at 31st March 1999 is 7.18% (6.07% for 31st March 1998).
- Break-up of the item "Provisions and Contingencies" included under the head "Expenditure" of Profit and Loss Account:

	(Rs. in Thousand)	(Rs. in Thousand)
	1998-99	1997-98
a) Provision towards Income Tax	383,00.00	1001,00.00
b) Provision towards other taxes	139,75.00	126,85.00
c) Amount of provision made towards NPAs	1422,67.63	1151,42.38
d) Prudential Provision against total Standard Assets (Loans and Advances) in India, over and above the RBI guidelines	14,00.00	149,00.00
e) Provision for salary revision	315,31.00	100,00.00
f) Depreciation in the value of Investments in India (Credit)	13,09.46	964,12.71
g) Depreciation in the value of Investments in Foreign Offices	28,37.07	13,55.00
h) Others	133,34.37	66,06.73
Total	2423,35.61	1643,76.40

- During 1993-94, the Bank issued to the public unsecured, redeemable, subordinated floating interest rate bonds (SBI Bonds) of the face value of Rs. 1,000/- each for cash at par for an aggregate amount of Rs. 1000,00.00 thousand to augment its Tier II capital. The face value of Bonds outstanding as at 31st March 1999 is Rs. 984,07.17 thousand (Rs. 987,35.02 thousand for 31st March 1998).

- Additional disclosures in terms of RBI Guidelines :

	1998-99	1997-98
Interest Income as a percentage to Working Funds	8.60%	8.86%
Non-Interest Income as a percentage to Working Funds	1.48%	1.57%
Operating Profit as a percentage to Working Funds	1.55%	1.96%
Return on Assets	0.46%	1.04%
Business (Deposits and Advances) per employee (Rs. in Thousand)	9364	7544
Profit per employee (Rs. in Thousand)	43	77

- (a) The Bank has marked to market 100% of its investments in approved securities as at 31st March, 1999 (100% as at 31st March 1998), as against a minimum of 70% prescribed by RBI.

(b) As per the guidelines of RBI: (i) The balance of Rs. 119,06,96 thousand held in Capital Reserve Account, representing the net excess provision towards depreciation on investments for the year ended 31st March 1998, stands transferred to "Investment Fluctuation Reserve Account". (ii) The excess provision for depreciation in investments held by the Bank as at the end of the financial year 1997-98 over the requirement for the same as at 31st March 1999 amounting to Rs. 13,09,46 thousand has been taken to the Profit & Loss Account as a credit item under the head "Expenditure-Provisions & Contingencies" and appropriated to Investment Fluctuation Reserve Account to the extent of Rs. 6,80,92 thousand net of taxes (Rs. 4,58,31 thousand) and Statutory Reserves (Rs. 1,70,23 thousand).

- Reconciliation/adjustment of various Inter-Office Accounts is at different stages. The Bank is taking effective steps in reconciling the outstanding entries. The impact of reconciliation though not quantifiable, in the opinion of the Management, may not be material.

- Previous year's figures have been regrouped, wherever necessary, to conform to current year's classification.



## अनुसूची 1 — पूंजी

## SCHEDULE 1 — CAPITAL

(000 को छोड़ दिया गया है)

(000s omitted)

	31.3.99 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) As on 31.3.99 (current year)	31.3.98 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) As on 31.3.98 (previous year)
	रु. Rs.	रु. Rs.
प्रधिकृत पूंजी — 10/- रुपये प्रति शेयर वाले 100,00,00,000 शेयर Authorised Capital — 100,00,00,000 shares of Rs. 10/- each	1000,00,00	1000,00,00
निर्गमित, अभिदत्त और संदत्त पूंजी — 52,62,98,878 शेयर — प्रत्येक शेयर 10/- रु का [इसमें 2,59,17,500 विश्व जमा रसीदों (दिनांक 31.3.98 तक 261,45,000) के 5,18,35,000 शेयर (दिनांक 31.3.98 तक 5,22,90,000) सम्मिलित हैं]. Issued, Subscribed and Paid-up Capital — 52,62,98,878 shares of Rs. 10/- each [includes 5,18,35,000 shares (5,22,90,000 as on 31.3.98) represented by 2,59,17,500 (2,61,45,000 as on 31.3.98) Global Depository Receipts]	526,29,89	526,29,89
जोड़ TOTAL	526,29,89	526,29,89

Report  junction.com

**अनुसूची 2 — आरक्षितियां और अधिशेष**  
**SCHEDULE 2 — RESERVES & SURPLUS**

(000 को छोड़ दिया गया है)  
 (000s omitted)

	31.3.99 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) As on 31.3.99 (current year)			31.3.98 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) As on 31.3.98 (previous year)		
	रु. Rs.	रु. Rs.		रु. Rs.	रु. Rs.	
I. कानूनी आरक्षितियां Statutory Reserves						
अधिशेष						
Opening Balance	...	...	...	4321,46,19	2810,90,66	
वर्ष के दौरान परिवर्धन Additions during the year	...	...	...	787,30,71	1510,55,53	
वर्ष के दौरान कटौतियां Deductions during the year	...	...	...	...	...	
				5108,76,90	4321,46,19	
II. पूंजी आरक्षितियां Capital Reserves						
अधिशेष						
Opening Balance	...	...	...	172,16,62	51,71,24	
वर्ष के दौरान परिवर्धन Additions during the year	...	...	...	...	120,45,38	
वर्ष के दौरान कटौतियां (राजस्व एवं अन्य आरक्षितियों को अंतरण) Deductions during the year (Transfer to Revenue & Other Reserves)	...	...	...	119,06,96	...	
				53,09,66	172,16,62	
III. शेयर प्रीमियम Share Premium						
अधिशेष						
Opening Balance	...	...	...	3510,57,33	3510,57,33	
वर्ष के दौरान परिवर्धन Additions during the year	...	...	...	...	...	
वर्ष के दौरान कटौतियां Deductions during the year	...	...	...	...	...	
				3510,57,33	3510,57,33	
*IV. राजस्व और अन्य आरक्षितियां Revenue and Other Reserves						
अधिशेष						
Opening Balance	...	...	...	1077,35,25	1077,35,25	
वर्ष के दौरान परिवर्धन (पूंजी आरक्षितियों से अंतरण) Additions during the year (Transfer from Capital Reserves)	...	...	...	125,87,88	...	
वर्ष के दौरान कटौतियां Deductions during the year	...	...	...	...	...	
				1203,23,13	1077,35,25	
V. लाभ और हानि खाते का अधिशेष Balance in Profit and Loss Account	...	...	...	33,55	32,61	
" इसमें (भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 की धारा 36 के अन्तर्गत रखी गई) एकीकरण और विकास निधि के 5,00,00,000 रु. शामिल हैं. Includes Rs. 5,00,00,000 of Integration and Development Fund (maintained under section 36 of the State Bank of India Act, 1955)						
जोड़ TOTAL				9876,00,57	9081,88,00	
(I, II, III, IV, और V)						

अनुसूची 3 — निक्षेप  
SCHEDULE 3 — DEPOSITS

(000 को छोड़ दिया गया है)  
(000s omitted)

				31.3.99 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) As on 31.3.99 (current year)	31.3.98 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) As on 31.3.98 (previous year)
				रु. Rs.	रु. Rs.
क. I.	मांग निक्षेप				
A. I.	Demand Deposits				
	(i) बैंकों से				
	From banks	...	...	4520,90,21	4400,38,98
	(ii) अन्य से				
	From others	...	...	26171,12,93	23413,26,03
II.	बचत बैंक निक्षेप				
	Savings Bank Deposits	...	...	34321,25,22	29207,84,53
III.	सावधि निक्षेप				
	Term Deposits				
	(i) बैंकों से				
	From banks	...	...	5793,73,03	3470,18,45
	(ii) अन्य से				
	From others	...	...	98234,91,98	70599,64,45
जोड़ TOTAL (I, II, और and III)				169041,93,37	131091,32,44
ख. (i)	भारत में शाखाओं के निक्षेप				
B.	Deposits of branches in India	...	...	160254,84,06	123548,74,29
	(ii) भारत के बाहर शाखाओं के निक्षेप				
	Deposits of branches outside India	...	...	8787,09,31	7542,58,15
जोड़ TOTAL				169041,93,37	131091,32,44

अनुसूची 4 — उधार  
SCHEDULE 4 — BORROWINGS

(000 को छोड़ दिया गया है)  
(000s omitted)

				31.3.99 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) As on 31.3.99 (current year)	31.3.98 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) As on 31.3.98 (previous year)
				रु. Rs.	रु. Rs.
I.	भारत में उधार				
	Borrowings in India				
	(i) भारतीय रिज़र्व बैंक				
	Reserve Bank of India	...	...	...	...
	(ii) अन्य बैंक				
	Other banks	...	...	...	79,80
	(iii) अन्य संस्थाएं और अधिकरण				
	Other institutions and agencies	...	...	1076,38,73	836,77,47
II.	भारत के बाहर से उधार				
	Borrowings outside India	...	...	8002,67,13	7255,87,33
जोड़ TOTAL (I और and II)				9079,05,86	8093,44,60
ऊपर I और II में सम्मिलित प्रतिभूत उधार Secured borrowings included in I & II above				रु. Rs. 1413,11,00	रु. Rs. 912,12,62

## अनुसूची 5 — अन्य दायित्व और उपबंध

(000 को छोड़ दिया गया है)

## SCHEDULE 5 — OTHER LIABILITIES &amp; PROVISIONS

(000s omitted)

		31.3.99 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) As on 31.3.99 (current year)	31.3.98 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) As on 31.3.98 (previous year)
		रु. Rs.	रु. Rs.
I. संदेय बिल Bills payable	...	10796,43,43	8754,94,21
II. अंतर-कार्यालय समायोजन (शुद्ध) Inter-office adjustments (net)	...	555,40,42	...
III. प्रोद्भूत ब्याज Interest accrued	...	10100,68,91	7619,87,81
IV. 10 वर्षीय अप्रतिभूत, प्रतिदेय बांड (द्वितीय चरण की पूंजी के लिए अधीनस्थ) 10 years Unsecured Redeemable Bonds (Subordinated for Tier II Capital)	...	984,07,17	987,35,02
V. अन्य (इसमें उपबंध सम्मिलित हैं) Others (including provisions)	...	11549,12,86	13517,54,92
	जोड़ TOTAL	33985,72,79	30879,71,96

Report Junction.com

## अनुसूची 6 — भारतीय रिज़र्व बैंक में नकदी और अतिशेष

(000 को छोड़ दिया गया है)

## SCHEDULE 6 — CASH AND BALANCES WITH RESERVE BANK OF INDIA

(000s omitted)

		31.3.99 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) As on 31.3.99 (current year)	31.3.98 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) As on 31.3.98 (previous year)
		रु. Rs.	रु. Rs.
I. हाथ नकदी (इसमें विदेशी करेंसी नोट सम्मिलित हैं) Cash in hand (including foreign currency notes)	...	497,96,68	508,14,81
II. भारतीय रिज़र्व बैंक में अतिशेष Balances with Reserve Bank of India			
(i) चालू खाते में In Current Account	...	16894,31,80	12906,41,97
(ii) अन्य खातों में In Other Accounts	...	...	...
	जोड़ TOTAL (I और II)	17392,28,48	13414,56,78

अनुसूची 7 — बैंकों में अतिशेष और मांग पर तथा अल्प सूचना पर प्राप्य धन  
 SCHEDULE 7 — BALANCES WITH BANKS & MONEY AT CALL & SHORT NOTICE

(000 को छोड़ दिया गया है)  
 (000s omitted)

					31.3.99 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) As on 31.3.99 (current year)	31.3.98 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) As on 31.3.98 (previous year)
					रु. Rs.	रु. Rs.
I.	भारत में					
	In India					
(i)	बैंकों में अतिशेष					
	Balances with banks					
(क)	चालू खाते में					
(a)	In Current Account	...	...	...	98,83,42	93,86,19
(ख)	अन्य जमा खातों में					
(b)	In Other Deposit Accounts	...	...	...	1680,80,03	1010,57,40
(ii)	मांग पर और अल्प सूचना पर प्राप्य धन					
	Money at call and short notice					
(क)	बैंकों के पास					
(a)	With banks	...	...	...	11038,61,00	821,00,00
(ख)	अन्य संस्थाओं में					
(b)	With other institutions	...	...	...	...	...
जोड़						
TOTAL					12818,24,45	1925,43,59
II.	भारत के बाहर					
	Outside India					
(i)	चालू खाते में					
	In Current Account	...	...	...	3528,65,68	460,30,63
(ii)	अन्य जमा खातों में					
	In Other Deposit Accounts	...	...	...	983,85,75	1215,57,32
(iii)	मांग पर और अल्प सूचना पर प्राप्य धन					
	Money at call and short notice	...	...	...	18489,55,19	15629,93,85
जोड़						
TOTAL					23002,06,62	17305,81,80
कुल जोड़						
GRAND TOTAL					35820,31,07	19231,25,39
(I और II)						



## अनुसूची 8 — विनिधान

## SCHEDULE 8 — INVESTMENTS

(000 को छोड़ दिया गया है)

(000s omitted)

					31.3.99 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) As on 31.3.99 (current year)	31.3.98 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) As on 31.3.98 (previous year)
					रु. Rs.	रु. Rs.
I.	भारत में विनिधान					
	Investments in India in					
	(i) सरकारी प्रतिभूतियां					
	Government Securities	...	...	...	51567,52,54	39024,51,30
	(ii) अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां					
	Other approved securities	...	...	...	6464,39,33	7157,97,06
	(iii) शेयर					
	Shares	...	...	...	1014,09,78	693,82,53
	(iv) डिबेंचर और बंध पत्र					
	Debentures and Bonds	...	...	...	6658,13,04	4132,31,14
	(v) समनुषंगी और/अथवा सह-उद्यम					
	Subsidiaries and/or joint ventures	...	...	...	1043,35,13	987,01,38
	(vi) अन्य (यूनिट आदि)					
	Others (Units, etc.)	...	...	...	1848,57,55	765,14,67
				जोड़		
				TOTAL	68596,07,37	52760,78,08
II.	भारत के बाहर विनिधान					
	Investments outside India in					
	(i) सरकारी प्रतिभूतियों में (इसमें स्थानीय प्राधिकरण सम्मिलित हैं)					
	Government securities (including local authorities)				185,23,57	152,76,22
	(ii) विदेशों में समनुषंगी और/अथवा सह उद्यम					
	Subsidiaries and/or joint ventures abroad	...	...	...	496,76,80	437,39,79
	(iii) अन्य विनिधान (शेयर, डिबेंचर आदि)					
	Other investments (Shares, Debentures, etc.)	...	...	...	2008,44,25	1631,29,89
				जोड़		
				TOTAL	2690,44,62	2221,45,90
				कुल जोड़		
				GRAND TOTAL	71286,51,99	54982,23,98
				(I और II)		
III.	भारत में विनिधान					
	Investments in India					
	(i) विनिधानों का सकल मान					
	Gross Value of Investments	...	...	...	69889,59,02	54097,90,62
	(ii) मूल्यह्रास के लिए किए गए कुल प्रावधान					
	Aggregate of Provisions for Depreciation	...	...	...	1293,51,65	1337,12,54
	(iii) निवल विनिधान (ऊपर I से)					
	Net Investments (vide I above)	...	...	...	68596,07,37	52760,78,08
IV.	भारत के बाहर विनिधान					
	Investments outside India					
	(i) विनिधानों का सकल मान					
	Gross Value of Investments	...	...	...	2717,91,50	2231,88,19
	(ii) मूल्यह्रास के लिए किए गए कुल प्रावधान					
	Aggregate of Provisions for Depreciation	...	...	...	27,46,88	10,42,29
	(iii) निवल विनिधान (ऊपर II से)					
	Net Investments (vide II above)	...	...	...	2690,44,62	2221,45,90
				जोड़		
				TOTAL	2690,44,62	2221,45,90
				कुल जोड़		
				GRAND TOTAL	71286,51,99	54982,23,98
				(III और IV)		

## अनुसूची 9 — अग्रिम

(000 को छोड़ दिया गया है)

## SCHEDULE 9 — ADVANCES

(000s omitted)

				31.3.99 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) As on 31.3.99 (current year)	31.3.98 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) As on 31.3.98 (previous year)
				रु. Rs.	रु. Rs.
क.	(i)	क्रय किए गए और मितोकाटे पर भुगतान किए गए विनिमय पत्र			
A.		Bills purchased and discounted	...	7741,24,61	7933,47,49
	(ii)	कैश क्रेडिट, ओवर ड्राफ्ट और मांग पर प्रति-संदेय उधार			
		Cash credits, overdrafts and loans repayable on demand		45991,24,39	43553,46,19
	(iii)	सावधि उधार			
		Term loans	...	28627,35,21	22750,39,51
जोड़ TOTAL				82359,84,21	74237,33,19
ख.	(i)	मूर्त आस्तियों द्वारा प्रतिभूत			
B.		Secured by tangible assets	...	69122,49,06	62786,68,33
	(ii)	बैंक/सरकारी प्रत्याभूतियों द्वारा संरक्षित			
		Covered by Bank/Government Guarantees	...	8168,93,62	9097,37,44
	(iii)	अप्रतिभूत			
		Unsecured	...	5068,41,53	2353,27,42
जोड़ TOTAL				82359,84,21	74237,33,19
ग.	(I)	भारत में अग्रिम			
C.	(I)	Advances in India			
	(i)	पूर्विकता सेक्टर			
		Priority Sector	...	23090,38,22	19522,81,96
	(ii)	पब्लिक सेक्टर			
		Public Sector	...	13465,11,53	12088,19,49
	(iii)	बैंक			
		Banks	...	469,88,11	785,36,36
	(iv)	अन्य			
		Others	...	34233,50,58	31744,11,91
जोड़ TOTAL				71258,88,44	64140,49,72
(II) भारत के बाहर अग्रिम					
(II) Advances Outside India					
	(i)	बैंकों से शोध			
		Due from banks	...	131,93,73	86,81,87
	(ii)	अन्यों से शोध			
		Due from others			
		(क) क्रय किए गए और मितोकाटे पर भुगतान किए गए विनिमयपत्र			
		(a) Bills purchased and discounted	...	2553,47,45	2463,68,66
		(ख) अभिषद उधार			
		(b) Syndicated loans	...	2581,44,26	1972,78,86
		(ग) अन्य			
		(c) Others	...	5834,10,33	5573,54,08
जोड़ TOTAL				11100,95,77	10096,83,47
कुल जोड़ GRAND TOTAL (ग C.I और ग C.II)				82359,84,21	74237,33,19

**अनुसूची 10 — स्थिर आस्तियां**  
**SCHEDULE 10 — FIXED ASSETS**

(000 को छोड़ दिया गया है)  
 (000s omitted)

	31.3.99 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) As on 31.3.99 (current year)		31.3.98 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) As on 31.3.98 (previous year)	
	रु. Rs.	रु. Rs.	रु. Rs.	रु. Rs.
<b>I. परिसर</b> <b>Premises</b>				
पूर्ववर्ती वर्ष की 31 मार्च की स्थिति के अनुसार लागत पर At cost as on 31st March of the preceding year	...	653,62,45	549,68,37	
वर्ष के दौरान परिवर्धन Additions during the year	...	36,18,20	110,80,44	
वर्ष के दौरान कटौतियां Deductions during the year	...	2,05,93	6,86,36	
अद्यतन अवक्षयण Depreciation to date	...	185,68,63	161,33,01	
		502,06,09		492,29,44
<b>I. क. निर्माणाधीन परिसर*</b> A. Premises under Construction*	...	112,08,76		101,28,12
<b>II. अन्य स्थिर आस्तियां (इसमें फर्नीचर और फिक्सचर सम्मिलित हैं)</b> Other Fixed Assets (including furniture and fixtures)	...			
पूर्ववर्ती वर्ष की 31 मार्च की स्थिति के अनुसार लागत पर At cost as on 31st March of the preceding year	...	1199,58,73	951,03,22	
वर्ष के दौरान परिवर्धन Additions during the year	...	243,74,64	267,39,80	
वर्ष के दौरान कटौतियां Deductions during the year	...	20,21,75	18,84,29	
अद्यतन अवक्षयण Depreciation to date	...	881,48,56	659,14,87	
		541,63,06		540,43,86
<b>III. (क/अ) पट्टाकृत आस्तियां</b> Leased Assets	...			
पूर्ववर्ती वर्ष की 31 मार्च की स्थिति के अनुसार लागत पर At cost as on 31st March of the preceding year	...	289,74,39	151,17,61	
वर्ष के दौरान परिवर्धन Additions during the year	...	715,16,19	138,56,78	
वर्ष के दौरान उपबंध सहित कटौतियां Deductions during the year including provisions	...	5,11,44	41,56	
अद्यतन अवक्षयण Depreciation to date	...	74,75,48	20,81,68	
		925,03,66	268,51,15	
<b>III. (ख/ब) चल रहे पूंजीगत कार्य (पट्टाकृत आस्तियां) उपबंध को घटाकर</b> Capital works-in-progress (Leased Assets) net of Provisions	...	112,84,00	103,79,48	
		1037,87,66		372,30,63
<b>जोड़</b> <b>Total</b> (I से to III)		2193,65,57		1506,32,05

- \* इसमें चल रहे कार्य के अन्तर्गत अन्य स्थिर आस्तियां सम्मिलित हैं.  
 \* Include Other Fixed Assets under works-in-progress.

**अनुसूची 11 — अन्य आस्तियां**  
**SCHEDULE 11 — OTHER ASSETS**

(000 को छोड़ दिया गया है)  
 (000s omitted)

		31.3.99 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) As on 31.3.99 (current year)	31.3.98 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) As on 31.3.98 (previous year)
		रु. Rs.	रु. Rs.
(i) अंतर-कार्यालय समायोजन (शुद्ध) Inter-office adjustments (net)	...	...	2924,35,38
(ii) प्रोद्भूत ब्याज Interest accrued	...	3348,95,54	3005,47,87
(iii) अग्रिम रूप से संदत कर/स्रोत पर काटा गया कर Tax paid in advance/tax deducted at source	...	2403,94,71	1647,34,12
(iv) लेखन सामग्री और स्टाम्प Stationery and stamps	...	69,67,39	72,54,21
(v) दावों की संतुष्टि में प्राप्त की गई गैर-बैंककारी आस्तियां Non-banking assets acquired in satisfaction of claims	...	24,27	22,09
(vi) अन्य Others	...	7633,59,25	8651,01,83
जोड़ TOTAL		13456,41,16	16300,95,50

**अनुसूची 12 — समाश्रित दायित्व**  
**SCHEDULE 12 — CONTINGENT LIABILITIES**

(000 को छोड़ दिया गया है)  
 (000s omitted)

		31.3.99 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) As on 31.3.99 (current year)	31.3.98 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) As on 31.3.98 (previous year)
		रु. Rs.	रु. Rs.
I. बैंक के विरुद्ध दावे जिन्हें ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया है Claims against the bank not acknowledged as debts	...	324,17,28	247,18,50
II. अंशतः संदत विनिधानों के लिए दायित्व Liability for partly paid investments	...	5,97,30	7,84,99
III. बकाया वायदा विनिमय संविदाओं की बाबत दायित्व Liability on account of outstanding forward exchange contracts	...	38518,05,32	32004,86,85
IV. संघटकों की ओर से दी गई प्रत्याभूतियां Guarantees given on behalf of constituents	...		
(क) भारत में (a) In India	...	9250,91,76	9283,26,34
(ख) भारत के बाहर (b) Outside India	...	6032,71,50	5210,54,56
V. प्रतिग्रहण, पृष्ठांकन और अन्य बाध्यताएं Acceptances, endorsements and other obligations	...	9785,71,72	10830,11,81
VI. अन्य मदें जिनके लिए बैंक समाश्रित रूप से उत्तरदायी है Other items for which the bank is contingently liable	...	2497,46,30	2370,01,10
जोड़ TOTAL		66415,01,18	59953,84,15

## 31 मार्च 1999 को समाप्त वर्ष के लिए लाभ और हानि खाता

(000 को छोड़ दिया गया है)

## PROFIT AND LOSS ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 1999

(000s omitted)

	अनुसूची संख्या	31.3.99 को समाप्त वर्ष (चालू वर्ष)	31.3.98 को समाप्त वर्ष (पिछला वर्ष)
	Schedule No.	Year ended 31.3.99 (current year)	Year ended 31.3.98 (previous year)
		रु. Rs.	रु. Rs.
<b>I. आय</b>			
<b>INCOME</b>			
अर्जित ब्याज			
Interest earned	13	19107,53,97	15878,88,74
अन्य आय			
Other Income	14	3284,68,68	2820,16,87
	जोड़		
	TOTAL	22392,22,65	18699,05,61
<b>II. व्यय</b>			
<b>EXPENDITURE</b>			
व्यय किया गया ब्याज			
Interest expended	15	13044,44,14	10473,20,50
प्रचालन व्यय			
Operating expenses	16	5896,62,65	4720,89,12
उपबंध और आकस्मिक व्यय			
Provisions and contingencies		2423,35,61	1643,76,40
	जोड़		
	TOTAL	21364,42,40	16837,86,02
<b>III. लाभ</b>			
<b>PROFIT</b>			
वर्ष के लिए शुद्ध लाभ			
Net Profit for the year		1027,80,25	1861,19,59
अग्रणीत लाभ			
Profit brought forward		32,61	32,66
	जोड़		
	TOTAL	1028,12,86	1861,52,25
<b>विनियोजन</b>			
<b>APPROPRIATIONS</b>			
कानूनी आरक्षितियों को अन्तरण			
Transfer to statutory reserves		787,30,71	1510,55,53
अन्य आरक्षितियों को अन्तरण			
Transfer to other reserves		6,80,92	119,06,96
प्रस्तावित लाभांशों को अन्तरण			
Transfer to proposed dividend		210,51,95	210,51,95
लाभांश पर कर का अन्तरण			
Transfer to Tax on dividend		23,15,73	21,05,20
अतिशेष जो आगे तुलन-पत्र में ले जाया गया है			
Balance carried over to Balance Sheet		33,55	32,61
	जोड़		
	TOTAL	1028,12,86	1861,52,25



## अनुसूची 13 — अर्जित ब्याज

(000 को छोड़ दिया गया है)

## SCHEDULE 13 — INTEREST EARNED

(000s omitted)

	31.3.99 को समाप्त वर्ष (चालू वर्ष) Year ended 31.3.99 (current year)	31.3.98 को समाप्त वर्ष (पिछला वर्ष) Year ended 31.3.98 (previous year)
	रु. Rs.	रु. Rs.
I. अग्रिमों/विनिमय पत्रों पर ब्याज/मितीकाटा Interest/discount on advances/bills	8581,37,80	7829,11,66
II. विनिधानों पर आय Income on investments	7585,31,00	6391,61,75
III. भारतीय रिज़र्व बैंक के अतिशेषों और अन्य अन्तर-बैंक निधियों पर ब्याज Interest on balances with Reserve Bank of India and other inter-bank funds	1100,81,21	631,54,95
IV. अन्य Others	1840,03,96	1026,60,38
जोड़ TOTAL	19107,53,97	15878,88,74

## अनुसूची 14 — अन्य आय

(000 को छोड़ दिया गया है)

## SCHEDULE 14 — OTHER INCOME

(000s omitted)

	31.3.99 को समाप्त वर्ष (चालू वर्ष) Year ended 31.3.99 (current year)	31.3.98 को समाप्त वर्ष (पिछला वर्ष) Year ended 31.3.98 (previous year)
	रु. Rs.	रु. Rs.
(I) कमीशन, विनिमय और दलाली Commission, exchange and brokerage	2378,68,99	2037,76,53
(II) विनिधानों के विक्रय पर लाभ (कुल) Profit on sale of investments (Net) घटाइए : विनिधानों के विक्रय पर हानि Less : Loss on sale of investments	72,65,74	115,57,34
(III) विनिधानों के पुनर्मूल्यांकन पर लाभ Profit on revaluation of investments घटाइए : विनिधानों के पुनर्मूल्यांकन पर हानि Less : Loss on revaluation of investments	...	...
(IV) भूमि, भवनों और अन्य आस्तियों के विक्रय पर लाभ (कुल) Profit on sale of land, buildings and other assets (Net) पट्टाकृत आस्तियों के विक्रय पर लाभ Profit on sale of leased assets घटाइए : भूमि, भवनों और अन्य आस्तियों के विक्रय पर हानि Less : Loss on sale of land, buildings and other assets घटाए : पट्टाकृत आस्तियों के विक्रय पर हानि Less : Loss on Sale of leased assets	(1,18,74)	1,07,06
(V) विनिमय संव्यवहारों पर लाभ (कुल) Profit on exchange transactions (Net) घटाइए : विनिमय संव्यवहारों पर हानि Less : Loss on exchange transactions	569,19,18	505,49,90
(VI) विदेश/भारत में स्थापित समनुषंगियों/कंपनियों और/या सह-उद्यमों से लाभांशों आदि के रूप में अर्जित आय Income earned by way of dividends etc., from subsidiaries/ companies and/or joint ventures abroad/in India	62,44,29	50,11,34
(VII) पट्टा आय Lease income (क/अ) पट्टा प्रबंध शुल्क Lease management fee (ख/ब) पट्टा किराया Lease rental (ग/क) पट्टा वित्तपोषण प्रभार Lease finance charges (घ/द) अतिदेय प्रभार Overdue charges	2,02,81 98,82,45 18,64,13 1,14,62	2,74,24 34,16,91 9,96,43 16,55
(VIII) प्रकीर्ण आय Miscellaneous Income	82,25,21	63,10,57
जोड़ TOTAL	3284,68,68	2820,16,87

नोट : मद II से V के अंतर्गत घाटे के आंकड़ें कोष्ठकों में दिखाए गए हैं।

Note : Under items II to V loss figures shown in brackets.

## अनुसूची 15 — व्यय किया गया ब्याज

(000 को छोड़ दिया गया है)

## SCHEDULE 15 — INTEREST EXPENDED

(000s omitted)

			31.3.99 को समाप्त वर्ष (चालू वर्ष) Year ended 31.3.99 (current year)	31.3.98 को समाप्त वर्ष (पिछला वर्ष) Year ended 31.3.98 (previous year)
			रु. Rs.	रु. Rs.
I. निक्षेपों पर ब्याज				
Interest on deposits	...	...	12196,58,15	9586,24,30
II. भारतीय रिज़र्व बैंक/अंतर-बैंक उधारों पर ब्याज				
Interest on Reserve Bank of India/Inter-bank borrowings	...	...	474,42,66	481,23,74
III. अन्य				
Others	...	...	373,43,33	405,72,46
		जोड़ TOTAL	13044,44,14	10473,20,50

## अनुसूची 16 — प्रचालन व्यय

(000 को छोड़ दिया गया है)

## SCHEDULE 16 — OPERATING EXPENSES

(000s omitted)

			31.3.99 को समाप्त वर्ष (चालू वर्ष) Year ended 31.3.99 (current year)	31.3.98 को समाप्त वर्ष (पिछला वर्ष) Year ended 31.3.98 (previous year)
			रु. Rs.	रु. Rs.
I. कर्मचारियों को भुगतान और उनके लिए व्यवस्था				
Payments to and provisions for employees	...	...	4147,40,18	3557,74,60
II. भाटक, कर और रोशनी				
Rent, taxes and lighting	...	...	379,89,73	344,82,15
III. मुद्रण और लेखन-सामग्री				
Printing and stationery	...	...	92,57,71	84,58,44
IV. विज्ञापन और प्रचार				
Advertisement and publicity	...	...	22,19,87	15,02,17
V. (क) बैंक की सम्पत्ति पर अवक्षयण (पट्टाकृत आस्तियों के अतिरिक्त)				
(a) Depreciation on bank's property (other than leased assets)	...	...	256,65,47	146,15,69
(ख) पट्टाकृत आस्तियों पर अवक्षयण				
(b) Depreciation on Leased Assets	...	...	53,91,80	17,91,27
VI. निदेशकों की फीस, भत्ते और व्यय				
Directors' fees, allowances and expenses	...	...	72,23	67,49
VII. लेखा परीक्षकों की फीस और व्यय (इसमें शाखा लेखा-परीक्षकों की फीस और व्यय शामिल है)				
Auditors' fees and expenses (including branch auditors' fees and expenses)	...	...	20,07,64	16,75,92
VIII. विधि प्रभार				
Law charges	...	...	15,51,83	11,68,02
IX. डाक महसूल, तार और टेलीफोन आदि				
Postages, Telegrams, Telephones, etc.	...	...	68,89,99	61,96,79
X. मरम्मत और अनुरक्षण				
Repairs and maintenance	...	...	44,20,59	41,27,06
XI. बीमा				
Insurance	...	...	74,32,45	60,14,79
XII. अन्य व्यय				
Other expenditure	...	...	720,23,16*	362,14,73
		जोड़ TOTAL	5896,62,65	4720,89,12

\* इसमें रिसर्जेंट इंडिया बाण्ड जारी करने में हुआ व्यय रु. 305,86,25 हजार शामिल है।

\* Includes Resurgent India Bonds issue expenses amounting to Rs. 305,86,25 thousand.

**हस्ताक्षरकर्ता:**

जगदीश कपूर	वी. बी. कौजलगी	निदेशक	एस. आर. अय्यर
सुरेश कुमार मेहरा	अनिला आर. धोलकिया		प्रबंध निदेशक एवं समूह कार्यपालक (राष्ट्रीय बैंकिंग)
आर. प्रभाकर राव	के. पूर्णचंद्र राव		वी. जानकीरामन
शांथा राजू	रजत कुमार चक्रवर्ती		प्रबंध निदेशक एवं समूह कार्यपालक (कारपोरेट बैंकिंग)
आई. जी. पटेल	किसन कानुनगो		जी. जी. वैद्य
राजेन्द्र एस. लोढ़ा	सी. एम. वासुदेव		अध्यक्ष

कलकत्ता,  
24 जून, 1999

**SIGNED BY:**

Jagdish Capoor	V. B. Kaujalgi	Directors	S. R. Iyer
Suresh Kumar Mehra	Anila R. Dholakia		Managing Director and Group Executive (National Banking)
R. Prabhakar Rao	K. Purnachandra Rao		V. Janakiraman
Shantha Raju	Rajat Kumar Chakrabarti		Managing Director and Group Executive (Corporate Banking)
I. G. Patel	Kissen Kanungo		G. G. Vaidya
Rajendra S. Lodha	C. M. Vasudev		Chairman

Calcutta,  
24th June, 1999

## लेखा-परीक्षकों की रिपोर्ट

प्रति, भारत के राष्ट्रपति,

1. भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 की धारा 41 (1) के अंतर्गत नियुक्त हम, भारतीय स्टेट बैंक के अधोहस्ताक्षरित लेखा-परीक्षक बैंक के तुलनपत्र और लाभ और हानि लेखे के बारे में केन्द्र सरकार को एतद्वारा अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करते हैं।
2. हमने भारतीय स्टेट बैंक के 31 मार्च 1999 के तुलनपत्र और उसी तारीख को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए लाभ-हानि लेखे की लेखा-परीक्षा की है। इसमें निम्नलिखित शामिल है :-
  - (i) केन्द्रीय कार्यालय, तेरह स्थानीय प्रधान कार्यालय, कारपोरेट लेखा समूह (केन्द्रीय) और पट्टा कार्यनीतिक व्यवसाय इकाई और उनतालीस शाखाओं के लेखे जिनकी लेखा परीक्षा हमने व्यक्तिगत हैसियत से की है,
  - (ii) छह हजार छह सौ उनसठ भारतीय शाखाओं की लेखा-परीक्षा अन्य लेखा-परीक्षकों ने की,
  - (iii) विदेश स्थित कार्यालयों की लेखा-परीक्षा स्थानीय लेखा परीक्षकों ने की, तथा
  - (iv) शाखा प्रबंधकों द्वारा प्रमाणित अन्य भारतीय शाखाओं की विवरणियां, जिनकी लेखा-परीक्षा नहीं हुई है।
3. तुलनपत्र और लाभ-हानि लेखा बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 की तृतीय अनुसूची के क्रमशः 'क' और 'ख' फार्मों में तैयार किए गए हैं और वे भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 तथा उसके अंतर्गत बने विनियमों के उपबंधों के अनुसार अपेक्षित जानकारी देते हैं।
4. हम निम्नलिखित की ओर ध्यान आकर्षित करते हैं :
  - (i) लेखा टिप्पणियों की मद क्र. 1 (विदेशी मुद्रा शेष राशियों के रूपांतरण एवं अंतरण से संबंधित) जिसमें भा.रि.बैं./भा.वि.मु.व्या.संघ के अनुदेशों/दिशा निर्देशों का पालन इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) द्वारा जारी "विदेशी विनियम दरों में होने वाले परिवर्तनों के प्रभावों के लेखे" से संबंधित लेखा मानक 11 की तुलना में किया गया है।
  - (ii) कर्मचारियों की छुट्टी के भुगतान के संबंध में लेखा टिप्पणियों की मद क्र. 2 को भुगतान आधार पर आईसीएआई द्वारा जारी "नियोजक के वित्तीय विवरणों में सेवानिवृत्ति के लाभों के लेखे" से संबंधित लेखा मानक 15 की तुलना में अपनाया गया है।

## REPORT OF THE AUDITORS

TO THE PRESIDENT OF INDIA,

1. We, the undersigned Auditors of the State Bank of India, appointed under Section 41 (1) of the State Bank of India Act, 1955, do hereby report to the Central Government upon the Balance Sheet and Profit & Loss Account of the Bank.
2. We have audited the Balance Sheet of the State Bank of India as at 31st March, 1999 and the Profit and Loss Account of the Bank for the year ended on that date in which are incorporated the accounts of :-
  - (i) the Central Office, thirteen Local Head Offices, Corporate Accounts Group (Central), Leasing SBU and thirty nine branches audited by us in our individual capacity,
  - (ii) Six thousand six hundred fifty nine Indian Branches audited by other auditors,
  - (iii) the foreign offices audited by the local auditors and
  - (iv) Other Indian Branches, the unaudited returns of which are certified by the Branch Managers.
3. The Balance Sheet and the Profit and Loss Account have been drawn up in Forms A and B respectively of the Third Schedule to the Banking Regulation Act, 1949 and they give the information as required to be given by virtue of the provisions of the State Bank of India Act, 1955 and Regulations thereunder.
4. We invite attention to:
  - (i) Item No.1 in the Notes on Accounts (regarding translation/conversion of foreign exchange balances) wherein RBI/FEDAI instructions/guidelines have been followed in preference to the Accounting Standard No. 11 on "Accounting for the Effects of Changes in Foreign Exchange Rates" issued by the Institute of Chartered Accountants of India (ICAI).
  - (ii) Item No. 2 in the Notes on Accounts regarding treatment of encashment of leave of employees on payment basis, in preference to the Accounting Standard No. 15 on "Accounting for Retirement Benefits in the Financial Statements of Employers" issued by ICAI.

5. (क) हमारी राय और हमारी जानकारी में तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के आधार पर और जैसा कि बैंक की बहियों में दिखाया गया है, हम अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करते हैं कि लेखों पर दी गई टिप्पणियों के एवं प्रमुख लेखा नीतियों के विवरण के साथ पढ़े जाने पर तुलनपत्र एक पूर्ण एवं सही तुलनपत्र है, जिसमें सभी आवश्यक जानकारी शामिल है और वह इस प्रकार तैयार किया गया है कि वह 31 मार्च, 1999 को बैंक के कामकाज का वास्तविक और सही चित्र दर्शाता है और लाभ-हानि लेखा सम्बन्धित खातों का समावेश करते हुए वर्ष के लाभ का सही शेष प्रदर्शित करता है;

(ख) हमने जहाँ भी कोई जानकारी और स्पष्टीकरण माँगा है, वह हमें दिया गया है और वह संतोषजनक रहा है,

(ग) हमारी जानकारी में आए लेन-देन बैंक के अधिकार क्षेत्र में रहे हैं तथा

(घ) बैंक के कार्यालयों और शाखाओं से प्राप्त विवरणियाँ लेखा-परीक्षा के उद्देश्य से पर्याप्त पाई गई हैं.

5. (a) In our opinion and to the best of our information and the explanations given to us and as shown by the books of the Bank, read with paragraph 4 above and with the Notes on Accounts and Statement of Principal Accounting Policies, we report that the Balance Sheet is a full and fair Balance Sheet containing all the necessary particulars and it is properly drawn up so as to exhibit a true and fair view of the affairs of the Bank as at 31st March 1999 and the Profit and Loss Account shows a true balance of profit for the year covered by the accounts;

(b) where we have called for any explanation and information, such explanation and information have been given to us and we have found them to be satisfactory;

(c) the transactions of the Bank which have come to our notice have been within the powers of the Bank and

(d) the returns received from the offices and branches of the Bank have been found adequate for the purpose of the Audit.

## लेखा-परीक्षक

भट्टाचार्य दास एण्ड कं.

खिम्जी कुंवरजी एण्ड कं.

प्राइस पैट एण्ड कं.

पी. के. चोपड़ा एण्ड कं.

पी. जैन एण्ड कं.

रमणलाल जी. शाह एण्ड कं.

सत्यनारायण एण्ड कं.

रघुनाथ राय एण्ड कं.

लुनकर एण्ड कं.

एस. आर. आर. के. शर्मा एसोशिएट्स

खन्ना एण्ड कं.

आर. सिंघी एण्ड कं.

आर. सुब्रमणियन एण्ड कं.

कलकत्ता,

24 जून, 1999

## Auditors

Bhattacharya Das & Co.

Khimji Kunverji & Co.

Price Patt & Co.

P. K. Chopra & Co.

P. Jain & Co.

Ramanlal G. Shah & Co.

Satyanarayana & Co.

Raghunath Rai & Co.

Loonker & Co.

S. R. R. K. Sharma Associates

Khanna & Co.

R. Singhi & Co.

R. Subramanian & Co.

Calcutta,

24th June, 1999



## भारतीय स्टेट बैंक STATE BANK OF INDIA

31 मार्च 1999 को समाप्त वर्ष के लिए नकदी प्रवाह विवरण

CASH FLOW STATEMENT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH, 1999

(000 को छोड़ दिया गया है 000s omitted)

	31.3.99 को समाप्त वर्ष Year ended 31.3.99 (चालू वर्ष current year)		31.3.98 को समाप्त वर्ष Year ended 31.3.98 (पिछला वर्ष previous year)	
	रु. Rs.	रु. Rs.	रु. Rs.	रु. Rs.
क. परिचालन कार्यकलापों से नकदी प्रवाह A. CASH FLOW FROM OPERATING ACTIVITIES		220,133,732		59,426,596
ख. निवेश कार्यकलापों से नकदी प्रवाह B. CASH FLOW FROM INVESTING ACTIVITIES		(10,687,089)		(6,967,817)
ग. वित्तपोषण कार्यकलापों से नकदी प्रवाह C. CASH FLOW FROM FINANCING ACTIVITIES		(3,778,905)		(3,528,072)
नकदी एवं नकदी समतुल्य में कुल परिवर्तन NET CHANGE IN CASH AND CASH EQUIVALENTS		205,667,738		48,930,707
घ. वर्ष के आरम्भ में नकदी एवं नकदी समतुल्य D. CASH AND CASH EQUIVALENTS AT THE BEGINNING OF THE YEAR		326,458,217		277,527,510
ङ. वर्ष की समाप्ति पर नकदी एवं नकदी समतुल्य (क+ख+ग+घ) E. CASH AND CASH EQUIVALENTS AT THE END OF THE YEAR (A+B+C+D)		532,125,955		326,458,217
क. परिचालन कार्यकलापों से नकदी प्रवाह A. CASH FLOW FROM OPERATING ACTIVITIES				
अग्रिमों, निवेशों आदि से वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज Interest received during the year from advances, investments, etc.	187,640,630		153,475,445	
अन्य आय Other Income	31,757,569		27,941,553	
वर्ष के दौरान जमा राशियों आदि पर संदत्त ब्याज Interest paid during the year on deposits, etc.	(104,205,905)		(100,423,690)	
प्रावधानों एवं आकस्मिकताओं सहित परिचालन व्यय Operating Expenses including Provisions and Contingencies	(83,409,947)		(62,774,853)	
मूल्य-ह्रास हेतु समायोजन Adjustment for Depreciation	3,105,727		1,640,696	
नकदी लाभ उप-योग SUB-TOTAL BEING CASH PROFIT		34,888,074		19,859,151
जमा राशियाँ Deposits		379,506,093		203,901,536
उधार राशियाँ Borrowings		9,856,126		11,329,173
निवेश Investments		(161,885,725)		(79,291,128)
अग्रिम Advances		(81,225,102)		(120,041,322)
अन्य देयताएं एवं प्रावधान Other Liabilities & Provisions		6,637,321		(3,270,501)
अन्य आस्तियाँ Other Assets		32,356,945		26,939,687
परिचालन कार्यकलापों द्वारा उपलब्ध कराई गई निवल नकदी NET CASH PROVIDED BY OPERATING ACTIVITIES		220,133,732		59,426,596

(000 को छोड़ दिया गया है 000s omitted)

	31.3.99 को समाप्त वर्ष Year ended 31.3.99 (चालू वर्ष current year)	31.3.98 को समाप्त वर्ष Year ended 31.3.98 (पिछला वर्ष previous year)
	रु. Rs.	रु. Rs.
<b>ख. निवेश कार्यकलापों से नकदी प्रवाह</b>		
<b>B. CASH FLOW FROM INVESTING ACTIVITIES</b>		
सम्पन्नियों तथा/अथवा संयुक्त उद्यम में निवेश Investments in Subsidiaries and/or Joint Ventures	(1,320,565)	(2,484,924)
ऐसे निवेशों पर अर्जित आय Income earned on such Investments	624,429	501,134
अचल आस्तियाँ Fixed Assets	(9,990,953)	(4,984,027)
निवेश कार्यकलापों में प्रयुक्त निवल नकदी NET CASH USED IN INVESTING ACTIVITIES	(10,687,089)	(6,967,817)
<b>ग. वित्तपोषण कार्यकलापों से नकदी प्रवाह</b>		
<b>C. CASH FLOW FROM FINANCING ACTIVITIES</b>		
शेयर पूंजी Share Capital	-	-
शेयर प्रीमियम Share Premium	-	-
गौण बांडों का मोचन Redemption of Subordinated Bonds	(32,785)	(47,110)
बांडों पर संदत्त ब्याज Interest Paid on Bonds	(1,430,399)	(1,486,384)
संदत्त लाभांश Dividends Paid	(2,315,721)	(1,994,578)
वित्तपोषण कार्यकलापों द्वारा प्रदत्त (प्रयुक्त) निवल नकदी NET CASH PROVIDED BY (USED IN) FINANCING ACTIVITIES	(3,778,905)	(3,528,072)
<b>घ. वर्ष के आरंभ में नकदी एवं नकदी समतुल्य</b>		
<b>D. CASH AND CASH EQUIVALENTS AT THE BEGINNING OF THE YEAR</b>		
हाथ नकदी (इसमें विदेशी करेंसी नोट सम्मिलित है)		
(i) Cash in hand (including foreign currency notes)	5,081,481	4,932,499
भारतीय रिज़र्व बैंक में अतिशेष (ii) Balance with Reserve Bank of India	129,064,197	103,539,291
बैंकों में अतिशेष तथा मांग पर एवं अल्प सूचना पर प्राप्य धन (iii) Balance with Banks and Money at Call and Short Notice	192,312,539	169,055,720
	326,458,217	277,527,510

(000 को छोड़ दिया गया है 000s omitted)

	31.3.99 को समाप्त वर्ष Year ended 31.3.99 (वर्तमान वर्ष current year)		31.3.98 को समाप्त वर्ष Year ended 31.3.98 (पिछला वर्ष previous year)	
	रु. Rs.	रु. Rs.	रु. Rs.	रु. Rs.
<b>ड. वर्ष की समाप्ति पर नकदी एवं नकदी समतुल्य</b>				
<b>E. CASH AND CASH EQUIVALENTS</b>				
<b>AT THE END OF THE YEAR</b>				
हाथ नकदी (इसमें विदेशी करेंसी नोट सम्मिलित हैं)				
(i) Cash in hand (including foreign currency notes)	4,979,868		5,081,481	
भारतीय रिज़र्व बैंक में अतिशेष				
(ii) Balance with Reserve Bank of India	168,943,180		129,064,197	
बैंकों में अतिशेष तथा मांग पर एवं अल्प-सूचना पर प्राप्य धन				
(iii) Balance with Banks and Money at Call and Short Notice	358,203,107		192,312,539	
	<b>532,125,955</b>		<b>326,458,217</b>	

**लेखा परीक्षकों का प्रमाणपत्र**

भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 की धारा 41(1) के अन्तर्गत नियुक्त हम, भारतीय स्टेट बैंक के अधोहस्ताक्षरित सांविधिक लेखापरीक्षकों ने 31 मार्च 1999 को समाप्त वर्ष के लिए भारतीय स्टेट बैंक के उपर्युक्त नकदी प्रवाह विवरण का सत्यापन कर लिया है। यह विवरण भारतीय स्टेट बैंक द्वारा शेयर बाजारों के साथ हुए सूचीकरण करार के खण्ड 32 की अपेक्षाओं के अनुसार तैयार किया गया है और भारत के राष्ट्रपति को प्रस्तुत बैंक के 24 जून 1999 की रिपोर्ट में सम्मिलित लाभ और हानि लेखा और तुलनपत्र के अनुरूप है और उसके आधार पर तैयार किया गया है।

हस्ता/-  
अध्यक्ष  
Sd/-  
Chairman

उपर्युक्त नकदी प्रवाह विवरण बैंक के केंद्रीय बोर्ड की कार्यकारिणी समिति द्वारा, 26 जून 1999 को हुई इसकी बैठक में अभिलेख में ले लिया गया है।

**Auditors' Certificate**

We, the undersigned Statutory Auditors of the State Bank of India, appointed under Section 41(1) of the State Bank of India Act, 1955, have verified the above Cash Flow Statement of State Bank of India for the year ended 31st March, 1999. The Statement has been prepared by the Bank in accordance with the requirements of the listing agreement Clause 32 with the Stock Exchanges and is based on and in agreement with the corresponding Profit & Loss Account and Balance Sheet of the Bank covered by the Report of the 24th June, 1999 to the President of India.

The above Cash Flow Statement has been taken on record by the Executive Committee of the Central Board of the Bank at its Meeting held on the 26th June, 1999.

हस्ता/-  
भट्टाचार्य दास एण्ड कं.  
Sd/-  
Bhattacharya Das & Co.  
सांविधिक लेखापरीक्षक  
Statutory Auditors

हस्ता/-  
सचिव,  
केन्द्रीय बोर्ड  
Sd/-  
Secretary,  
Central Board

मुंबई  
दिनांक : 26.6.1999.

Mumbai  
Date : 26.6.1999.

शेयर बाजारों के पले जहाँ बैंक  
के शेयर/बांड/विश्व जमा प्रसीदें  
सूचीबद्ध हैं

1. स्टाक एक्सचेंज, मुंबई,  
फिरोज जीजीभाय टावर्स, 25वीं मंजिल, दलाल स्ट्रीट,  
मुंबई - 400 001.
2. अहमदाबाद स्टाक एक्सचेंज लिमिटेड,  
कामधेनु कॉम्प्लेक्स, पुराना सचिवालय के सामने,  
अहमदाबाद - 380 015.
3. कलकत्ता स्टाक एक्सचेंज असोशिएशन लिमिटेड,  
7, लायंस रेन्ज, कलकत्ता - 700 001.
4. मद्रास स्टाक एक्सचेंज असोशिएशन लिमिटेड,  
एक्सचेंज बिल्डिंग, 11, सेकंड लाइन बीच,  
चेन्नई - 600 001.
5. दिल्ली स्टाक एक्सचेंज असोशिएशन लिमिटेड,  
वेस्ट प्लाजा, आई जी स्टेडियम, इंद्रप्रस्थ एस्टेट,  
नई दिल्ली - 110 002.
6. नेशनल स्टाक एक्सचेंज आफ इंडिया लिमिटेड,  
ट्रेड वर्ल्ड, सेनापति बापट मार्ग, लोअर परेल,  
मुंबई - 400 013.
7. लंदन स्टाक एक्सचेंज,  
लंदन ईसी 2 एन 1 एचपी (यू.के.)

बैंक ने उपर्युक्त शेयर बाजारों में से प्रत्येक का वार्षिक सूचीबद्धता शुल्क  
अदा किया है।

Addresses of the Stock Exchanges,  
where the Bank's shares/bonds/GDRs  
are listed

1. Stock Exchange, Mumbai,  
Phiroze Jeejeebhoy Towers, 25th Floor,  
Dalal Street, Mumbai - 400 001.
2. Ahmedabad Stock Exchange Limited,  
Kamdhenu Complex, Opp. Old Sachivalaya,  
Ahmedabad - 380 015.
3. Calcutta Stock Exchange Association Limited,  
7, Lyons Range, Calcutta - 700 001.
4. Madras Stock Exchange Association Limited,  
Exchange Building, 11, Second Line Beach,  
Chennai - 600 001.
5. The Delhi Stock Exchange Association Limited,  
West Plaza, IG Stadium, Indraprastha Estate,  
New Delhi - 110 002.
6. National Stock Exchange of India Limited,  
Trade World, Senapati Bapat Marg, Lower Parel,  
Mumbai - 400 013.
7. The London Stock Exchange,  
London EC2N 1 HP (U.K.).

The Bank has paid the Annual Listing Fee to each of  
the above Exchanges.



---

इंटरनेट पर बैंक से संपर्क करें  
Visit the Bank's site at



<http://www.sbi.co.in>  
<http://www.statebankofindia.com>

भारतीय स्टेट बैंक, आर्थिक अनुसंधान विभाग,  
केन्द्रीय कार्यालय, मुंबई - 400 021  
द्वारा प्रकाशित.

रूप सज्जा और मुद्रित कार्य  
टाटा डोनेलि लि. द्वारा सम्पन्न.

Issued by the State Bank of India,  
Economic Research Department,  
Central Office, Mumbai - 400 021.

Designed & Printed at  
Tata Donnelley Ltd.



